राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार 20 जुलाई 2026 वर्ष-9,अंक-168 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

री-नीट रिजल्ट पर अब नया विवाद, ओएमआर और मार्कशीट में 600 अंकों तक अंतर

छात्रों ने परिणाम में गंभीर गड़बड़ी के लगाए आरोप, हाईकोर्ट जाने की तैयारी

नई दिल्ली।

री-नीट 2026 के परिणाम घोषित होने के बाद राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) एक बार फिर विवादों में घिर गई है। कई अभ्यर्थियों ने आरोप लगाया है कि उनकी ओएमआर शीट और जारी स्कोरकार्ड के अंकों में भारी अंतर है। छात्रों का दावा है कि फाइनल आंसर-की के आधार पर उनके अंक अधिक बन रहे थे, लेकिन जारी मार्कशीट में 15 से लेकर 600 तक अंक कम दर्ज किए गए। इस कारण कई ऐसे छात्र, जो अपने आकलन के अनुसार क्वालिफाई कर रहे थे, परिणाम में अयोग्य घोषित हो गए। छात्रों और अभिभावकों का कहना है कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने फाइनल आंसर-की जारी करने के महज तीन से चार घंटे के भीतर परिणाम घोषित कर दिया, जिससे तकनीकी त्रुटियों की आशंका बढ़ गई। एनटीए ने 16 जुलाई की देर रात परिणाम जारी किए थे। इस वर्ष लगभग 20 लाख अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी, जिनमें से 11.21 लाख मेडिकल, डेंटल, आयुष और अन्य चिकित्सा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए पात्र घोषित किए गए। वर्ष 2020 और 2021 के बाद पहली बार कोई भी छात्र 720 में से पूर्ण 720 अंक हासिल नहीं कर सका। इस बीच हरियाणा से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। अभ्यर्थी मुकुल काजल ने मीडिया के समक्ष आरोप लगाया, कि 17 जुलाई को डाउनलोड किए गए उनके आधिकारिक स्कोरकार्ड में 605 अंक और ऑल इंडिया रैंक 9551 दर्ज थी, लेकिन कुछ घंटे बाद दोबारा डाउनलोड करने पर अंक घटकर केवल 60 रह गए और रैंक 18,76,324 हो गई। छात्र का दावा है कि उनके पास पहले जारी स्कोरकार्ड की प्रति सुरक्षित है तथा ओएमआर शीट और फाइनल आंसर-की के अनुसार भी उनका स्कोर 605 अंक ही बनता है। एनटीए बोला- मामले की जांच हो रही बढ़ते विवाद के बीच कई छात्र और अभिभावक न्यायालय का दरवाजा खटखटाने की तैयारी कर रहे हैं। वहीं, एनटीए ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी बयान में कहा है कि सभी शिकायतों की जांच की जा रही है। एजेंसी ने अभ्यर्थियों से केवल मूल ओएमआर शीट जमा करने की अपील करते हुए चेतावनी दी है कि फर्जी या कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से तैयार दस्तावेज प्रस्तुत करने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल छात्रों को जांच रिपोर्ट और एनटीए के अंतिम स्पष्टीकरण का इंतजार है।

जम्मू-कश्मीर में एक सप्ताह में दूसरा संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन बरामद

सांबा जिले के खेतों से मिला ड्रोन फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया, सुरक्षा एजेंसियां सतर्क

जम्मू।

जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में सुरक्षा बलों ने एक संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन बरामद किया है। पिछले एक सप्ताह के भीतर इस तरह का दूसरा ड्रोन मिलने से सीमा पार से होने वाली संदिग्ध गतिविधियों को लेकर सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में निगरानी बढ़ा दी गई है और मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है। - अधिकारियों के अनुसार, टेरिटोरियल आर्मी के जवानों ने शनिवार देर रात पुरमंडल क्षेत्र के सांगर गांव के खेतों में तलाशी अभियान के दौरान संदिग्ध ड्रोन बरामद किया। प्रारंभिक जांच के बाद ड्रोन को कब्जे में लेकर फोरेंसिक परीक्षण के लिए भेज दिया गया है, ताकि उसके उत्पनादन क्षेत्र, तकनीकी क्षमता और संभावित उद्देश्य का पता लगाया जा सके। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि हाल के दिनों में लगातार ड्रोन मिलने की घटनाएं सीमा पार से घुसपैठ, हथियारों और मादक पदार्थों की तस्करी अथवा खुफिया गतिविधियों से जुड़ी हो सकती हैं। हालांकि, अधिकारियों ने अभी तक ड्रोन के माध्यम से किसी सामग्री की आपूर्ति या किसी विशेष मिशन की पुष्टि नहीं की है। देवक गांव से पहले ही बरामद हो चुका एक ड्रोन इससे पहले 14 जुलाई को जम्मू क्षेत्र के देवक गांव के पास एक खुले मैदान से भी एक संदिग्ध ड्रोन बरामद किया गया था। एक सप्ताह के भीतर दूसरी बरामदगी ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। इसके मद्देनुसार सीमा से सटे इलाकों में गश्त, निगरानी और तलाशी अभियान तेज कर दिए गए हैं। सुरक्षा बलों ने स्थानीय लोगों से भी अपील की है कि यदि उन्हें किसी संदिग्ध उड़ने वाली वस्तु या गतिविधि की जानकारी मिले तो तुरंत पुलिस या सुरक्षा एजेंसियों को सूचित करें।

एक्सप्रेस पर टूटा ओवरहेड इलेक्ट्रिक तार

जमशेदपुर। झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले में रविवार सुबह टाटा-हावड़ा स्टील एक्सप्रेस के साथ एक बड़ा रेल हादसा टल गया। गालूडीह थाना क्षेत्र में स्वर्णरेखा नदी पर बने रेलवे पुल के पास ट्रेन के गुजरने के दौरान ओवरहेड इलेक्ट्रिक (ओएचई) तार टूटकर कोच की छत पर गिर गया, जिससे ट्रेन बीच पुल पर ही रुक गई। घटना में किसी यात्री के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन इसके कारण टाटा-हावड़ा रेलखंड पर रेल परिचालन प्रभावित हो गया। रेलवे सूत्रों के अनुसार, घटना सुबह करीब सात बजे चंद्ररेखा गांव के समीप घाटर रेलवे पुल पर हुई। टाटानगर से हावड़ा जा रही स्टील एक्सप्रेस के गुजरने के दौरान अचानक ओएचई तार टूट गया। बिजली आपूर्ति बाधित होने के कारण ट्रेन तत्काल रोक दी गई।

भारत को ऑस्ट्रेलिया लौटाएगा 200 करोड़ का चोरी हुआ खजाना

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हालिया ऑस्ट्रेलिया दौरे के ठीक बाद दोनों देशों के कूटनीतिक और सांस्कृतिक संबंधों में एक बेहद ऐतिहासिक मोड़ आया है।

दुनिया के एक बेहद शक्तिशाली देश ऑस्ट्रेलिया ने भारत के साथ अपनी गहरी दोस्ती का अनूठा सबूत देते हुए बिना किसी औपचारिक मांग के भारत से चोरी हुआ अरबों का खजाना लौटाने का ऐलान किया है। ऑस्ट्रेलिया के गृह मंत्री टोनी बर्क ने वैश्विक मंच पर स्पष्ट किया है कि भारत की प्राचीन अमानत को अपने पास रखना नैतिक रूप से गलत है।

उन्होंने कहा कि उनका देश अब खुद आगे बढ़कर अपने सभी संग्रहालयों की सघन जांच करेगा और वहां मौजूद भारत की बेशकीमती मूर्तियों और ऐतिहासिक विरासतों को ढूंढ-ढूंढकर ससम्मान वतन वापस भेजेगा।

यह पूरा घटनाक्रम तब गति पकड़ गया जब ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने पीएम मोदी के दौरे के वक्त कई प्राचीन भारतीय कलाकृतियों को सौंपने की घोषणा की थी। गृह मंत्री टोनी बर्क ने इसे महज एक कूटनीतिक औपचारिकता मानने से इनकार करते हुए कहा कि किसी भी देश को चोरी को जायज नहीं ठहराना चाहिए। यदि आपके पास कोई ऐसी चीज है जो कानूनी तौर पर आपकी नहीं है, तो उसे अपने पास रखना चोरी ही कहलाता है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की नेशनल गैलरी का उदाहरण दिया, जिसने अतीत में भगवान शिव की एक प्राचीन मूर्ति का दावा सही न पाए जाने पर उसे तुरंत भारत को लौटा दिया था। अब ऑस्ट्रेलिया इस प्रक्रिया को और आसान बना रहा है ताकि भारत को अपनी ही धरोहरों के लिए लंबी कानूनी लड़ाई न लड़नी पड़े।भारत की ये अनमोल धरोहरें अंतरराष्ट्रीय तस्कर सुभाष कपूर के एक बड़े नेटवर्क के जरिए सात समंदर पार पहुंची थीं।

इस रैकेट ने भारत के सुदूर इलाकों और विशेष रूप से तमिलनाडु के चोल काल के ऐतिहासिक मंदिरों से प्राचीन मूर्तियां चुराकर उनके फर्जी मालिकाना हक और जाली कागजात तैयार किए थे।

राहुल-खरगे ने पीएम मोदी को लिखी चिट्ठी कहा- चुप्पी से काम नहीं चलेगा

अयोध्या के राम मंदिर में हुई चोरी का मामला

नई दिल्ली।

संसद के मानसून सत्र से पहले राम मंदिर चंदे को लेकर सियासी विवाद तेज हो गया है। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी तथा राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संयुक्त पत्र लिखकर श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से जुड़े कथित वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों पर सवाल उठाए हैं। दोनों नेताओं ने मामले में प्रधानमंत्री की चुप्पी को लेकर भी आपत्ति जताई और जवाबदेही तय करने की मांग की है।

कांग्रेस नेताओं ने अपने पत्र में कहा कि राम मंदिर के लिए देश-विदेश से करोड़ों श्रद्धालुओं ने श्रद्धा और विश्वास के साथ दान दिया है। ऐसे में यदि चंदे या ट्रस्ट के वित्तीय प्रबंधन को लेकर कोई आरोप सामने आते हैं तो उनकी निष्पक्ष जांच जरूरी है। उन्होंने कहा कि ऐसे गंभीर मामलों में सरकार की ओर से स्पष्ट जवाब आना चाहिए और जनता को वास्तविक स्थिति की जानकारी मिलनी चाहिए। राहुल गांधी और खरगे ने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय को लेकर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोपों की जांच की मांग

करते हुए कहा कि ट्रस्ट से जुड़े सभी वित्तीय मामलों की स्वतंत्र और व्यापक समीक्षा होनी चाहिए। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि मंदिर निर्माण से जुड़ी आस्था और श्रद्धालुओं के विश्वास को बनाए रखने के लिए पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता जरूरी है। दोनों नेताओं ने प्रधानमंत्री से मांग की है कि जांच केवल दस्तावेजों और खातों तक सीमित न रहे, बल्कि मंदिर के लिए मिले सभी प्रकार के दान, जिसमें नकद राशि, सोना, चांदी और अन्य चढ़ावे शामिल हैं, उनके प्रबंधन की भी विस्तृत जांच की जाए।कांग्रेस ने यह भी मांग की है कि जांच रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए और ट्रस्ट के सभी खातों की जानकारी आम लोगों के सामने रखी जाए। पार्टी का कहना है कि इससे श्रद्धालुओं को यह स्पष्ट जानकारी मिल सकेगी कि उनके द्वारा दिए गए दान का उपयोग किस तरह किया गया।

वांगचुक ने अस्पताल से फूंका संसद मार्च का बिगुल

संसद मार्च से पहले बढ़ी हलचल

नई दिल्ली ।

अनशन के 21वें दिन दिल्ली पुलिस द्वारा सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराए गए सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने संसद मार्च से पहले एक संदेश जारी किया है। वांगचुक ने अस्पताल में भर्ती किए जाने को 'गैरकानूनी हिरासत'बताते हुए लोगों से 20 जुलाई के संसद मार्च को सफल बनाने की अपील की है। उन्होंने अपने संदेश में इसे 'भय मुक्त और अन्याय मुक्त भारत'के अभियान से जोड़ा है। वांगचुक ने कहा कि यह आंदोलन अन्याय और डर से आजादी की लड़ाई है।

उन्होंने पेपर लीक जैसे मुद्दों का जिक्र करते हुए व्यवस्था में जवाबदेही की मांग की। उनका संदेश उनकी पत्नी गीतांजलि आंग्मो के माध्यम से अस्पताल से भेजा गया।

वांगचुक ने दावा किया कि उन्हें अस्पताल में जबरन रखा गया है

और इसे उन्होंने अपनी आजादी के अधिकार से जोड़ते हुए विरोध जताया है। 20 जुलाई को संसद मार्च का आह्वान पहले से किया गया है। प्रदर्शन आयोजकों का कहना है कि वांगचुक को अस्पताल ले जाए जाने के बावजूद कार्यक्रम तय योजना के अनुसार होगा। उनका कहना है कि अब आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इस बीच वांगचुक की पत्नी गीतांजलि आंग्मो उनसे मिलने सफदरजंग अस्पताल पहुंची थीं। उन्होंने बताया कि वांगचुक की हालत फिलहाल ठीक है, लेकिन अस्पताल प्रशासन से मेडिकल रिपोर्ट की प्रतियां मांगी गई हैं।

वंदे मातरम् के अपमान पर सजा के प्रावधान का प्रस्ताव

अमित शाह आज राज्यसभा में पेश करेंगे विधेयक

राष्ट्रीय सम्मान कानून में संशोधन का प्रस्ताव

नई दिल्ली।

संसद के मानसून सत्र के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सोमवार को राज्यसभा में एक विधेयक पेश करेंगे, जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् को राष्ट्रीय गान जन गण मन के समान कानूनी संरक्षण प्रदान करना है। प्रस्तावित विधेयक के तहत राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम संबंधी कानून में संशोधन कर राष्ट्रीय गीत के अपमान या उसके गायन में जानबूझकर बाधा डालने को दंडनीय अपराध बनाने का प्रावधान किया गया है। प्रस्तावित संशोधन के अनुसार, यदि कोई व्यक्ति जानबूझकर वंदे मातरम् का अपमान करता है, उसके गायन में व्यवधान उत्पन्न करता है या उसके सामूहिक गायन को बाधित करता है, तो उसे तीन वर्ष तक के कारावास, जुर्माना या दोनों से दंडित किया जा सकेगा। वर्तमान में राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण अधिनियम के तहत राष्ट्रीय गान, राष्ट्रीय ध्वज और अन्य राष्ट्रीय प्रतीकों के सम्मान को कानूनी संरक्षण प्राप्त है। राष्ट्रीय गान के दौरान जानबूझकर व्यवधान उत्पन्न करने या उसका अपमान करने पर पहले से ही तीन वर्ष तक की सजा का प्रावधान है। प्रस्तावित संशोधन के जरिए यही कानूनी संरक्षण

राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् तक भी विस्तारित करने का प्रयास किया जा रहा है। यह विधायी पहल केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा 9 जुलाई को राज्यों को जारी उस परामर्श के बाद सामने आई है, जिसमें सरकारी कार्यक्रमों के दौरान जन गण मन से पहले वंदे मातरम् के गायन या वादन की व्यवस्था करने की सलाह दी गई थी।

आमिर के घर के बाहर सुरक्षा बढ़ाई

मुंबई।

आमिर खान को तीसरी शादी करने पर मिली कथित धमकी को लेकर जांच शुरू कर दी गई। शनिवार को वॉयस क्लिप और सोशल मीडिया पोस्ट सामने आने के बाद पुलिस ने बांद्रा पश्चिम के पाली हिल स्थित आमिर खान के घर के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी। हालांकि, आमिर खान फिलहाल देश से बाहर हैं।

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि अभी तक न तो वॉयस क्लिप और न ही सोशल मीडिया पोस्ट की असलियत कन्फर्म हुई है। वहीं, मुंबई पुलिस कमिश्नर देवन भारती ने कहा कि हम सोशल मीडिया पोस्ट और वॉयस क्लिप की सत्यता की जांच कर रहे हैं। बता दें कि शनिवार को आमिर खान को लॉरेंस गैंग की तरफ से कथित तौर पर जान से मारने की धमकी मिलने की खबर सामने आई थी।

आमिर खान की 5 जुलाई को हुई गौरी स्प्रैट से शादी को लव जिहाद बताया गया था।

ओएनजीसी ने 14 हजार फीट की ऊंचाई पर तैयार किए दो जियोथर्मल कुएं

लद्दाख में स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन की दिशा में अहम कदम

लेह ।

लद्दाख के पुगा वैली क्षेत्र में भारत की पहली जियोथर्मल ऊर्जा परियोजना ने महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन (ओएनजीसी) एनर्जी सेंटर ने समुद्र तल से करीब 14 हजार फीट की ऊंचाई पर एक-एक हजार मीटर गहरे दो जियोथर्मल कुओं का सफल निर्माण किया है।

इस परियोजना के तहत धरती के भीतर मौजूद प्राकृतिक ताप का उपयोग कर बिजली पैदा की जाएगी। शुरुआती चरण में एक मेगावाट क्षमता का पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया गया है, जिसे भविष्य में व्यावसायिक स्तर पर विस्तारित करने की योजना है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह परियोजना भारत के स्वच्छ ऊर्जा अभियान और नेट-जीरो उत्सर्जन लक्ष्य को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

लद्दाख के उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना ने परियोजना का उद्घाटन करते हुए कहा कि पुगा वैली की यह उपलब्धि देश में कार्बन उत्सर्जन कम करने और लद्दाख को कार्बन न्यूट्रल क्षेत्र बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।

उन्होंने कहा कि जियोथर्मल ऊर्जा का उपयोग पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ क्षेत्र के सतत विकास को भी मजबूती देगा।

जियोथर्मल ऊर्जा धरती के भीतर मौजूद प्राकृतिक गर्मी से प्राप्त की जाती है।

इस गर्मी से बनने वाली भाप टर्बाइनों को चलाकर बिजली उत्पन्न करती है।

इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह सौर और पवन ऊर्जा की तरह मौसम या धूप पर निर्भर नहीं रहती, बल्कि वर्षभर चौबीसों घंटे लगातार बिजली उत्पादन करने में सक्षम होती है।

अत्यधिक ठंडे लद्दाख क्षेत्र में, जहां सर्दियों के दौरान तापमान शून्य से 20 से 30 डिग्री सेल्सियस नीचे तक पहुंच जाता है, यह तकनीक ऊर्जा आपूर्ति का भरोसेमंद विकल्प मानी जा रही है। परियोजना से मिलने वाली बिजली का उपयोग घरों को गर्म रखने, ग्रीनहाउस खेती को बढ़ावा देने और पर्यटन से जुड़ी सुविधाओं को निर्बाध ऊर्जा उपलब्ध कराने में किया जाएगा। इससे स्थानीय लोगों को सालभर खेती के बेहतर अवसर मिलेंगे और डीजल आधारित ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता भी कम होगी।

पुगा वैली को इस परियोजना के लिए इसलिए चुना गया क्योंकि इसे भारत का सबसे सक्रिय जियोथर्मल क्षेत्र माना जाता है। यहां भूमिगत गर्म पानी और भाप का विशाल भंडार मौजूद है। परीक्षणों में करीब 400 मीटर की गहराई पर 135 डिग्री सेल्सियस तक तापमान दर्ज किया गया है, जबकि एक हजार मीटर की गहराई पर

इससे अधिक तापमान मिलने की संभावना जताई जा रही है, जिससे बिजली उत्पादन क्षमता और बढ़ सकती है। हालांकि, इस परियोजना को पूरा करना आसान नहीं था। ऊंचाई, ऑक्सीजन की कमी, कठिन मौसम और दुर्गम पहाड़ी रास्तों के कारण भारी ड्रिलिंग मशीनों को वहां तक पहुंचाना बड़ी चुनौती साबित हुआ। इसके बावजूद पहला कुआं 22 मई 2026 और दूसरा 8 जुलाई 2026 को सफलतापूर्वक तैयार कर लिया गया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विक्रम-1 से भारत-ब्रिटेन एफ़टीए तक -क्या जुलाई 2026 विश्व अर्थव्यवस्था और भारतीय शेयर बाजार का टर्निंग पॉइंट है?

(लेखक--एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं)

-भारत दुनियाँ की नई सेफ ग्रोथ डेस्टिनेशन बन रहा है?

युद्ध, व्यापार और तकनीक का त्रिकोण- क्या भारतीय शेयर बाजार वैश्विक उथल- पुथल में बनेगा निवेशकों की पहली पसंद?

वैश्विक संकट बनाम भारत की आर्थिक उड़ान- युद्ध की आंच, व्यापार की ताकत और अंतरिक्ष की छलांग -क्या भारतीय शेयर बाजार व अर्थव्यवस्था दुनियाँ की नई सेफ ग्रोथ डेस्टिनेशन बन रहा है?

वैश्विक स्तरपर जुलाई 2026 के दूसरे सप्ताह में विश्व और भारत में अनेक ऐसी घटनाएं हुईं जिन्होंने निवेशकों,उद्योग जगत, नीति- निर्माताओं तथा वैश्विक वित्तीय संस्थानों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। रविवार दिनांक 18 जुलाई 2026 को भारत में निजी क्षेत्र के पहले ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 के प्रक्षेपण की दिशा में ऐतिहासिक प्रगति जिसने पूरे विश्व का ध्यान आकर्षित किया,भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते का 15 जुलाई से लागू होना,20 जुलाई से 13 अगस्त 2026 प्रारंभ होने वाला संसद का मानसून सत्र,पश्चिम एशिया में ईरान- अमेरिका संघर्ष का विस्तार तथा होरमुज़ क्षेत्र में बढ़ता सैन्य तनाव,साथ ही ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की भ्रष्टाचार धारणा रिपोर्ट जैसे घटनाक्रम केवल समाचार नहीं हैं, बल्कि वैश्विक पूंजी प्रवाह,ऊर्जा कीमतों,मुद्रा बाजार, निवेश विश्वास और आर्थिक विकास को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण कारक हैं। जिस पर पूरे विश्व की निगाहें हैं इसलिए मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र पूरे भारत व अंतरराष्ट्रीय स्तरपर इस आर्टिकल के माध्यम से इन डेवलपमेंट्स कों शेयर कर बताना चाहूंगा कि इससे भारतीय अर्थव्यवस्था व शेयर मार्केट पर क्या असर पड़ेगा।भारत के लिए सबसे सकारात्मक घटनाओं में निजी अंतरिक्ष क्षेत्र का तेजी से उभरना है। स्काईरूट एयरोस्पेस का विक्रम-1 मिशन भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी भागीदारी की नई शुरुआत का प्रतीक है। सरकार के अनुसार भारत का अंतरिक्ष उद्योग 2030 तक लगभग 40-45 अरब डॉलर और 2040 तक 100 अरब डॉलर तक पहुंचने का लक्ष्य रखता है। इससे एयरोस्पेस, रक्षा,इलेक्ट्रॉनिक्स,सैटेलाइट सेवाओं,कृत्रिम बुद्धिमत्ता तथा उच्च तकनीकी विनिर्माण क्षेत्र की सूचीबद्ध कंपनियों में दीर्घकालिक निवेश आकर्षित होने की संभावना है। विदेशी निवेशकों के लिए भी यह संकेत है कि भारत केवल सेवा आधारित अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि उच्च प्रौद्योगिकी निर्माण की दिशा में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है।

साथियों, 15 जुलाई 2026 से भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते का लागू होना भारतीय निर्यातकों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है।वस्त्र,ऑटो कंपोनेंट फार्मास्यूटिकल्स इंजीनियरिंग, कृषि-प्रसंस्करण, रत्न एवं आभूषण तथा आईटी सेवाओं को बेहतर बाजार मिलने की संभावना है। यदि निर्यात बढ़ता है तो भारतीय कंपनियों के मुनाफे में वृद्धि हो सकती है,जिसका सकारात्मक प्रभाव शेयर बाजार पर भी पड़ सकता है।साथ ही विदेशी कंपनियों का भारत में निवेश बढ़ने से रोजगार, उत्पादन और कर संग्रह में भी वृद्धि संभव है।

साथियों, 20 जुलाई से 13 अगस्त तक प्रस्तावित संसद का मानसून सत्र निवेशकों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण रहेगा क्योंकि इस दौरान कर सुधार,एमएसएमई,निवेश, बैंकिंग तथा अन्य आर्थिक विधेयकों पर चर्चा और निर्णय संभावित हैं। यदि सुधारवादी नीतियां आगे बढ़ती हैं तो बाजार इसे सकारात्मक संकेत के रूप में देख सकता है। वहीं यदि राजनीतिक गतिरोध बढ़ता है और महत्वपूर्ण विधेयक लंबित रह जाते हैं तो निवेशकों में अस्थायी अनिश्चितता भी उत्पन्न हो सकती है।दूसरी ओर, पश्चिम एशिया का संकट वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए सबसे बड़ा जोखिम बना हुआ है। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ता सैन्य तनाव तथा खाड़ी क्षेत्र में संघर्ष की घटनाएं तेल आपूर्ति और समुद्री व्यापार मार्गों के लिए गंभीर चुनौती बन सकती हैं। यदि होरमुज़ जलडमरूमध्य में व्यवधान बढ़ता है तो कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल संभव है। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा भाग आयात करता है,इसलिए तेल महंगा होने पर महंगाई, चालू खाते का घाटा और वित्तीय दबाव बढ़ सकता है।तेल की बढ़ती कीमतों का सीधा प्रभाव भारतीय शेयर बाजार के विभिन्न क्षेत्रों पर अलग- अलग पड़ सकता है। तेल विपणन कंपनियों, विमानन, परिवहन, रसायन और पेंट उद्योग पर लागत का दबाव बढ़ सकता है, जबकि तेल एवं गैस खोज, ऊर्जा तथा रक्षा क्षेत्र की कुछ कंपनियों को लाभ मिल सकता है। इसलिए बाजार में क्षेत्रवार प्रदर्शन में बड़ा अंतर दिखाई दे सकता है।अंतरराष्ट्रीय शेयर बाजार सामान्यतः युद्ध और भू- राजनीतिक तनाव के समय जोखिम से बचने की रणनीति अपनाते हैं। ऐसे समय निवेशक शेयरों से धन निकालकर सोना,अमेरिकी डॉलर, सरकारी बॉन्ड और अन्य सुरक्षित परिसंपत्तियों की ओर रुख करते हैं। यदि पश्चिम एशिया का संघर्ष लंबा चलता है तो वैश्विक पूंजी बाजारों में अस्थिरता बनी रह सकती है और उभरते देशों में विदेशी निवेश का प्रवाह धीमा पड़ सकता है।

साथियों,ट्रांसपेरेंसीइंटरनेशनल की भ्रष्टाचार धारणा रिपोर्ट भी निवेशकों के लिए एक महत्वपूर्ण संकेतक मानी जाती है। यदि किसी देश की रैंकिंग कमजोर होती है तो विदेशी निवेशक शासन व्यवस्था, नियामकीय पारदर्शिता और कारोबारी वातावरण को लेकर अधिक सतर्क हो सकते हैं। हालांकि किसी एक रिपोर्ट के आधार पर निवेश निर्णय नहीं लिए जाते, फिर भी दीर्घकाल में पारदर्शिता, न्यायिक दक्षता और नीति-स्थिरता विदेशी निवेश आकर्षित करने के सटीकता से प्रमुख आधार बने रहते हैं।

साथियों, 17 जुलाई 2026 तक भारतीय शेयर बाजार का समग्र रुझान यह संकेत देता है कि निवेशक एक ओर भारत की विकास क्षमता, एफटीए,अंतरिक्ष क्षेत्र और बुनियादी ढांचा सुधारों को सकारात्मक रूप में देख रहे हैं,वहीं दूसरी ओर पश्चिम एशिया के संकट और वैश्विक महंगाई के जोखिमों को लेकर सतर्क भी हैं। ऐसी स्थिति में बाजार में उतार-चढ़ाव स्वाभाविक माना जाता है।शेयर बाजार पर प्रभाव का आकलन संभावनाओं परआधारित होता है, क्योंकि वास्तविक बाजार अनेक घरेलू एवं वैश्विक कारकों से प्रभावित होता है।विदेशी संस्थागत निवेशकों की रणनीति भी इसी संतुलन पर निर्भर करेगी।यदि वैश्विक जोखिम बढ़ते हैं तो वे कुछ समय के लिए पूंजी सुरक्षित बाजारों में स्थानांतरित कर सकते हैं,लेकिन भारत की मजबूत विकास दर, जनसांख्यिकीय लाभ, डिजिटल अर्थव्यवस्था और विनिर्माण विस्तार दीर्घकालिक निवेश को आकर्षित करते रह सकते हैं।भारतीय रुपया भी इन घटनाओं से प्रभावित हो सकता है। तेल महंगा होने और विदेशी निवेश में कमी आने पर रुपये पर दबाव बढ़ सकता है, जबकि निर्यात वृद्धि,एफटीए के लाभ तथा निरंतर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश रुपये को समर्थन दे सकते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति भी बाजार की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

साथियों, नीट पेपर लीक प्रकरण में केंद्रीय शिक्षामंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर जारी राजनीतिक विवाद तथा लगभग 21 दिनों के आंदोलन के बाद सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को रविवार दिनांक 18 जुलाई 2026 धरना स्थल से पुलिस द्वारा हटाकर अस्पताल में भर्ती कराए जाने जैसी घटनाएं स्वाभाविक रूप से राष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक बहस और सामाजिक असंतोष को बढ़ाती हैं। यदि ऐसे घटनाक्रम लंबे समय तक जारी रहें, तो उनका अप्रत्यक्ष प्रभाव निवेशकों की धारणा (इन्वेस्टर संेटीमेंट) और आर्थिक विश्वास (इकोनॉमिक कॉन्फिडेंस) पर पड़ सकता है। हालांकि भारतीय शेयर बाजार का प्रदर्शन मुख्यतः कॉर्पोरेट आय,महंगाई,ब्याज दरों,विदेशी निवेश,वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों और सरकारीनीतियों जैसे व्यापक आर्थिक कारकों से निर्धारित होता है, फिर भी बड़े राजनीतिक आंदोलनों या अस्थिरता के दौर में अल्पकालिक उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं। यदि विरोध-प्रदर्शन शांतिपूर्ण और सीमित दायरे में रहते हैं, तो उनका व्यापक आर्थिक प्रभाव सामान्यतः सीमित रहता है। लेकिन यदि वे देशव्यापी अवरोध, प्रशासनिक व्यवधान या नीति- निर्माण में देरी का कारण बनें, तो निवेशकों में सतर्कता बढ़ सकती है तथा कुछ समय के लिए पूंजी बाजार, पर्यटन, उपभोग और व्यापारिक गतिविधियों पर दबाव दिखाई दे सकता है। इसलिए ऐसी परिस्थितियों का समाधान लोकतांत्रिक संवाद, पारदर्शी जांच और संस्थागत विश्वास को मजबूत करने के माध्यम से किया जाना भारतीय अर्थव्यवस्था और बाजारों की दीर्घकालिक स्थिरता के लिए सटीकता से अधिक अनुकूल माना जाता है।

साथियों, वैश्विक स्तरपर अमेरिका,यूरोप,जापान और चीन के बाजार भी इन घटनाओं से प्रभावित होंगे। ऊर्जा आयातक देशों के लिए तेल कीमतों में वृद्धि आर्थिक चुनौती बनेगी, जबकि ऊर्जा निर्यातक देशों को अतिरिक्त राजस्व प्राप्त हो सकता है। इससे वैश्विक पूंजी का पुनर्संतुलन देखने को मिल सकता है।यदि समग्र दृष्टि से देखा जाए तो भारत के सामने इस समय दो समानांतर चित्र दिखाई देते हैं। पहला, उच्च प्रौद्योगिकी,अंतरिक्ष, मुक्त व्यापार,डिजिटल अर्थव्यवस्था और सुधारवादी नीतियों के माध्यम से तेज आर्थिक विकास का अवसर। दूसरा, वैश्विक युद्ध, ऊर्जा संकट, महंगाई और भू- राजनीतिक अस्थिरता जैसी चुनौतियां। आने वाले महीनों में भारतीय अर्थव्यवस्था की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि वह इन अवसरों का लाभ उठाते हुए बाहरी जोखिमों का कितनी कुशलता से सामना करती है।

अतःअगर उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क़ि,जुलाई 2026 का यह सप्ताह भारत और विश्व की अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा सकता है।यदि अंतरराष्ट्रीय तनाव नियंत्रित रहता है और भारत सुधारों, निर्यात विस्तार, तकनीकी नवाचार तथा नीति-स्थिरता की दिशा में आगे बढ़ता है, तो भारतीय शेयर बाजार दीर्घकाल में वैश्विक निवेशकों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना रह सकता है। वहीं यदि युद्ध का दायरा बढ़ता है, ऊर्जा आपूर्ति बाधित होती है और वैश्विक वित्तीय अस्थिरता गहराती है, तो अल्पकाल में विश्वभर के शेयर बाजारों में तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। भारत के लिए सबसे बड़ी रणनीति यही होगी कि वह अपने मजबूत घरेलू आर्थिक आधार, तकनीकी प्रगति और संतुलित विदेश नीति के माध्यम से इन वैश्विक चुनौतियों को अवसर में परिवर्तित करे।

-संकलनकर्ता लेखक-क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए (एटीसी)

संपादकीय

नागरिकता का प्रश्न

पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर के समय वोटर लिस्ट से बड़ी संख्या में लोगों के नाम काटे जाने और उन्हें कथित तौर पर सरकारी योजनाओं से वंचित करने के मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने जो कुछ कहा, उससे भ्रम पूरी तौर पर दूर होना कठिन ही है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि मतदाता सूची से नाम कटने का मतलब नागरिकता खत्म होना नहीं है, क्योंकि चुनाव आयोग को नागरिकता तय करने का अधिकार नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने पहले भी ऐसा ही कहा था, लेकिन तब उसने यह भी जोड़ा था कि आयोग मतदाता सूची बनाते या उसे संशोधित करते समय नागरिकता की सीमित जांच कर सकता है। उसने ऐसी टिप्पणी इसलिए की थी, क्योंकि चुनाव आयोग को यह देखना होता है कि मतदाता भारतीय नागरिक है या नहीं? उसे यह देखने का अधिकार इसीलिए दिया गया, क्योंकि चुनाव प्रक्रिया में भाग लेने का हक भारतीय नागरिकों को ही मिल सकता है। निःसंदेह चुनाव आयोग के पास यह अधिकार नहीं कि वह किसी की नागरिकता का निर्धारण करे, क्योंकि नागरिकता का निर्धारण तो भारतीय नागरिकता अधिनियम के तहत होता है और इसके अनुसार जन्म, वंश, भारत में लंबे समय से रहने आदि के आधार पर नागरिकता तय होती है। समस्या यह है कि अपने देश में नागरिकता सिद्ध करने वाला कोई सुनिश्चित प्रमाण पत्र नहीं है। इसीलिए पिछले दिनों जब यह बात सामने आई कि पासपोर्ट यात्रा का दस्तावेज मात्र है, नागरिकता का प्रमाण नहीं, तब भी यह बहस उठी थी कि आखिर किसी की नागरिकता का निर्धारण किस प्रमाण पत्र से होगा? इस प्रश्न का कोई सीधा-सरल उत्तर तब तक नहीं मिल सकता, जब तक लोगों को नागरिकता सिद्ध करने वाला कोई प्रमाण पत्र नहीं दिया जाता। ध्यान रहे कि आधार, ड्राइविंग लाइसेंस के साथ पैन, राशन कार्ड आदि भी नागरिकता के दस्तावेज नहीं हैं। मतदाता पहचान पत्र भी नागरिकता का प्रमाणन नहीं करता। चुनाव आयोग की एसआइआर प्रक्रिया इसीलिए जटिल है, क्योंकि लोगों के पास ऐसे दस्तावेज बहुत कम हैं, जिनसे उनकी नागरिकता का आसानी से प्रमाणन हो जाए। अपने देश की एक अन्य समस्या यह है कि यदि कोई राशन कार्ड, आधार आदि बनवा ले तो फिर वह हर तरह के दस्तावेज हासिल कर सकता है- मतदाता पहचान पत्र से लेकर पासपोर्ट तक। यह किसी से छिपा नहीं कि तमाम बांग्लादेशी घुसपैठियों ने ऐसा कर रखा है। यदि यह समझा जा रहा है कि सुप्रीम कोर्ट के यह कहने से समस्या का समाधान हो जाएगा कि चुनाव आयोग किसी की नागरिकता तय नहीं कर सकता तो यह सही नहीं। ऐसी किसी टिप्पणी से एसआइआर की प्रक्रिया भी आसान नहीं होने वाली, क्योंकि चुनाव आयोग को तो यह सुनिश्चित करना ही होगा कि मतदाता भारतीय नागरिक हो।

जिदगी और कूटनीतिः शतरंज सिर्फ खेल नहीं, जीने का सलीका है

(लेखक- दिलीप कुमार पाठक)

(20 जुलाई अंतर्राष्ट्रीय शतरंज दिवस)

जब खेल खत्म होता है, तो राजा और प्यादा दोनों एक ही डिब्बे में बंद कर दिए जाते हैं। शतरंज की बिसात का यह सबसे सीधा नियम, असल में हमारी जिंदगी का भी सबसे बड़ा कड़वा सच है। आज दुनिया अंतर्राष्ट्रीय शतरंज दिवस मना रही है लेकिन यकीन मानिए, यह महज किसी एक खेल का जश्न नहीं है। यह तो इंसानी दिमाग के उस अनोखे जादू का सम्मान है, जो लकड़ी के चंद टुकड़ों और 64 खानों के भीतर पूरी कायनात के फैसले तय कर देता है। आज के इस दौर में, जब मोबाइल की रील्स और शॉर्ट्स ने हमारी गहराई से सोचने की आदत को लगभग खत्म कर दिया है, शतरंज की अहमियत पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गई है। एक मजे की बात देखिए, जिस खेल को आज पूरी दुनिया कूटनीति और दिमाग की सबसे बड़ी कसौटी मानती है, उसकी असली जड़ें हमारे अपने हिंदुस्तान में हैं। सदियों पहले हमारे पुरखे इसे चतुरंग कहते थे। भारत की मिट्टी से निकला यह खेल दुनिया भर का चक्कर लगाकर आज वापस अपने घर में एक नए अवतार में लौट आया है। आज जब हम इस खेल को देखते हैं, तो सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है। भारतीय शतरंज इस समय अपने स्वर्णिम दौर में है। विश्वनाथन आनंद ने जिस सिलसिले को शुरू किया था, उसे आज डी. गुकेश, आर. प्रज्ञानंद और अर्जुन एरिगैसी जैसे युवाओं ने दुनिया के नक्शे पर चमका दिया है। इन लड़कों ने दुनिया के बड़े-बड़े धुरंधरों को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया है और यह साबित किया है कि भारत सिर्फ शतरंज की शुरुआत करने वाला देश नहीं है, बल्कि इसका बॉस भी है। पर क्या शतरंज को सिर्फ एक खेल के चश्मे से देखना सही होगा? बिल्कुल नहीं। अगर आप इसे थोड़ा ठहरकर समझेंगे, तो यह लाइफ मैनेजमेंट की सबसे बेहतरीन गाइड बुक है। यह खेल हमें सिखाता है कि आप जो भी कदम उठाते हैं, उसकी एक कीमत चुकानी पड़ती है। बिना सोचे-समझे चली गई एक भी लापरवाही भरी चाल आपको बर्बादी की तरफ ले जा सकती है। यही बात हमारी रोजमर्रा की जिंदगी पर भी फिट बैठती है।

आज की हमारी नई पीढ़ी, जो हर चीज में तुरंत नतीजा चाहती है और बहुत जल्दी धैर्य खो देती है, उसके लिए शतरंज से बड़ा कोई गुरु नहीं हो सकता। यह खेल हमें ठंडे दिमाग से सोचना सिखाता है और यह भी बताता है कि कभी-कभी किसी बड़ी कामयाबी को पाने के लिए अपने छोटे-छोटे स्वार्थों या प्यादों की कुर्बानी भी देनी पड़ती है। सिर्फ जिंदगी ही क्यों, आज की ग्लोबल पॉलिटिक्स और अखबारों के पहले पन्ने की खबरों को समझने के लिए भी शतरंज की बिसात सबसे बढ़िया जरिया है। दुनिया के ताकतवर देशों के बीच जो इस वक्त खींचतान चल रही है, वो और कुछ नहीं बल्कि शह और मात का ही खेल है। वहां भी कमजोरों को मोहरा बनाकर आगे कर दिया जाता है और असली खिलाड़ी पीछे बैठकर रिमोट कंट्रोल चलाते हैं। जो नेता या देश दूर की चाल नहीं भांप पाता, वो इतिहास के पन्नों में हमेशा के लिए मात खा जाता है।

वैश्विक राजनीति की इस बिसात पर आज कोई भी देश पूरी तरह आज़ाद नहीं है। भारत भी इस समय एक ऐसी मुश्किल स्थिति में है, जहाँ उसे अपनी जरूरतों के लिए रूस से दोस्ती भी निभानी है और व्यापार के लिए अमेरिका के साथ भी तालमेल बिठाना है। दुनिया में जब भी कोई नया तनाव या युद्ध शुरू होता है, तो किसी एक बड़ी ताकत के पीछे आंख मूंदकर चलने के बजाय, अपने देश के फायदे को ध्यान में रखकर कदम उठाना ही असली कूटनीति है। तनाव के इस दौर के बीच, आज कंप्यूटर और एआई खेल के मैदान पर इंसानों से कहीं ज़्यादा तेजी से चालें सोच लेते हैं। लेकिन इसके बावजूद शतरंज का असली मानवीय रोमांच कभी कम नहीं हो सकता। कोई भी सॉफ्टवेयर उस इंसानी दिमाग की जगह नहीं ले सकता, जो हार के डर और भारी दबाव के बीच भी अपनी सूझबूझ से हारी हुई बाजी पलट देता है। इस अंतर्राष्ट्रीय शतरंज दिवस पर हमें अपनी नई पीढ़ी को इस खेल से जोड़ने की जरूरत है, ताकि बच्चे मोबाइल स्क्रीन की दुनिया से बाहर निकलकर असल जिंदगी की उलझनों को धैर्य से सुलझाना सीखें। आखिर जिंदगी भी तो चौंसठ खानों का एक खूबसूरत खेल है, जहाँ हमारा हर एक फैसला आगे का रास्ता तय करता है।

(लेखक पत्रकार हैं)

कर्म के पाप- पुण्य में फंस जाता है जीव

ईश्वर क्षेत्रज्ञ या चेतन है, जैसा कि जीव भी है, लेकिन जीव केवल अपने शरीर के प्रति सचेत रहता है, जबकि भगवान समस्त शरीरों के प्रति सचेत रहते हैं। चूंकि वे प्रत्येक जीव के हृदय में वास करने वाले हैं, अतएव वे जीवविशेष की मानसिक गतिशीलता से परिचित रहते हैं। परमात्मा प्रत्येक जीव के हृदय में ईश्वर या नियंता के रूप में वास कर रहे हैं और जैसा जीव चाहता है वैसा करने के लिए जीव को निर्देशित करते रहते हैं। जीव भूल जाता है कि उसे क्या करना है। पहले तो वह किसी एक विधि से कर्म करने का संकल्प करता है, लेकिन फिर वह अपने ही कर्म के पाप-पुण्य में फंस जाता है। वह एक शरीर को त्याग कर दूसरा शरीर ग्रहण करता है।

चूंकि इस प्रकार वह आत्मा देहांतरण कर जाता है, अत उसे अपने विगत (पूर्वकृत) कर्मो का फल भोगना पड़ता है। ये कार्यकलाप तभी बदल सकते हैं जब जीव सतोगुण में स्थित हो और यह समझे कि उसे कौन से कर्म करने चाहिए। यदि वह ऐसा करता है तो उसके विगत कर्मो के सारे फल बदल जाते हैं। इसीलिए हमने यह कहा है कि पांच तत्वों- ईश्वर, जीव, प्रकृति, काल तथा कर्म में से चार शात हैं, कर्म शात नहीं है।

परम चेतन ईश्वर जीव से इस मामले में समान हैं- भगवान तथा जीव दोनों की चेतनाएं दिव्य हैं। यह चेतना पदार्थ के संयोग से उत्पन्न नहीं होती है। ऐसा सोचना भ्रांतिमूलक है। किंतु भगवान की चेतना भौतिकता से प्रभावित नहीं होती है। भगवान कहते हैं- जब वे इस भौतिक वि में अवतरित होते हैं तो उनकी चेतना पर भौतिक प्रभाव नहीं पड़ता। यदि वे इस तरह प्रभावित होते तो दिव्य विषयों के संबंध में उस तरह बोलने के अधिकारी न होते जैसा कि वे भगवद्गीता में बोलते हैं। भौतिक कल्मष-ग्रस्त चेतना से मुक्त हुए बिना कोई दिव्य-जगत के विषय में कुछ नहीं कह सकता। अत- भगवान भौतिक दृष्टि से कलुषित (दूषित) नहीं हैं। भगवद्गीता तो शिक्षा देती है कि हमें इस कलुषित चेतना को शुद्ध करना है।

विचार मंथन

डंगा- डोली कर जंतर मंतर से वांगचुक को ले गई दिल्ली पुलिस

(लेखक- सनत जैन)

सरकार और प्रशासन द्वारा अभी तक आंदोलनकारियों से कोई बात नहीं की गई। सोनम वांगचुक एक सामाजिक कार्यकर्ता, शिक्षाविद, पर्यावरणविद् के रूप में पहचाने जाते हैं। वह पेपर लीक होने वाले मामले तथा 20 छात्रों के आत्महत्या कर लेने से उद्वेलित थे।

20 जुलाई से संसद का मानसून सत्र शुरू हो रहा है। 20 तारीख को कॉकरोच पार्टी ने जंतर मंतर से संसद तक मार्च करने का ऐलान किया था। सोनम वांगचुक के अनशन को 18 दिन हो चुके थे। उनका वजन करीब 9 किलो घट गया था। दिल्ली हाईकोर्ट ने उनके स्वास्थ्य की जांच करने के लिए दिल्ली पुलिस और सरकार को निर्देश दिया था। शनिवार की सुबह 6 बजे दिल्ली पुलिस के अधिकारी डॉक्टर की वेशभूषा में जंतर मंतर पहुंचे। सफेद चादर का परदा लगाया और 5 मिनट के अंदर ही उनकी डंगा डोली करते हुए उन्हें एंबुलेंस में डाल दिया और वहां से अस्पताल रवाना हो गए। पुलिस की इस कार्रवाई को लेकर देश में बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हो रही है। सोनम वांगचुक के समर्थन में जिस तरह से विपक्षी दलों के नेताओं, फिल्मी अभिनेताओं, शिक्षाविद और छात्रों का जन समर्थन बढ़ रहा था इसने सरकार की चिंता बढ़ा दी। छात्रों द्वारा यदि 20 जुलाई को संसद की तरफ मार्च किया, ऐसी स्थिति में राजधानी दिल्ली की शांति तथा कानून व्यवस्था बनाए रख पाना दिल्ली पुलिस के लिए सबसे बड़ी समस्या बन सकती थी। इसको ध्यान में रखते हुए पुलिस ने सोनम बांगचुक को जंतर मंतर से हटाकर एक तरह से आंदोलन खत्म हो जाए यह प्रयास किया था। लेकिन यह दांव सरकार और दिल्ली पुलिस को भारी पड़ता हुआ दिख रहा है।

सरकार और प्रशासन द्वारा अभी तक आंदोलनकारियों से कोई बात नहीं की गई। सोनम वांगचुक एक सामाजिक कार्यकर्ता, शिक्षाविद, पर्यावरणविद् के रूप में पहचाने जाते हैं। वह पेपर लीक होने वाले मामले तथा 20 छात्रों के आत्महत्या कर लेने से उद्वेलित थे। उन्हें लग रहा था कि कॉकरोच जनता पार्टी के इस आंदोलन में उनके शामिल होने और आमरण अनशन करने से सरकार गंभीर होगी। जल्द आंदोलनकारियों से बात करेगी। छात्रों की समस्या का समाधान होगा। भविष्य में पेपर लीक नहीं होंगे। लेकिन उनकी यह सोच गलत साबित हुई। उनके आमरण अनशन में जाने के बाद भी सरकार ने इस आंदोलन को और उनके आमरण अनशन को गंभीरता से नहीं लिया। जब अनशन के चलते सोनम वांगचुक की तबीयत बिगड़ने लगी तो विपक्ष के राजनीतिक दल के नेताओं, फिल्मी हस्तियों तथा विशिष्ट नागरिकों ने जंतर मंतर जाकर उन्हें अनशन समाप्त करने की गुहार लगानी शुरू कर दी। इसके साथ ही जो आंदोलन शांत पड़ा था वह गति पकड़ गया। जिसने सरकार की चिंता को बढ़ा दिया। युवाओं की भीड़ को नियंत्रित कर पाना आसानी से संभव नहीं होता है। इस बात को अब सरकार समझ रही है। सरकार की कोशिश है किसी भी तरह से छात्र संसद की ओर मार्च ना करें। जंतर मंतर से अपना आंदोलन समाप्त कर दें। लेकिन यह कैसे संभव होगा जब सरकार उनसे बात करने के लिए ही तैयार नहीं है, उल्टे जिस तरह की कार्रवाई दिल्ली पुलिस के माध्यम से कराई गई है, उसने युवाओं की नाराजी को बढ़ा दिया है।

इस मामले ने विपक्ष को एक मौका दे दिया है कि वह संसद में इन युवाओं की मांग को लेकर आक्रामक रुख अपनाए। सोनम वांगचुक भी अस्पताल में जाने के बाद वहां पर भी अनशन कर रहे हैं। उनकी पत्नी और उन्होंने कह दिया है कि उनकी मर्जी के बिना उनका ना तो इलाज किया जाए ना ही अनशन तुड़वाया जाए, जिसके कारण दिल्ली पुलिस और सरकार की मुसीबत अब बढ़ती चली जा रही है। आज सोमवार से मानसून सत्र शुरू हो रहा है, राहुल गांधी और कांग्रेस भी इस मामले को जोर-शोर से सड़कों पर उठा रही है। यह मामला धीरे-धीरे उलझाता ही जा रहा है। इसकी परिणीति किस रूप में होगी इसको लेकर सभी ओर संशय बरकरार है। भीड़-तंत्र को खासतौर पर युवाओं के विरोध को नियंत्रित कर पाना सबसे कठिन काम होता है। युवाओं की इस भीड़ में ऊर्जा तो बहुत होती है लेकिन समझ नहीं होती है। ऐसी स्थिति में दिल्ली पुलिस और सरकार के पास मात्र एक विकल्प रह गया है, वह आंदोलनकारियों के नेताओं से बात करें।

उनकी समस्याओं का समाधान करें। यदि ऐसा नहीं हुआ तो यह आंदोलन सरकार के साथ-साथ सभी के लिए दुखदाई साबित हो सकता है। इस बात का सरकार को ध्यान रखना होगा।

जेके सीमेंट का शुद्ध लाभ पहली तिमाही में 15.3 घटकर 274.62 करोड़

नई दिल्ली ।

वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में जेके सीमेंट लिमिटेड का मुनाफा 15.3 प्रतिशत घटकर 274.62 करोड़ रुपए रहा। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि 2025-26 की समान तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 324.25 करोड़ रुपए था। जेके सीमेंट की परिचालन आय जून तिमाही में 20.25 प्रतिशत बढ़कर 4,031.72 करोड़ रुपए हो गई, जो 2025-26 की पहली तिमाही में 3,352.53 करोड़ रुपए थी। कंपनी का कुल खर्च आलोच्य तिमाही में 25.5 प्रतिशत बढ़कर 3,664.82 करोड़ रुपए हो गया। कंपनी की कुल आय जून 2026 को समाप्त तिमाही में 19.41 प्रतिशत बढ़कर 4,070.97 करोड़ रुपए रही।

हुरुन की रियल एस्टेट सूची में आईएचसीएल, ओयो शीर्ष 10 में शामिल

प्रिज्म (ओयो) का मूल्यांकन 107 फीसदी बढ़ा, इंडियन होटल्स भी शीर्ष पर

नई दिल्ली ।

2026 की ग्रोहे-हुरुन इंडिया रियल एस्टेट-150 सूची में हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र ने अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। इस सूची में टाटा समूह की इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड (आईएचसीएल) और ओयो की मूल कंपनी प्रिज्म शीर्ष-10 में जगह बनाने वाली आतिथ्य कंपनियां बनकर उभरी हैं। प्रिज्म ने अपने मूल्यांकन में जबरदस्त उछाल के साथ पहली बार इस प्रतिष्ठित सूची के शीर्ष-10 में प्रवेश किया है। रिपोर्ट के अनुसार रितेश अग्रवाल की अगुवाई वाली प्रिज्म (ओयो) आतिथ्य क्षेत्र की सबसे बड़ी सफलता की कहानी बनकर उभरी। इसका मूल्यांकन 107 प्रतिशत बढ़कर 67,200 करोड़ रुपये हुआ, जिससे यह छह पायदान ऊपर चढ़कर पांचवें स्थान पर पहुंची और पहली बार शीर्ष-10 में शामिल हुई। प्रिज्म अदाणी प्रॉपर्टीज के बाद देश की दूसरी सबसे मूल्यवान गैर-सूचीबद्ध रियल एस्टेट कंपनी भी रही। टाटा समूह की इंडियन होटल्स कंपनी का मूल्यांकन 93,300 करोड़ रुपये दर्ज किया गया, जबकि हाल ही में सूचीबद्ध हुई आईटीसी होटल्स ने 32,300 करोड़ रुपये के मूल्यांकन के साथ सूची में पहली बार जगह बनाई। एक दशक पहले सीमित योगदान देने वाला आतिथ्य क्षेत्र अब कंपनियों की संख्या के लिहाज से दूसरा सबसे बड़ा वर्ग है, सूची में कुल 24 कंपनियां शामिल हैं जिनका कुल मूल्यांकन 2.85 लाख करोड़ रुपये है। हुरुन इंडिया के अनुसार उपभोक्ता खर्च से जुड़े क्षेत्रों ने बेहतर प्रदर्शन किया, जबकि आवासीय और वाणिज्यिक रियल एस्टेट जैसे डेवलपर्स-निर्भर क्षेत्रों में गिरावट आई। कुल 151 कंपनियों में से केवल 31 के मूल्यांकन में वृद्धि हुई, जिसमें आतिथ्य और खुदरा क्षेत्र ही अग्रणी रहे।

शीर्ष 5 कंपनियों का मार्केट कैप 1.54 लाख करोड़ बढ़ा

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को सबसे अधिक फायदा हुआ

-मुंबई ।

बीते सप्ताह शेयर बाजार के सकारात्मक माहौल के बीच सेंसेक्स की शीर्ष 10 मूल्यवान कंपनियों में से पांच के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 1.54 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इस दौरान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को सबसे अधिक फायदा हुआ, जबकि एचडीएफसी बैंक और भारती एयरटेल जैसी कंपनियों को नुकसान उठाना पड़ा। समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 582.06 अंक और एनएसई निफ्टी 127.4 अंक के लाभ में रहा। इस सकारात्मक रुख का असर रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और बजाज फाइनेंस के बाजार मूल्यांकन पर पड़ा, जिससे उनकी हैसियत बढ़ गई। टीसीएस का बाजार पूंजीकरण सर्वाधिक 72,072.3 करोड़ रुपये बढ़कर 8,20,672.70 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। कंपनी ने हाल ही में जून तिमाही में शुद्ध लाभ में 4.61 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 29,062.06 करोड़ रुपये बढ़ा, जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अपने बाजार पूंजीकरण में 23,884.93 करोड़ रुपये का इजाफा किया। इसके अलावा, बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत 21,946.5 करोड़ रुपये और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का पूंजीकरण 7,338.34 करोड़ रुपये बढ़ा। हालांकि, यह सप्ताह सभी के लिए फायदेमंद नहीं रहा। एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) और हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) जैसी पांच कंपनियों की बाजार हैसियत में गिरावट देखी गई। एलएंडटी का बाजार मूल्यांकन 18,097.72 करोड़ रुपये, एलआईसी का 12,080.75 करोड़ रुपये और भारती एयरटेल का 7,706.45 करोड़ रुपये घट गया।

एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन भी 7,084.61 करोड़ रुपये कम हुआ, जबकि हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार पूंजीकरण में 1,221.79 करोड़ रुपये की कमी आई। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी रही, इसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, बजाज फाइनेंस, एलआईसी, लार्सन एंड टुब्रो और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

डाउनस्ट्रीम' एल्युमीनियम उद्योगों की सीमा शुल्क घटाने की मांग

कच्चे एल्युमीनियम व कबाड़ पर उच्च आयात शुल्क से बढ़ रही लागत, केंद्र को सौंपा ज्ञापन

नई दिल्ली ।

एल्युमीनियम से तैयार उत्पाद बनाने वाले उद्योगों (डाउनस्ट्रीम) ने केंद्र सरकार से प्राथमिक एल्युमीनियम और एल्युमीनियम कबाड़ (स्क्रैप) पर सीमा शुल्क कम करने की मांग की है। उनका कहना है कि मौजूदा उच्च शुल्क व्यवस्था के कारण सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) पर लागत का भारी दबाव है, जिससे उनकी प्रतिस्पर्धा क्षमता प्रभावित हो रही है। एल्युमीनियम सेकेंडरी मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन सहित प्रमुख उद्योग संगठनों ने हाल ही में खान मंत्रालय को सौंपे संयुक्त ज्ञापन में कहा है कि प्राथमिक एल्युमीनियम पर 8.25 फीसदी और कबाड़ पर 2.75 फीसदी का प्रभावी आयात शुल्क घरेलू उत्पादकों को आयात-समता के आधार पर कीमतें तय करने का मौका देता है, जिससे डाउनस्ट्रीम उद्योगों की लागत बढ़ती है। भारत की प्रति व्यक्ति एल्युमीनियम खपत वैश्विक औसत (11 किग्रा) से काफी कम (2.5 किग्रा) है, जिसकी मुख्य वजह लागत है। संगठनों का दावा है कि पिछले कुछ वर्षों में एमएसएमई के लाभ मार्जिन में 70 फीसदी तक की गिरावट आई है, वहीं हाल के तीन महीनों में वैश्विक कीमतों, मालढुलाई और ऊर्जा लागत बढ़ने से कच्चे माल की लागत 20-35 फीसदी बढ़ी है। उन्होंने उलट शुल्क ढांचे पर भी चिंता जताई है, जहां तैयार एल्युमीनियम उत्पाद मुक्त व्यापार समझौतों के तहत कम शुल्क पर आयात होते हैं, जबकि कच्चे माल पर अधिक शुल्क लगता है। यूरोपीय संघ के कार्बन सीमा समायोजन तंत्र से भारतीय निर्यातकों की प्रतिस्पर्धी क्षमता और प्रभावित होने का खतरा है। उद्योग का मानना है कि शुल्क घटाने से लागत कम होगी, उत्पादन बढ़ेगा और मूल्यवर्धित उत्पादों के निर्यात को प्रोत्साहन मिलेगा। हालांकि, प्राथमिक एल्युमीनियम उत्पादक इस कदम का विरोध कर सकते हैं, क्योंकि मौजूदा व्यवस्था उन्हें बेहतर कीमतें दिलाने में सहायक है।

जेके सीमेंट का शुद्ध लाभ पहली तिमाही में 15.3त घटकर 274.62 करोड़

नई दिल्ली ।

वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में जेके सीमेंट ` लिमिटेड का मुनाफा 15.3 प्रतिशत घटकर 274.62 करोड़ रुपए रहा। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि 2025-26 की समान तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 324.25 करोड़ रुपए था। जेके सीमेंट की परिचालन आय जून तिमाही में 20.25 प्रतिशत बढ़कर 4,031.72 करोड़ रुपए हो गई, जो 2025-26 की पहली तिमाही में 3,352.53 करोड़ रुपए थी। कंपनी का कुल खर्च आलोच्य तिमाही में 25.5 प्रतिशत बढ़कर 3,664.82 करोड़ रुपए हो गया। कंपनी की कुल आय जून 2026 को समाप्त तिमाही में 19.41 प्रतिशत बढ़कर 4,070.97 करोड़ रुपए रही।

तिमाही नतीजे, पश्चिम एशिया तनाव तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

निवेशकों की नजर मानसून, कच्चे तेल और वैश्विक घटनाक्रमों पर, कई दिग्गज कंपनियों के आएंगे नतीजे

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार इस सप्ताह कई महत्वपूर्ण घटनाक्रमों के कारण अत्यधिक उतार-चढ़ाव का सामना कर सकता है। विश्लेषकों का मानना है कि कंपनियों के पहली तिमाही के नतीजे, पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों की दिशा दलाल स्ट्रीट की चाल को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इसके अलावा, दक्षिण-पश्चिम मानसून की प्रगति और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां भी बाजार के लिए प्रमुख संकेतक रहेंगी। बाजार के जानकारों के अनुसार इस सप्ताह घरेलू कंपनियों के तिमाही परिणाम और वृहद आर्थिक आंकड़े बाजार की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएंगे। उन्होंने बताया कि मानसून की प्रगति और खरीफ फसलों की बुआई की स्थिति पर निवेशकों की गहरी नजर रहेगी, क्योंकि इनका सीधा असर ग्रामीण मांग, खाद्य महंगाई और भारतीय रिजर्व बैंक की भविष्य की मौद्रिक नीतियों पर पड़ सकता है। वैश्विक स्तर पर पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव और उसके कारण कच्चे तेल की कीमतों पर पड़ने वाले प्रभाव पर निवेशक करीबी नजर रखेंगे।

केजी-डी6 गैस उत्पादन में बड़ी गिरावट, रिलायंस-बीपी को झटका

भरपाई के लिए योजना तैयार कर रही कंपनी

नई दिल्ली ।

रिलायंस इंडस्ट्रीज और बीपी द्वारा संचालित कृष्णा-गोदावरी (केजी-डी6) ब्लॉक से प्राकृतिक गैस उत्पादन में चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में सालाना आधार पर करीब सात प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। इस अवधि में उत्पादन घटकर 2.48 करोड़ मानक घन मीटर प्रतिदिन (एमएमएससीएमडी) रह गया, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 2.66 करोड़ एमएमएससीएमडी था। कंपनी ने बताया कि यह गिरावट प्राकृतिक आधार पर जारी है, और पिछली जनवरी-मार्च तिमाही में उत्पादन 2.52 करोड़ एमएमएससीएमडी था। विश्लेषकों से बातचीत में कंपनी ने स्वीकार किया कि केजी-डी6 के दूसरे चरण की गैस परियोजनाओं का उत्पादन जनवरी-मार्च 2024 में 3.06 करोड़ एमएमएससीएमडी के शीर्ष पर पहुंचा था, जिसके बाद से इसमें लगभग 19 प्रतिशत की कमी आई है। रिलायंस ने तत्काल यह नहीं बताया कि उत्पादन में गिरावट कब तक जारी रहेगी। हालांकि, कंपनी के एक अधिकारी ने कहा कि इस गिरावट की भरपाई के लिए योजना तैयार की गई है, जिसकी जानकारी जल्द दी जाएगी। केजी-डी6 ब्लॉक में रिलायंस इंडस्ट्रीज की 66.67 प्रतिशत और बीपी की 33.33 प्रतिशत हिस्सेदारी है। पुराने डी-1 और डी-3 क्षेत्रों के बंद होने के बाद, रिलायंस और बीपी ने आर-क्लस्टर, सैटेलाइट क्लस्टर और एमजे जैसी गहरे समुद्र की गैस परियोजनाओं में लगभग 5 अरब डॉलर का निवेश कर उत्पादन शुरू किया था। अप्रैल-जून तिमाही में गैस से औसत प्राप्ति कीमत 8.89 प्रति इकाई (एमएमबीटीयू) रही, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 9.97 डॉलर से कम थी। वहीं, तेल/कंडन्सेट से औसत प्राप्ति कीमत बढ़कर 107.4 डॉलर प्रति बैरल हो गई, जो एक वर्ष पहले 69.9 प्रति बैरल थी।

यश बैंक के मुनाफे में 33.7 फीसदी उछाल, 1,071 करोड़ के पार

मुंबई

` निजी क्षेत्र के प्रमुख बैंक यश बैंक ने मौजूदा कारोबारी साल की पहली तिमाही के शानदार नतीजे जारी किए हैं। जून 2026 को खत्म हुई इस तिमाही में बैंक का स्टैंडअलोन नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 33.7 प्रतिशत उछलकर 1,070.99 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। पिछले साल इसी तिमाही में बैंक को 801 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। बैंक की ब्याज से होने वाली कमाई में भी अच्छी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यश बैंक का नेट इंटरेस्ट इनकम 17.5 फीसदी बढ़कर 2,786.46 करोड़ रुपये रहा, जो बीते साल की समान तिमाही में 2,371 करोड़ रुपये था। इसके साथ ही बैंक का नेट इंटरेस्ट मार्जिन भी 2.5 प्रतिशत से सुधरकर 2.7 प्रतिशत पर आ गया है। डिपॉजिट की लागत में कमी और पीएसएल शॉर्टफॉल डिपॉजिट के बैलेंस में गिरावट आने से बैंक के मार्जिन को मजबूत सहारा मिला है। यश बैंक के लिए सबसे बड़ी राहत की बात यह रही कि इसके फंसे हुए कर्ज में कमी आई है, जिससे एसेट क्वालिटी काफी बेहतर हुई है। बैंक का ग्रॉस एनपीए रेशियो पिछले साल के 1.6 फीसदी से घटकर अब 1.3 फीसदी रह गया है। वहीं, नेट एनपीए रेशियो भी 0.3 फीसदी से कम होकर 0.2 फीसदी पर आ गया है।

अगर बैंक के कामकाज से होने वाले मुनाफे (ऑपरेटिंग प्रॉफिट) की बात करें, तो इसमें सालाना आधार पर 25.5 प्रतिशत की तेजी आई है और यह 1,704 करोड़ रुपये रहा। इसके अलावा बैंक की नॉन-इंटरेस्ट इनकम मामूली रूप से 2.6 फीसदी बढ़कर 1,798 करोड़ रुपये दर्ज की गई।

शुक्रवार को बाजार बंद होने पर यश बैंक के शेयर 0.59 फीसदी की गिरावट के साथ 23.61 रुपये पर थे। हालांकि, साल 2026 में अब तक इस स्टॉक ने निफ्टी 50 के मुकाबले काफी बेहतर प्रदर्शन किया है। जहां इस साल निफ्टी 50 में 6.9 फीसदी की गिरावट आई है'।

पीएनबी के मुनाफे में तीन गुना से ज्यादा का बंपर उछाल

मुंबई ।

सरकारी बैंक पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने अप्रैल-जून 2026 तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। इस दौरान बैंक का मुनाफा बढ़कर 5,253 करोड़ रुपये पहुंच गया। पिछले साल इसी तिमाही में बैंक का मुनाफा 1,675 करोड़ रुपये था। यानी इस बार बैंक ने तिगुना से ज्यादा मुनाफा कमाया है। बैंक ने शेयर बाजार को दी गई जानकारी में बताया कि जून तिमाही में उसकी कुल आय 37,231 करोड़ रुपये रही, जो पिछले साल के मुकाबले लगभग बराबर रही। हालांकि, ब्याज से होने वाली कमाई बढ़कर 32,897 करोड़ रुपये हो गई। एक साल पहले यह 31,964 करोड़ रुपये थी। जून तिमाही में बैंक का ऑपरेटिंग प्रॉफिट भी बढ़ा है। यह 7,519 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 7,081 करोड़ रुपये था। बैंक के खराब कर्ज में भी सुधार देखने को मिला। जून 2026 के अंत तक यह घटकर 2.78 फीसदी रह गया, जबकि एक साल पहले यह 3.78 फीसदी था।

रकम के हिसाब से जीएनपीए 42,673 करोड़ रुपये से घटकर 35,381 करोड़ रुपये रह गया। यानी इसमें 7,292 करोड़ रुपये की कमी आई। वहीं, नेट एनपीए भी 0.38 फीसदी से घटकर 0.26 फीसदी पर आ गया। इसकी कुल राशि 4,132 करोड़ रुपये से घटकर 3,433 करोड़ रुपये रह गई, यानी 699 करोड़ रुपये की कमी दर्ज की गई। हालांकि, बैंक ने खराब कर्ज के लिए इस तिमाही में 792 करोड़ रुपये का रखा है, जो पिछले साल की समान तिमाही के 396 करोड़ रुपये से दोगुना है। वहीं, बैंक का कैपिटल एडिक्वेसी रेशियो भी बढ़कर 18.13 फीसदी हो गया, जो पिछले साल जून के अंत में 17.5 फीसदी था।

सेबी ने फॉरेंसिक ऑडिट पैनल का विस्तार किया, वित्तीय निगरानी को मिलेगा बल

प्रमुख फर्मों समेत 18 कंपनियों को तीन साल के लिए पैनल में शामिल किया गया

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सूचीबद्ध कंपनियों के वित्तीय विवरणों के फॉरेंसिक ऑडिट के लिए अपने विशेषज्ञ पैनल में 18 नई फर्मों को शामिल किया है। यह कदम वित्तीय पारदर्शिता को मजबूत करने और निवेशकों के हितों की बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित करने के नियामक के प्रयासों का हिस्सा है। इस विस्तार के साथ, सेबी की सूचीबद्ध कंपनियों की वित्तीय जांच की क्षमता और गहरी होगी। सेबी ने 15 जुलाई को जारी एक अधिसूचना में बताया कि इन फॉरेंसिक ऑडिटरों का चयन एक निर्धारित सार्वजनिक खरीद प्रक्रिया के तहत किया गया है। ये फर्म पहले से मौजूद ऑडिटरों की सूची के अतिरिक्त होंगी, जिससे पैनल की समग्र क्षमता में वृद्धि होगी। नई सूची के प्रकाशन की तारीख से ये कंपनियां अगले तीन साल तक सेबी के पैनल में अपनी सेवाएं देंगी।

पैनल में शामिल प्रमुख फर्मों में अर्न्स्ट एंड यंग एलएलपी, केपीएमजी एश्योरेंस एंड कंसल्टिंग सर्विसेज एलएलपी, जेडएवस ग्रांट थॉर्नटन भारत एलएलपी और नांगिया एंड कंपनी एलएलपी शामिल हैं। इनके अतिरिक्त जे सी काबरा एंड एसोसिएट्स, जे मंडल एंड कंपनी एलएलपी, पिपारा एंड कंपनी एलएलपी, आर एस पटेल एंड कंपनी, सारथ एंड एसोसिएट्स, एएसए एंड एसोसिएट्स एलएलपी समेत कुल 18 विशेषज्ञ कंपनियों को इस पैनल में जगह मिली है। नांगिया एंड कंपनी एलएलपी के फॉरेंसिक सलाहकार विभाग के एक वरिष्ठ भागीदार ने इस कदम का स्वागत करते हुए कहा कि पैनल में शामिल होना इन कंपनियों की फॉरेंसिक विशेषज्ञता और वित्तीय पारदर्शिता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने जोर दिया कि यह मान्यता वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र में उनके भरोसेमंद भागीदार के रूप में उनकी भूमिका को और मजबूत करेगी, जिससे निवेशक हितों की बेहतर सुरक्षा हो सकेगी।

त्योहारों की दस्तक, मंडियों में सन्नाटा, तेल-तिलहन बाजार में जोरदार उछाल

किसान नहीं बेच रहे सस्ते में, घट गई सोयाबीन-सरसों की आवक

नई दिल्ली ।

आगामी त्योहारों की बढ़ती मांग और मंडियों में किसानों की कम आवक के चलते देश के तेल-तिलहन बाजारों में जोरदार तेजी दर्ज की गई। बीते सप्ताह सरसों, मूंगफली, सोयाबीन तेल-तिलहन समेत कच्चा पामतेल (सीपीओ) और बिनौला तेल के दाम में मजबूती देखी गई। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार किसानों को सोयाबीन जैसी फसलों के पहले ही बेहतर दाम मिल चुके हैं, जिसके चलते वे अब कम कीमत पर बिक्री से कतरा रहे हैं। मंडियों में आवक बेहद कम बनी हुई है, खासकर सोयाबीन की आवक दैनिक खपत की तुलना में काफी कम है। बिनौले की उपलब्धता तो लगभग नगण्य है। दूसरी ओर आगामी त्योहारी मांग जोर पकड़ रही है। बरसात के मौसम में अचार उद्योग से सरसों की मांग बढ़ी है। बिनौले की अनुपलब्धता के कारण ब्रांडेड कंपनियां मूंगफली तेल की ओर रुख कर रही हैं। इसके अलावा, डॉलर के मुकाबले रुपये की गिरावट और सरकार द्वारा पाम-पामोलीन के आयात शुल्क मूल्य में वृद्धि ने भी आयातित तेलों को महंगा कर दिया है, जिससे सभी खाद्य तेलों में मजबूती आई है। इस स्थिति में सरसों का तेल अब सोयाबीन और पाम-पामोलीन से 10-15 रुपये प्रति किलो महंगा बिक रहा है। महाराष्ट्र के लातूर में सोयाबीन प्लांटों ने किसानों को आकर्षित करने के लिए भविष्य के खरीद भाव 7,700 से बढ़ाकर 8,100 रुपये प्रति क्विंटल कर दिए हैं। वहीं, नगण्य उपलब्धता के कारण देश की लगभग 97% बिनौला पेराई मिलें बंद हो चुकी हैं, जिससे बिनौला तेल में भी तेजी है। आयातित खाद्य तेलों में पहले से ही घाटे में भी कुछ कमी आई है। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 350 रुपये के सुधार के साथ 8,075-8,100 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल 650 रुपये के सुधार के साथ 16,550 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल क्रमशः 90-90 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,705-2,805 रुपये और 2,705-2,855 रुपये प्रति टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 375-375 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 7,550-7,600 रुपये और 7,400-7,475 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

इसी प्रकार दिल्ली में सोयाबीन तेल 275 रुपये के सुधार के साथ 15,825 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 375 रुपये के सुधार के साथ 15,675 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 300 रुपये के सुधार के साथ 12,350 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।आलोच्य सप्ताह मांग बढ़ने के बीच बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 400 रुपये के सुधार के साथ 7,350-7,925 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 1,000 रुपये के सुधार के साथ 17,000 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 105 रुपये के सुधार के साथ 2,665-2,965 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। लागत से नीचे दाम पर बिकवाली का अंत पहले के मुकाबले घटने के कारण समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 225 रुपये के सुधार के साथ 13,850 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

पटेल इंजीनियरिंग ने मप्र में 12 किमी सिंचाई सुरंग परियोजना का अहम चरण पूरा किया

1600 करोड़ की इस परियोजना से 2.45 लाख हेक्टेयर को मिलेगा पानी

मुंबई ।

शेयर बाजार में लिस्टेड पेनी कैटेगरी के स्टॉक पटेल इंजीनियरिंग के शेयर सोमवार को फोकस में रहेंगे। कंपनी ने हाल ही में एक अहम घोषणा की, जिसमें बताया गया कि उसने मध्य प्रदेश में बन रही 12 किलोमीटर लंबी, भारत की सबसे लंबी सिंचाई सुरंग परियोजना में बड़ी सफलता हासिल कर ली है। यह 1,600 करोड़ रुपए की लागत वाली परियोजना है, जिसके पूरा होने से राज्य में कृषि और जल आपूर्ति को नया जीवन मिलेगा। पटेल इंजीनियरिंग ने जानकारी दी कि मध्य प्रदेश में स्लीमानाबाद कैरियर नहर परियोजना के तहत बन रही 12 किलोमीटर लंबी सिंचाई सुरंग का कार्य पूरा हो गया है। यह नहर परियोजना पूरी होने के बाद मध्य प्रदेश में लगभग 2,45,000 हेक्टेयर क्षेत्र की सिंचाई क्षमता को बढ़ाएगी। इसके साथ ही, यह जबलपुर और कटनी को प्रतिदिन 28.4 करोड़ लीटर घरेलू और औद्योगिक पानी की भी आपूर्ति करेगी। स्लीमानाबाद कैरियर नहर, नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण द्वारा विकसित की जा रही बरगी डायवर्जन परियोजना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। पटेल इंजीनियरिंग का शेयर बीते शुक्रवार को बीएसई पर 29.60 पर बंद हुआ, जिसमें 2.28 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। शेयर का 52-सप्ताह का उच्चतम स्तर 40.57 रुपए और न्यूनतम स्तर 22.08 रुपए है। वित्तीय मोर्चे पर कंपनी ने हाल ही में समाप्त हुई मार्च तिमाही में शानदार प्रदर्शन किया। इस तिमाही में कंपनी का मुनाफा दोगुने से अधिक होकर 71.49 करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले साल की समान तिमाही में 32.80 करोड़ रुपए था।

इंग्लैंड दौरे पर निकी प्रसाद ने सीखा बहुत कुछ

नई दिल्ली । भारतीय अंडर-19 महिला क्रिकेट टीम को टी20 विश्व कप 2025 का खिताब दिलाने वाली कप्तान निकी प्रसाद ने इंडिया ए महिला टीम के साथ अपने इंग्लैंड दौरे को सीखने का एक बेहतरीन अनुभव बताया है। हाल ही में इंग्लैंड ए के खिलाफ 2-1 से वनडे सीरीज जीतने वाली टीम का हिस्सा रहीं प्रसाद ने एक खास बातचीत में कहा कि यह उनका पहला इंडिया ए और पहला इंग्लैंड दौरा था। टीम का माहौल शानदार था और उन्हें खुद को अभिव्यक्त करने का भरपूर अवसर मिला, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा। एक जीतने वाली टीम का हिस्सा होना उनके लिए बेहद सकारात्मक अनुभव रहा। प्रसाद ने इंग्लैंड की परिस्थितियों को भारत से काफी अलग बताया, जहां के विकेट और विपक्षी टीमें, विशेषकर लंबे तेज गेंदबाजों, चुनौतीपूर्ण थीं। उन्होंने महसूस किया कि अपने बैकफुट खेल में, खासकर बाउंसर गेंदों को पुल और कट करने में, सुधार की आवश्यकता है। शॉर्ट बॉल के साथ संतुलन बनाना उन्होंने जल्द सीखा। कोचों ने उन्हें गेंद की उछाल का सही अनुमान लगाने और ओवरहिट न करने की सलाह दी। गेंदबाजी में भी, उन्हें यह सीखने को मिला कि गेंद को ऊपर पिच करके बल्लेबाजों को ड्राइव करने के लिए प्रेरित किया जाए, ताकि वे स्वीप जैसे शॉट न खेलें।

लॉर्ड्स में वनडे रिकॉर्ड ध्वस्त, भारत के खिलाफ इंग्लैंड ने जड़े 387 रन

लंदन।

इंग्लैंड ने रविवार को भारत के खिलाफ वनडे सीरीज के तीसरे मुकाबले में 3 विकेट खकर 387 रन बनाए। यह लॉर्ड्स के मैदान पर वनडे फॉर्मेट का सबसे बड़ा स्कोर है। यह इंग्लैंड का वनडे फॉर्मेट में सबसे बड़ा स्कोर भी है। इससे पहले, लॉर्ड्स में सबसे बड़ा वनडे स्कोर इंग्लैंड के ही नाम पर था, जिसने साल 1975 में भारत के विरुद्ध 4 विकेट खोकर 334 रन बनाए थे। वहीं, साउथ अफ्रीकी टीम साल 2005 में इंग्लैंड के खिलाफ इस मैदान पर 330/8 का स्कोर बना चुकी थी। इंग्लैंड ने साल 2017 मे आयरलैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में खेले गए वनडे मैच में 6 विकेट खोकर 328 रन जड़े थे, जबकि भारतीय टीम यहां साल 2002 में इंग्लैंड के खिलाफ 326/8 का स्कोर बना चुकी है। यह भारत के खिलाफ वनडे इतिहास में चौथा सबसे बड़ा स्कोर है। इस लिस्ट में साउथ अफ्रीका शीर्ष पर है, जिसने साल 2015 में टीम इंडिया के विरुद्ध वानखेड़े के मैदान पर 438/4 का स्कोर खड़ा किया था। वहीं, श्रीलंकाई टीम ने राजकोट में साल 2009 में 411/8 का स्कोर बनाया था। ऑस्ट्रेलिया ने साल 2020 में सिडनी के मैदान पर भारत के खिलाफ 4 विकेट खोकर 389 रन बनाए थे। रविवार को लंदन में खेले जा रहे मुकाबले में टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लिश टीम को बेन डकेट और जैकब बेथेल की सलामी जोड़ी ने मजबूत शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने 181 गेंदों में 192 रन की साझेदारी की। बेथेल 93 गेंदों में 13 बाउंड्री के साथ 91 रन बनाकर आउट हुए। यहां से डकेट ने जो रूट के साथ दूसरे विकेट के लिए 80 गेंदों में 101 रन जुटाकर टीम को 293 के स्कोर तक पहुंचा दिया।

डकेट 135 गेंदों में 141 रन बनाकर आउट हुए। उनकी इस पारी में 1 छक्का और 18 चौके शामिल रहे। रूट 48 गेंदों में 9 चौकों के साथ 74 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि जोस बटलर ने 13 गेंदों में 7 बाउंड्री के साथ तूफानी 41 रन बनाए। भारत की तरफ से प्रसिद्ध कृष्णा ने सर्वाधिक 2 विकेट हासिल किए, जबकि प्रिंस यादव ने 1 विकेट अपने नाम किया।

सिंधु ने यामागुची को हराकर जापान ओपन बैडमिंटन खिताब जीता

टोक्यो ।

भारतीय महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु ने मेजबान देश की खिलाड़ी अकाने यामागुची को हराकर जापान ओपन बैडमिंटन खिताब जीत लिया है। सिंधु ने महिला एकल के फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए यामागुची को सीधे गेम में 21-17, 21-17 से हराया। इसी के साथ ही सिंधु ये खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बन गयी हैं। इस जीत के साथ ही सिंधु ने 19 महीने के बाद एक बार फिर खिताबी जीत हासिल कर दिखा दिया है कि अभी उनकी लय बनी हुई है।

इससे पहले उन्होंने दिसंबर 2024 में सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय ट्रॉफी थी, जिसके बाद से किसी भी बड़े टूर्नामेंट में उन्हें जीत नहीं मिली। जापान ओपन की यह ट्रॉफी 2019 में विश्व चैंपियनशिप का खिताब जीतने के बाद उनकी सबसे बड़ी खिताबी जीत मानी जा रही है। सिंधु ने मुकाबले में शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। पहले गेम में उन्होंने यामागुची को 21-17 से हराया। दूसरे गेम में भी सिंधु ने अपनी स्मैश और कोर्ट कवरेज का अद्भुत

प्रदर्शन करते हुए यामागुची को बैकफुट पर धकेल दिया। सिंधु ने 21-17 से दूसरा गेम भी जीतने के साथ ही खिताब अपने नाम किया। ये सिंधु और अकाने यामागुची के बीच 30वां मुकाबला था। इस मुकाबले से पहले हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में यामागुची का पलड़ा भारी था पर इस शानदार जीत के साथ सिंधु ने अपने आंकड़े को और बेहतर किया है। यह यामागुची के खिलाफ सिंधु की 14वीं जीत थी, जबकि यामागुची ने उनके खिलाफ 16 मैच जीते हैं। इस जीत ने दोनों खिलाड़ियों के बीच की प्रतिद्वंद्विता को और रोमांचक बना दिया है। फाइनल में पहुंचने से पहले, सिंधु ने सेमीफाइनल में चीनी खिलाड़ी चेन युफेई को हराया था।

भारतीय टीम आज लॉर्ड्स में जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेगी

विराट पर भी रहेंगी नजरें

लॉर्ड्स ।

भारतीय क्रिकेट टीम आज यहां लॉर्ड्स में मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के तीसरे और अंतिम मैच में उतरेगी। इस मैच में जीत के साथ ही भारतीय टीम सीरीज जीतने का प्रयास करेगी। अभी दोनो ही टीमें 1-1 से सीरीज अपने नाम करना चाहेगी। भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाजी विराट कोहली का लक्ष्य भी इस सीरीज में शतक लगाना रहेगा जिससे कि वह इस मैदान पर एकदिवसीय में शतक लगाने वाले पहले भारतीय बन जाएंगे। यह सिर्फ एक मैच नहीं, बल्कि पूरी सीरीज का विजेता तय करेगा. पहले एकदवसीय में शानदार जीत दर्ज कर भारत ने बढ़त बनाई थी पर इंग्लैंड ने कार्डिफ में जोरदार वापसी करते हुए सीरीज को 1-1 से बराबर कर दिया है। ऐसे में अब रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम की नजरें इतिहास रचने पर होंगी। खासकर, प्रशंसकों को विराट से एक मैच विजेता पारी की उम्मीद है, क्योंकि लॉर्ड्स का मैदान अब तक उनके लिए भी ज्यादा खास नहीं रहा है, और वह यहां एक अधूरा सपना पूरा करने उतरेंगे। भारतीय टीम के लिए लॉर्ड्स में जीत हासिल करना एक बड़ी चुनौती रही है।आखिरी बार टीम इंडिया ने इस ऐतिहासिक मैदान पर साल 2004 में एकदिवसीय मुकाबला जीता था। इसके बाद से भारत का रिकॉर्ड बेहद निराशाजनक रहा है। जहां पिछले चार एकदिवसीय मैचों में उसे तीन बार हार का सामना करना पड़ा और एक मुकाबला टाई रहा। यह दो दशक से भी अधिक लंबा जीत का सूखा है जिसे आज टीम इंडिया खत्म करना चाहेगी।

नाइट राइडर्स ने रोमांचक फाइनल मुकाबले में वॉशिंगटन फ्रीडम को एक रन से हराकर एमएलसी खिताब जीता

न्यूयार्क ।

नाइट राइडर्स ने यहां खेले गये मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) 2026 के रोमांचक फाइनल में वॉशिंगटन फ्रीडम को अंतिम गेंद पर एक रन से हराकर खिताब जीता है। इस मुकाबले में सुनील नरेन और कप्तान जेसन होल्डर और अंतिम ओवर में शैडली वैन शल्कविक की घातक गेंदबाजी से नाइट राइडर्स को जीत मिली।

इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए लॉस एंजिल्स नाइट राइडर्स की टीम 19.4 ओवर में 164 रनों पर ही सिमट गयी। उसकी ओर से कॉलिन मुनरो ने 40 रन और आंद्रे फ्लेचर ने 47 रन बनाये। वहीं अन्य बल्लेबाज असफल रहे जिससे टीम बड़ा स्कोर नहीं बना पायी। वाशिंगटन फ्रीडम की ओर से बेन ड्वारशुइस ने घातक गेंदबाजी करते हुए सबसे अधिक 3 विकेट लिए। उनके अलावा, निखिल चौधरी और रचिन रविंद्र ने भी दो-दो विकेट लिए। इसके बाद जीत के लिए मिले 165 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए वाशिंगटन फ्रीडम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सुनील नरेन की घातक स्पिन गेंदबाजी के सामने वह टिक नहीं पायी। नरेन ने 13 रन देकर 3 महत्वपूर्ण विकेट लिए, जिससे नाइट राइडर्स ने विरोधी टीम पर दबाव बना दिया। इसके बाद एंड्रिस गौस ने 40 रन और ओबस पीनार ने 53 रन बनाकर वाशिंगटन की उम्मीदों को बनाये रखा पर कप्तान जेसन होल्डर ने बीच के ओवरों में 31 रन देकर 3 विकेट लिए और वाशिंगटन पर दबाव बनाये रखा। वहीं अंतिम ओवर में वाशिंगटन फ्रीडम को जीत के लिए 14 रन चाहिए थे। नाइट राइडर्स के लिए शैडली वैन शल्कविक अंतिम

ओवर करने आए। ओवर की पहली ही गेंद पर ओबस पीनार ने शानदार छक्का लगाकर वाशिंगटन को जीत के बेहद करीब पहुंचा दिया। शल्कविक ने अगली ही गेंद पर पीनार को बोल्ड कर दिया। इसके बाद तीसरी गेंद पर उन्होंने इयान हॉलेंड को भी जेसन होल्डर के हाथों कैच आउट कराकर मैच में अपनी टीम की वापसी करा दी। ऐसे में अंतिम तीन गेंदों पर वाशिंगटन को 8 रनों की जरुरत थी। गेंद पर लॉकी फर्ग्यूसन ने चौका जड़कर एक बार फिर नाइट राइडर्स को झटका दिय। अब दो गेंदों पर 4 रन की दरकार थी। पांचवीं गेंद पर फर्ग्यूसन ने एक रन लेकर ऐसे में अब वाशिंगटन को अंतिम गेंद में जीत के लिए 3 रन या सुपर ओवर के लिए 2 रन चाहिए थे। शल्कविक की अंतिम गेंद पर लाहिरू मिलंथा ने अपनी पूरी कोशिश की, लेकिन वह रन आउट हो गए।

इस तरह वाशिंगटन फ्रीडम की टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 163 रन ही बना पाई और लॉस एंजिल्स नाइट राइडर्स ने मेजर लीग क्रिकेट 2026 का खिताब 1 रन की से जीत लिया।

संक्षिप्त समाचार

रोहित को आगामी एकदिवसीय विश्वकप तक खेलते देखना चाहते हैं कोच दिनेश लाड

मुम्बई ।

एक ओर जहां भारतीय टीम के अनुभवी सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा के संन्यास की अटकलें चल रही हैं। वहीं रोहित के बचपन के कोच दिनेश लाड चाहते हैं कि रोहित अभी खेलते रहें। रोहित के बचपन के कोच दिनेश लाड ने कहा कि वह गुरुदक्षिणा के तौर पर आगामी एकदिवसीय विश्वकप खेलें। इस कोच का मानना है कि रोहित के पास अभी भी टीम को देने के लिए बहुत कुछ है और वह उन्हें भारतीय टीम की नीली जर्सी में एक और विश्व कप खेलते देखना चाहते हैं। लाड ने कहा, ÷मेरा सिर्फ एक सपना है कि मैं रोहित को 2027 विश्व कप खेलते हुए देखूं। मैं चाहता हूं कि वह वहां हों।÷ 39 वर्षीय रोहित के लिए अभी कुछ भी अच्छा नहीं चल रहा है। वह इस वर्ष खेले गए 8 एक दिवसीय मैचों में केवल 241 रन ही बना पाये हैं। इस दौरान उनका औसत मात्र 30 का रहा है और वह केवल एक अर्धशतक लगा पाये हैं। न्यूजीलैंड और अफगानिस्तान के खिलाफ निराशाजनक प्रदर्शन के बाद, इंग्लैंड के खिलाफ जारी सीरीज में भी वह प्रभावित नहीं पाए हैं, जिससे उनके फॉर्म पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। लाड ने अपने शिष्य के मौजूदा फॉर्म का बचाव करते हुए कहा, ÷हर खिलाड़ी के करियर में उतार-चढ़ाव आते हैं। फॉर्म अस्थायी होती है और मैं फिर भी चाहता हूं कि वह 2027 विश्व कप खेलें।÷ उन्होंने जोर दिया कि किसी खिलाड़ी के खराब दौर को उसके पूरे करियर का पैमाना नहीं बनाना चाहिए। इस बीच, एक और रिपोर्ट में यह दावा किया गया था कि चयनकर्ता रोहित पर संन्यास के लिए दबाव बना रहे हैं, जिससे युवा खिलाड़ियों को मौका दिया जा सके। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए लाड ने अपनी चिंता व्यक्त की और कहा, ÷अगर रोहित संन्यास लेते हैं, तो यह एक युग का अंत होगा। वह एक महान क्रिकेटर हैं। खराब फॉर्म का एक दौर किसी खिलाड़ी के पूरे करियर को परिभाषित नहीं करता।÷ उन्होंने चयनकर्ताओं के फैसलों पर सीधी टिप्पणी करने से बचते हुए अपने दिल की बात दोहराई कि वह रोहित को अगला वर्ल्ड कप खेलते देखना चाहते हैं। वहीं कहा जा रहा है कि चयनकर्ता अब यशस्वी जायसवाल सहित युवा प्रतिभाओं को अवसर देना चाहते हैं। चयनकर्ताओं के अनुसार रोहित को यह स्पष्ट कर दिया था कि इंग्लैंड दौरे के बाद वह उनकी भविष्य की योजनाओं का हिस्सा नहीं होंगे और टीम अब आगे बढ़ना चाहती है।

ब्रेंडन मैकुलम के बाद इंग्लैंड टेस्ट टीम का कोच कौन?

- ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कोच समेत रेस में 3 दिग्गज

नई दिल्ली ।

ब्रेंडन मैकुलम के इंग्लैंड टेस्ट टीम के मुख्य कोच पद छोड़ने के बाद इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) नए कोच की तलाश में जुट गया है। लगातार खराब प्रदर्शन के बाद इंग्लैंड क्रिकेट में बड़े बदलाव की तैयारी चल रही है। इस बीच, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कोच जस्टिन लैंगर, न्यूजीलैंड के दिग्गज स्टीफन फ्लेमिंग और इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एंड्रयू फ्लिंटॉफ टेस्ट टीम के नए हेड कोच बनने की रेस में सबसे आगे बताए जा रहे हैं, जिनमें स्टीफन फ्लेमिंग को प्रबल दावेदार माना जा रहा है।

ब्रेंडन मैकुलम के कार्यकाल की शुरुआत शानदार रही थी, लेकिन बाद में इंग्लैंड की टेस्ट टीम लगातार संघर्ष करती नजर आई। ऑस्ट्रेलिया में 4-1 से एशेज हारने के बाद टीम ने अगले 12 टेस्ट में से 8 मुकाबले गंवा दिए। लगातार खराब नतीजों के बाद ईसीबी ने टीम मैनेजमेंट में बदलाव का फैसला लिया और अब नए टेस्ट कोच की तलाश शुरू हो गई है। जस्टिन लैंगर इस रेस के प्रमुख दावेदारों में शामिल हैं।

टी20 ब्लास्ट 2026 नॉर्थहैम्पटनशायर ने हैम्पशायर को हराकर तीसरी बार खिताब अपने नाम किया

लंदन ।

नॉर्थहैम्पटनशायर ने यहां जारी टी20 ब्लास्ट 2026 क्रिकेट मुकाबले में रिकार्डो वास्कोनसेलोस के अर्धशतक के बाद गेंदबाजों के घातक प्रदर्शन की सहायता से टी20 ब्लास्ट 2026 के रोमांचक फाइनल मुकाबले में हैम्पशायर को 14 रनों से हरा दिया। इसी के साथ ही नॉर्थहैम्पटनशायर ने तीसरी बार ये खिताब जीता है। नॉर्थहैम्पटनशायर की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.5 ओवर में 166 रन बनाए थे, जिसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए हैम्पशायर की टीम 19.2 ओवर में 155 रन ही बना पायी और खिताबी मुकाबले में असफल रही।

नॉर्थहैम्पटनशायर की जीत में सलामी बल्लेबाज रिकार्डो वास्कोनसेलोस की अहम भूमिका रही। इस बल्लेबाज ने 59 गेंदों पर 88 रन बनाये। अपनी इस पारी में वास्कोनसेलोस ने 11 चौके और 2 छक्के लगाये। वास्कोनसेलोस के अलावा नाथन मैकस्वीनी ने 32, लुईस मैकमैनस ने 22 और कप्तान डेविड विली ने 11 रनों का योगदान दिया, जिससे नॉर्थहैम्पटनशायर ने 166 रन बनाये। हैम्पशायर की ओर से गेंदबाज सॉनी बेकर ने 21 रन देकर 5 विकेट झटके और टी20 ब्लास्ट के इतिहास में फाइनल में पांच विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बनकर इतिहास रच दिया।

167 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी हैम्पशायर की शुरुआत

अच्छी नहीं रही। खराब रही, जब कप्तान डेविड विली ने पारी की पहली ही गेंद पर ओपनर टॉबी एलबर्ट को पवेलियन भेज दिया। इसके बाद हैम्पशायर ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए, जिससे उन पर लगातार दबाव बढ़ता गया। हैम्पशायर के लिए जो वेदरली ने अकेले मोर्चा संभाले रखा और 53 गेंदों में 75 रनों की शानदार पारी खेली, जिसमें 9 चौके और 2 छक्के शामिल थे। लेकिन उन्हें किसी अन्य बल्लेबाज का पर्याप्त साथ नहीं मिल सका और हैम्पशायर की टीम लक्ष्य से 14 रन दूर रह गई।

कोच लक्ष्मण के साथ जिम्बाब्वे दौरे पर पहुंची टीम इंडिया

हरारे ।

भारतीय टीम तीन मैचों की टी20 क्रिकेट सीरीज के लिए जिम्बाब्वे दौरे पर पहुंच गयी है। इसी सीरीज में मुख्य कोच गौतम गंभीर नहीं गये हैं। ऐसे में पूर्व क्रिकेटर वी वी एस लक्ष्यण कोच के तौर पर टीम के साथ गये हैं। बीसीसीआई ने सोशल मीडिया में खिलाड़ियों की तस्वीरें भी साझा की हैं। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई पांच मैचों की टी20 सीरीज में भारत का प्रदर्शन बेहद खराब रहा था। उस सीरीज में टीम इंडिया को 4-0 से करारी हार का सामना करना पड़ा था, जिसने टीम का मनोबल कम हुआ है। ऐसे में उसे इस दौरे में मेजबान टीम के खिलाफ कड़ी टक्कर मिलना तय है। इस दौरे पर टीम प्रबंधन ने कई सीनियर खिलाड़ियों को आराम देते हुए युवाओं को अवसर दिया है। कप्तान श्रेयस अय्यर पर इस दौरे में बेहतर प्रदर्शन का दबाव रहेगा। उन्हें न केवल टीम को जीत की पटरी पर वापस लाना है, बल्कि युवा खिलाड़ियों को भी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए प्रेरित करना रहेगा। जिससे वे आगामी बड़े टूर्नामेंटों में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। इस टीम में अनुभवी और युवा खिलाड़ी रहते हैं शामिल। इस दौरे पर सबकी नजरें 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी पर रहेंगी। इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों में वह अधिक रन नहीं बना पाये थे। भारतीय टीम जिम्बाब्वे में तीन टी20 मैचों की सीरीज खेलेगी। पहला मुकाबला 23 जुलाई को खेला जाएगा, इसके बाद दूसरा मैच 25 जुलाई को और तीसरा तथा अंतिम मैच 26 जुलाई को आयोजित होगा। ये सभी मुकाबले हरारे स्पोर्ट्स क्लब के मैदान पर खेले जाएंगे

आईसीसी ने 2027 वनडे विश्व कप के क्वालीफिकेशन नियमों में किए बड़े बदलाव

नई दिल्ली ।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने 2027 वनडे विश्व कप के क्वालीफिकेशन प्रारूप में बड़े बदलावों की घोषणा की है, जो पहले 2021 में अनुमोदित संरचना को बदल देगा। इन नए नियमों के तहत, क्वालीफायर जीतने वाली टीम को अफ्रीका में होने वाले विश्व कप के मुख्य ग्रुप चरण में सीधे एंट्री मिलेगी, और आईसीसी के बदले हुए मॉडल के तहत उसे शुरुआती सुपर सीरीज राउंड से नहीं गुजरना पड़ेगा। बदले हुए प्रारूप में मुख्य टूर्नामेंट की टीमें 14 से घटाकर 12 कर दी गई हैं, जिसमें दो ग्रुप होंगे और उसके बाद सेमीफाइनल और फाइनल से पहले सुपर सेवन स्टेज होगा, जबकि पहले दो-ग्रुप और सुपर सिक्स फॉर्मेट था। इस बड़े बदलाव से विश्व कप क्वालीफायर से शीर्ष चार टीमों के लिए क्वालिफिकेशन का रास्ता भी बदल गया है।

गोल्डन बूट के लिए मेसी को चाहिये 3 गोल

न्यूजर्सी।

फीफा विश्व कप फुटबॉल में सबसे अधिक गोल के लिए मिलने वाले गोल्डन बूट पुरस्कार की दौड़ में फ्रांस के स्टार खिलाड़ी किलियन एम्बाप्पे और अर्जेंटीना के कप्तान लियोनल मेसी में बीच मुकाबला है। एम्बाप्पे के नाम अभी 10 गोल हैं जबकि मेसी के नाम 8 गोल हैं। ऐसे में मेसी को एम्बाप्पे से आगे निकलने के लिए 3 गोलों की जरुरत है। अर्जेंटीना की टीम टूर्नामेंट की डिफेंडिंग चैंपियन है और ऐसे में स्पेन के खिलाफ मुकाबले में मेसी की नजरें तीन गोल दागने पर रहेंगी। मेसी ने अपनी टीम के लिए अब तक बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया है ओर लगातार गोल किये हैं। नॉकआउट मैचों में हलांकि उनके व्यक्तिगत गोल की संख्या में थोड़ी कमी आई है पर अभी भी उनके नाम 8 गोल हैं और वह गोल्डन बूट के दावेदारों में दूसरे स्थान पर हैं। नॉकआउट राउंड्स में भले ही मेसी के व्यक्तिगत गोल स्कोर में उतनी बढ़ोतरी न हुई हो, लेकिन उन्होंने गोल दागने में सहायता कर अपनी टीम को खिताबी मुकाबले तक जरुर पहुंचाया है। मैदान पर उनकी उपस्थिति और नेतृत्व क्षमता ने टीम को कई कठिन क्षणों से उबारा है। अब जबकि टूर्नामेंट अपने अंतिम चरण में है, प्रशंसक उम्मीद कर रहे हैं कि मेसी न केवल अपनी टीम को विश्व कप दिलाएं, बल्कि गोल्डन बूट के साथ अपने शानदार सफर का समापन भी करें। गोल्डन बूट जीतने के लिए मेसी को फाइनल मैच में कम से कम 3 और गोल दागने होंगे। यह एक बेहद कठिन चुनौती है, खासकर एक विश्व कप फाइनल के अत्यधिक दबाव में, जहां हर टीम की रक्षा पंक्ति मजबूत और अभेद्य होती है।

अगर मेसी यह करिश्मा कर पाते हैं और 3 गोल दागकर गोल्डन बूट जीतते हैं, तो यह लगभग तय हो जाएगा कि अर्जेंटीना की टीम लगातार दूसरी बार विश्व चैंपियन बनेगी। मेसी के अलावा, अर्जेंटीना के

बाकी खिलाड़ी भी शानदार फॉर्म में हैं और टीम एकजुट होकर खेल रही है, जिससे उनके विरोधी टीम के लिए फाइनल जीतना बेहद मुश्किल होगा।

फीफा फाइनल के कारण दिल्ली-एनसीआर में जश्न के लिए खुले रहेंगे रेस्तरां-बार

नई दिल्ली।

फीफा विश्व कप फुटबॉल 2026 के खिताबी मुकाबले को लेकर फुटबॉल प्रेमियों के उत्साह को देखते हुए दिल्ली-एनसीआर में रेस्तरां-बार अब सुबह 4 बजे तक खुले रहेंगें। दिल्ली सरकार के इस नए फैसले के मुताबिक इस फाइनल के दिन राष्ट्रीय राजधानी के सभी रेस्टोरेंट, कैफे और अन्य कमर्शियल प्रतिष्ठान सुबह 4 बजे तक खुले रह सकेंगे। इस फैसले के बाद दिल्ली के प्रशंसक बिना किसी पाबंदी के इन रेस्तरां में खेल देख सकेंगे।

यह फैसला शहर के बिजनेस-फ्रेंडली ऑपरेटिंग फ्रेमवर्क के तहत लिया गया है, जिसे सरकार के 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' सुधारों के हिस्से के तौर पर शुरू किया गया था।

इस घोषणा के बाद, दिल्ली-एनसीआर के रेस्तरां और बार ने फाइनल के लिए अपनी कमर कस ली है। नेशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया और स्थानीय फूड हब्स से मिली जानकारी के मुताबिक, राजधानी के प्रमुख कोर रेस्टोरेंट सेक्टर्स में फैंस की भारी भीड़ जुटने की पूरी संभावना है।

दिल्ली के अलावा, गुरुग्राम और नोएडा में भी फुटबॉल का क्रेज अपने चरम पर है। गुरुग्राम के सेक्टर्स और साइबर हब में मौजूद हैं।

ऑक्सीजन देने वाले वृक्ष के आध्यात्मिक रहस्य

हर धर्म में पेड़, पौधे और वृक्षों का बहुत महत्व है, परंतु इसको कोई महत्व नहीं देता है। जिस देजी से वृक्ष कटते जा रहे हैं उससे धरती का पर्यावरण ही नहीं बदल रहा है बल्कि जीवन में संकट में हो चला है। धरती पर ऑक्सीजन का निर्माण करने में वृक्षों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वृक्ष नहीं होंगे तो एक दिन वायु भी नहीं होगी और वायु नहीं होगी तो फिर मानव भी नहीं होगा। आओ जानते हैं वृक्ष के 20 रहस्य।

- शास्त्रों के अनुसार जो व्यक्ति एक पीपल, एक नीम, दस इमली, तीन कैथ, तीन बेल, तीन आंवला और पांच आम के वृक्ष लगाता है, वह पुण्यात्मा होता है और कभी नरक के दर्शन नहीं करता। इसी तरह धर्म शास्त्रों में सभी तरह से वृक्ष सहित प्रकृति के सभी तत्वों के महत्व की विवेचना की गई है।
- भारतीय धर्म मानता हैं कि प्रकृति ही ईश्वर की पहली प्रतिनिधि है। प्रकृति के सारे तत्व ईश्वर के होने की सूचना देते हैं। इसीलिए प्रकृति को देवता, भगवान और पितृ माना गया है। यहां प्रत्येक देवी और देवता से एक वृक्ष, एक पशु या एक पक्षी जुड़ा हुआ है। यहां तक की ग्रह और नक्षत्र भी जुड़े हुए हैं। धर्म मानता है कि दूरस्थ स्थिति ध्रुव तारा भी हमारे जीवन को संचालित कर रहा है। फिर हिमालय के ग्लेशियर और चंद्रमा के तो कहने ही क्या। संपूर्ण ब्रह्मांड एक दूसरे से जुड़ा हुआ है। एक कड़ी टूटी तो सबकुछ बिखर जाएगा। यह ब्रह्मांड उल्टे वृक्ष की भांति है।
- धर्मानुसार पांच तरह के यज्ञ होते हैं जिनमें से दो यज्ञ– देवयज्ञ और वैश्वदेवयज्ञ प्रकृति को समर्पित है। दोनों ही तरह के यज्ञों का वैज्ञानिक और धार्मिक महत्व है। देवयज्ञ से जलवायु और पर्यावरण में सुधार होता है तो वैश्वदेवयज्ञ प्रकृति और प्राणियों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का तरीका है। सभी प्राणियों तथा वृक्षों के प्रति करुणा और कर्त्तव्य समझना उन्हें अन्न–जल देना ही भूतयज्ञ या वैश्वदेव यज्ञ कहलाता है।
- हिन्दू धर्मानुसार वृक्ष में भी आत्मा होती है। वृक्ष संवेदनशील होते हैं और उनके शक्तिशाली भावों के माध्यम से आपका जीवन बदल सकता है। प्रत्येक वृक्ष का गहराई से विश्लेषण करके हमारे ऋषियों ने यह जाना की पीपल और वट वृक्ष सभी वृक्षों में कुछ खास और अलग है। इनके धरती पर होने से ही धरती के पर्यावरण की रक्षा होती है। यही सब जानकर ही उन्होंने उक्त वृक्षों के संवरक्षण और इससे मनुष्य के द्वारा लाभ प्राप्ति के हेतु कुछ विधान बनाए गए उन्ही में से दो है पूजा और परिक्रमा।
- स्कन्द पुराण में वर्णित पीपल के वृक्ष में सभी देवताओं का वास है। पीपल की छाया में ऑक्सीजन से भरपूर आरोग्यवर्धक वातावरण निर्मित होता है। इस वातावरण से वात, पित्त और कफ का शमन–नियमन होता है तथा तीनों स्थितियों का संतुलन भी बना रहता है। इससे मानसिक शांति भी प्राप्त होती है। पीपल की पूजा का प्रचलन प्राचीन काल से ही रहा है। इससे मानसिक शांति भी प्राप्त होती है।
- अथर्ववेद के उपवेद आयुर्वेद में पीपल के औषधीय गुणों का अनेक असाध्य रोगों में उपयोग वर्णित है। औषधीय गुणों के कारण पीपल के वृक्ष को 'कल्पवृक्ष' की संज्ञा दी गई है। पीपल के वृक्ष में जड़ से लेकर पत्तियों तक तैंतीस कोटि देवताओं का वास होता है और इसलिए पीपल का वृक्ष प्रात: पूजनीय माना गया है। उक्त वृक्ष में जल अर्पण करने से रोग और शोक मिट जाते हैं। पीपल की पूजा का प्रचलन प्राचीन काल से ही रहा है। इसके कई पुरातात्विक प्रमाण भी है। गीता में भगवान कृष्ण कहते हैं, 'हे पार्थ वृक्षों में मैं पीपल हूं।' अश्वत्थोपनयन व्रत के संदर्भ में महर्षि शौनक कहते हैं कि मंगल मुहूर्त में पीपल वृक्ष की नित्य तीन बार परिक्रमा करने और जल चढ़ाने पर दरिद्रता, दु:ख और दुर्भाग्य का विनाश होता है। पीपल के दर्शन–पूजन से दीर्घायु तथा समृद्धि प्राप्त होती है। अश्वत्थ व्रत अनुष्ठान से कन्या अखण्ड सौभाग्य पाती है। सड़क के किनारे पीपल का वृक्ष लगाने, तथा उसका पालन करने वाला देवलोक प्राप्त करता है। पीपल के वृक्षों का रोपण करने वाला इस लोक में तो कीर्ति प्राप्त करता है, मृत्युपरांत भी मोक्ष को प्राप्त होता है। इसमें संदेह नहीं है।
- बरगद को वटवृक्ष कहा जाता है। हिंदू धर्म में वट सावत्री नामक एक त्योहार पूरी तरह से वट को ही समर्पित है। हिंदू धर्मानुसार चार वटवृक्षों का महत्व अधिक है। अक्षयवट, पंचवट, वंशीवट, गयावट और सिद्धवट के बारे में कहा जाता है कि इनकी प्राचीनता के बारे में कोई नहीं जानता। संसार में उक्त चार वटों को पवित्र वट की श्रेणी में रखा गया है। प्रयाग में अक्षयवट, नासिक में पंचवट, वृंदावन में वंशीवट, गया में गयावट और उज्जैन में पवित्र सिद्धवट है।
- **आम है खास** : हिंदू धर्म में जब भी कोई माँगलिक कार्य होते हैं तो घर या पूजा स्थल के द्वार व दीवारों पर आम के पत्तों की लड़ लगाकर मांगलिक उत्सव के माहौल को धार्मिक और वातावरण को शुद्ध किया जाता है। अक्सर धार्मिक पांडाल और मंडपों में सजावट के लिए आम के पत्तों का इस्तेमाल किया जाता है। 5 या अधिक आम के वृक्षों का रोपण पालन करने वाला अनेक दुर्लभ यज्ञों के फल को प्राप्त कर सकता है।
- **भविष्यवक्ता शमी** : विक्रमादित्य के समय में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य वराहमिहिर ने अपने बृहतसंहिता' नामक ग्रंथ के 'कुसुमलता' नाम के अध्याय में वनस्पति शास्त्र और कृषि उपज के संदर्भ में जो जानकारी प्रदान की है उसमें शमीवृक्ष अर्थात खिजड़े का उल्लेख मिलता है। वराहमिहिर के अनुसार जिस साल शमीवृक्ष ज्यादा फूलता–फलता है उस साल सूखे की स्थिति का निर्माण होता है। विजयादशमी के दिन इसकी पूजा करने का एक तात्पर्य यह भी है कि यह वृक्ष आने वाली कृषि विपत्ती का पहले से संकेत दे देता है जिससे किसान पहले से भी ज्यादा पुरुषार्थ करके आनेवाली विपत्ती से निजात पा सकता है।
- जो मनुष्य अपने घर में फलदार पेड़, पौधे आदि लगाता है और उसकी भली भांति देखभाल करता है, उसे आरोग्य की प्राप्ति होती है।
- जो मनुष्य 5 वट वृक्षों का रोपण और उसका पालन किसी चौराहे या मार्ग में करता है तो, उसकी सात पीढ़ियां तर जाती है। जो मनुष्य नीम के वृक्ष जितने अधिक लगाता है उतनी अधिक उसकी पीढ़ियां तर जाती है.
- वृक्षों के बाग या वाटिका लगाने वाला प्रसिद्धि प्राप्त करता है।
- जो भी व्यक्ति बिल्व वृक्ष का रोपण शिव मंदिर में करता है वह अकाल मृत्यु से मुक्त हो जाता है।
- घर में तुलसी, आंवला, निर्गुण्डी, अशोक, आदि के वृक्ष शुभ फलदायी होते हैं। शीशम के 11 वृक्ष को सड़क पर लगाने से यह लोक और परलोक दोनों ही संवर जाते हैं।
- कनक चम्पा के 2 वृक्ष लगाने वाले का सर्वार्थ कल्याण हो जाता है।
- 5 या अधिक महुआ के वृक्षों का रोपण और पालन करने वाला धन प्राप्त करता है। तथा उसे अनुरूप यज्ञों का फल भी प्राप्त होने लगता है।
- जो भी मनुष्य सड़क के किनारे 2 या 2 से अधिक मौलश्री के वृक्षों का रोपण एवं पालन करता है। वह एक सौ यज्ञों को करने का पुण्य प्राप्त करता है।
- जो भी मनुष्य 5 या अधिक अशोक वृक्ष का रोपण और पालन करता है, उसके घर परिवार में कभी भी अकाल मृत्यु नहीं होती है। उसके यहां अचानक कोई बड़ी मुसीबत खड़ी नहीं होती तथा उसे आगामी जन्म में पुण्यात्मा होने का सौभाग्य प्राप्त होता है।
- जो मनुष्य 5 पलास के वृक्षों का रोपण और पालन करते हैं। उसे 10 गौवों के दान के समतुल्य पुण्य लाभ मिलता है। पलास के वृक्षों को सड़क के किनारे अथवा किसी बड़े क्षेत्र में रोपना चाहिए। इसका रोपण घर में नहीं करना चाहिए।
- जो भी मनुष्य 2 या अधिक हारसिंगार (पारिजात) के पौधों का रोपण श्री हनुमानजी के मंदिर में अथवा नदी के किनारे या किसी भी सामाजिक स्थल पर करता है तो उसे एक लक्ष्य तोला स्वर्णदान के समतुल्य पुण्य प्राप्त होता है तथा उसे जीवन भर श्री हनुमानजी की कृपा मिलती रहती है।
- जो भी व्यक्ति सोमवार के दिन, प्रदोष वाले दिन, शिवरात्री को, श्रावणमास में किसी भी दिन अथवा शिवयोग वाले दिन 5 या अधिक बिल्व वृक्षों का रोपण और उसका नियमित पालन भी करता है तो उसे शिवलोक प्राप्त होता है। यदि इन वृक्षों को कोई भी मनुष्य शिव मंदिर में या मंदिर के समीप रोपण करता है तो निश्चय ही वह कोटि कोटि पुण्य का भागीदार तो होता ही है और उसे व उसके परिवार पर भगवान शिव की असीम अनुकम्पा भी प्राप्त होती है।

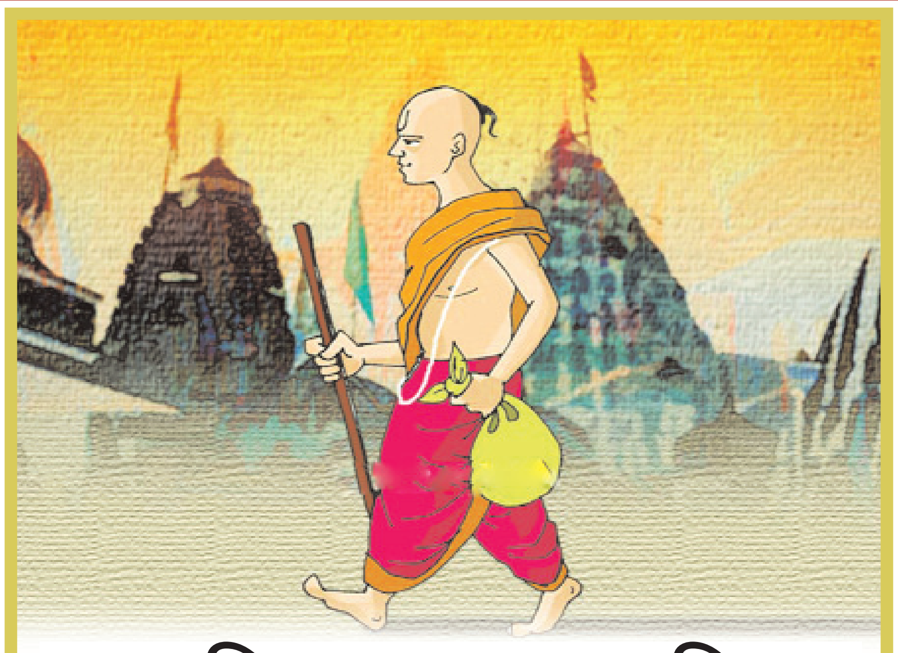

परिक्रमा या प्रदक्षिणा के 10 प्रकार

सभी ग्रह सूर्य की परिक्रमा कर रहे हैं और सभी ग्रहों को साथ लेकर यह सूर्य महासूर्य की परिक्रमा कर रहा है। संपूर्ण ब्रह्माण में चक्र और परिक्रमा का बड़ा महत्व है। भारतीय धर्मों (हिन्दू, जैन, बौद्ध आदि) में पवित्र स्थलों के चारो ओर श्रद्धाभाव से चलना 'परिक्रमा' या 'प्रदक्षिणा' कहलाता है। आओ जानते हैं कि किन किन की परिक्रमा की जाती है या कितने प्रकार की परिक्रमा की जाती है। ये हैं प्रमुख 10 परिक्रमाएं -

देवमंदिर परिक्रमा

जैसे देव मंदिर में जगन्नाथ पुरी परिक्रमा, रामेश्वरम, तिरुवन्नमल, तिरुवनन्तपुरम, शक्तिपीठ, ज्योतिर्लिंग आदि।

देव मूर्ति परिक्रमा

देवमूर्ति में शिव, दुर्गा, गणेश, विष्णु, हनुमान, कार्तिकेय आदि देवमूर्तियों की परिक्रमा करना।

नदी परिक्रमा

जैसे नर्मदा, सिंधु, सरस्वती, गंगा, यमुना, सरयु, क्षिप्रा, गोदावरी, कृष्णा, कावेरी परिक्रमा आदि।

पर्वत परिक्रमा

जैसे गोवर्धन परिक्रमा, गिरनार, कामदगिरि, मेरू पर्वत, हिमालय, नीलगिरी, तिरुमलै परिक्रमा आदि।

वृक्ष परिक्रमा

जैसे पीपल और बरगद की परिक्रमा करना।

तीर्थ परिक्रमा

जैसे चौरासी कोस परिक्रमा, अयोध्या, उज्जैन या प्रयाग पंचकोशी यात्रा, राजिम परिक्रमा, सप्तपुरी आदि।

चार धाम परिक्रमा

जैसे छोटा चार धाम (केदारनाथ, बद्रीनाथ, यमुनोत्री, गंगोत्री) परिक्रमा या बड़ा चार धाम (बद्रीनाथ, द्वारिका, जगन्नाथ और रामेश्वरम) यात्रा।

भरत खण्ड परिक्रमा

अर्थात संपूर्ण भारत की परिक्रमा करना। परिवाज्रक संत और साधु ये यात्राएं करते हैं। इस यात्रा के पहले क्रम में सिंधु की यात्रा, दूसरे में गंगा की यात्रा, तीसरे में ब्रह्मपुत्र की यात्रा, चौथे में नर्मदा, पांचवें में महानदी, छठे में गोदावरी, सातवें में कावेरी, आठवें में कृष्णा और अंत में कन्याकुमारी में इस यात्रा का अंत होता है। हालांकि प्रत्येक साधु समाज में इस यात्रा का अलग–अलग विधान और नियम है।

विवाह परिक्रमा

मनु स्मृति में विवाह के समक्ष वधू को अग्नि के चारों ओर तीन बार प्रदक्षिणा करने का विधान बतलाया गया है जबकि दोनों मिलकर 7 बार प्रदक्षिणा करते हैं तो विवाह संपन्न माना जाता है।

माता पिता की परिक्रमा

भगवान गणेशजी ने अपने माता पिता की परिक्रमा की थी जिससे पता चलता है कि इस परिक्रमा का क्या महत्व है।

शव परिक्रमा

जब कोई किसी का अपना देह छोड़ देता है कि उसकी देह की परिक्रमा की जाती है। दाह संस्कार करते वक्त और करने के बाद मटकी से जल अर्पित करते वक्त भी परिक्रमा की जाती है।

धरती की परिक्रमा

एक बार देवताओं के बीच में धरती परिक्रमा की प्रतियोगिता हुई थी, जिसमें जीते तो भगवान कार्तिकेय थे परंतु गणेशजी ने माता पिता की परिक्रमा करके यह प्रतियोगिता जीत ली थी।

ब्रह्मांड की परिक्रमा

यह परिक्रमा नारद जी करते रहते हैं।

किस देव की कितनी बार परिक्रमा?

- भगवान शिव की आधी परिक्रमा की जाती है।
- माता दुर्गा की एक परिक्रमा की जाती है।
- हनुमानजी और गणेशजी की तीन परिक्रमा की जाती है।
- भगवान विष्णु की चार परिक्रमा की जाती है।
- सूर्यदेव की चार परिक्रमा की जाती है।
- पीपल वृक्ष की 108 परिक्रमाएं करना चाहिए।
- जिन देवताओं की प्रदक्षिणा का विधान नहीं प्राप्त होता है, उनकी तीन प्रदक्षिणा की जा सकती है।

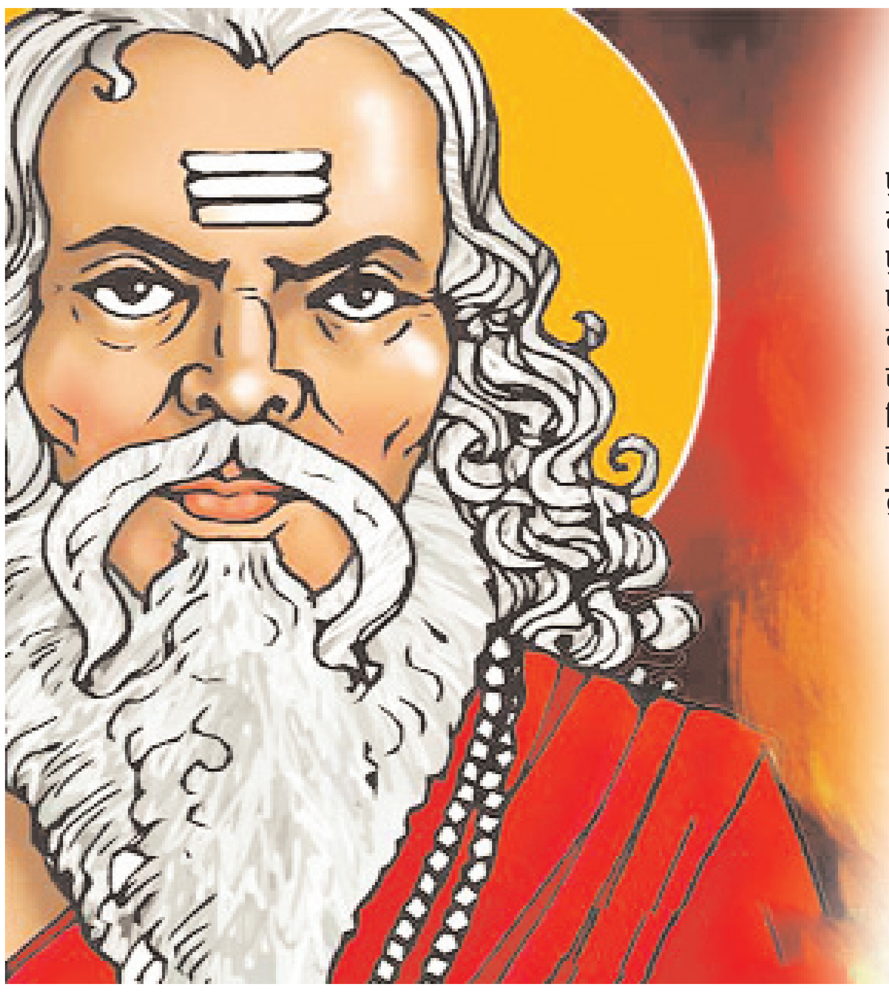

ब्रह्मा के पुत्र क्रतु ऋषि के थे 60 हजार पुत्र

पुराणों अनुसार ब्रह्मा जी के मानस पुत्र- मन से मारिचि, नेत्र से अत्रि, मुख से अंगिरस, कान से पुलस्त्य, नाभि से पुलह, हाथ से कृतु, त्वचा से भृगु, प्राण से वशिष्ठ, अंगुष्ठ से दक्ष, छाया से कंदर्भ, गोद से नारद, इच्छा से सनक, सनन्दन, सनातन, सनतकुमार, शरीर से स्वायंभुव मनु, ध्यान से चित्रगुप्त आदि। आओ जानते हैं ऋषि अंगिरा के बारे मं संक्षिप्त में जानकारी।

ब्रह्मा के पुत्र कृतु ऋषि :

- कृतु या क्रतु का जन्म ब्रह्माजी के हाथ से हुआ था। क्रतु 16 प्रजापतियों में से एक हैं। इनकी गणना सप्तर्षियों में की जाती है।
- ब्रह्मा की आज्ञा से उन्होंने दक्ष प्रजापति और क्रिया की पुत्री सन्नति से विवाह किया था। कहते हैं कि क्रतु और सन्नति से 'बालिखिल्य' नाम के 60 हजार पुत्र हुए। इन बालखिल्यों का आकार अंगूठे के बराबर माना जाता है। यह सभी पुत्र भगवान सूर्य के उपासक थे। सूर्य के रथ के आगे अपना मुख सूर्य की ओर किये हुए बालखिल्य चलते हैं और उनकी स्तुति करते हैं। इन ब्रह्मर्षियों की तपस्या शक्ति सूर्यदेव को प्राप्त होती रहती है।
- पुराणों अनुसार एक बार महर्षि मरीचि के पुत्र महर्षि कश्यप एक यज्ञ कर रहे थे। उन्होंने अपने तात महर्षि क्रतु से निवेदन किया कि वे उस यज्ञ के लिए ब्रह्मा का स्थान ग्रहण करें। अपने भतीजे के निवेदन पर महर्षि क्रतु अपने 60 हजार पुत्रों के साथ महर्षि कश्यप के यज्ञ में पधारे। उसी यज्ञ में देवराज इंद्र और महर्षि क्रतु के पुत्र बालखिल्यों में विवाद हो चला तब अपने पिता और महर्षि कश्यप द्वारा बीच–बचाव करने पर बालखिल्यों ने ही पक्षीराज गरुड़ को महर्षि कश्यप को पुत्र रूप में प्रदान किया था।
- पुराणों में महर्षि क्रतु की दो बहनों– पुण्य एवं सत्यवती का भी वर्णन मिलता है। महर्षि क्रतु और सन्नति की एक पुत्री का नाम भी पुण्य था। इसके साथ ही पर्वासा नाम की एक पुत्रवधु का भी वर्णन मिलता है।
- सर्वप्रथम वेद एक रूप में ही ब्रह्मा द्वारा उत्पन्न किए गए थे। बाद में महर्षि क्रतु ने ही वेदों के चार भाग करने में उनकी सहायता की थी। आगे चलकर वराहकल्प में क्रतु ऋषि ही महाभारत काल में वेद व्यास ऋषि हुए।
- मनु के पुत्र उत्तानपाद और उत्तानपाद के पुत्र ध्रुव से महर्षि क्रतु अत्यंत प्रेम करते थे। जब अपने पिता से उपेक्षित होकर ध्रुव ने परमलोक की प्राप्ति करने की सोची तो सबसे पहे वो महर्षि क्रतु के पास गया। क्रतु ने ध्रुव को भगवान विष्णु की तपस्या करने की सलाह दी। बाद में देवर्षि नारद द्वारा अनुमोदन करने पर ध्रुव ने विष्णुजी की घोर तपस्या की और उनकी कृपा से परमलोक को प्राप्त हुआ। क्रतु ऋषि नाम का एक तारा है जो ध्रुव की परिक्रमा करने में आज भी लीन है। ध्रुव के प्रति अपने प्रेम के कारण ही महर्षि क्रतु उसके समीप चले गए।
- पुराणों में महर्षि क्रतु को महर्षि अगस्त्य के वातापि भक्षण और समुद्र को पी जाने के कारण उनकी प्रशंसा करते हुए भी बताया गया है। कुछ ग्रंथों में इस बात का वर्णन है कि महर्षि क्रतु ने महर्षि अगस्त्य के पुत्र ईधवाहा को भी गोद लिया था। इसके अलावा महाराज भरत ने महर्षि क्रतु से देवताओं के चरित्र के विषय में प्रश्न किया था। तब महर्षि क्रतु ने उनकी इस शंका का समाधान किया था।
- क्रतु नाम से एक अग्नि का नाम भी है और श्रीकृष्ण और जाम्बवती के कई पुत्रों में से एक का नाम क्रतु था। प्लक्षद्वीप की एक नदी का नाम भी क्रतु है। क्रतु का एक अर्थ 'आषाढ़' भी होता है और वर्ष के इसी मास में अधिकांश यज्ञ करने का प्रावधान शास्त्रों में बताया गया है।
- मैत्रेय संहिता के अनुसार एक बार यज्ञ से प्राप्त पशुओं का देवाताओं ने विभाजन कर दिया और उन्होंने रुद्र को उस विभाजन के हिस्से में शामिल नहीं किया तब रुद्रदेव क्रोधित हो गए और उन्होंने देवताओं पर आक्रमण कर दिया। इस आक्रमण में पूषणा के दन्त, भग के नेत्र और क्रतु के अंडकोषों को नष्ट हो गए। बाद में ब्रह्माजी ने उनकी स्तुति करके उन्हें शांत किया और उन्हें 'पशुपति' की उपाधि दी। फिर रुद्रदेव ने सभी को पहले जैसा कर दिया।

राहुल-खरगे ने पीएम मोदी को लिखी चिट्ठी कहा- चुप्पी से काम नहीं चलेगा

अयोध्या के राम मंदिर में हुई चोरी का मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र से पहले राम मंदिर चंदे को लेकर सियासी विवाद तेज हो गया है। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी तथा राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संयुक्त पत्र लिखकर श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से जुड़े कथित वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों पर सवाल उठाए हैं। दोनों नेताओं ने मामले में प्रधानमंत्री की चुप्पी को लेकर भी आपत्ति जताई और जवाबदेही तय करने की मांग की है।

कांग्रेस नेताओं ने अपने पत्र में कहा कि राम मंदिर के लिए देश-विदेश से करोड़ों श्रद्धालुओं ने श्रद्धा और विश्वास के साथ दान दिया है। ऐसे में यदि चंदे या ट्रस्ट के वित्तीय प्रबंधन को लेकर कोई आरोप सामने आते हैं तो उनकी निष्पक्ष जांच जरूरी है।

उन्होंने कहा कि ऐसे गंभीर मामलों में सरकार की ओर से स्पष्ट जवाब आना चाहिए और जनता को वास्तविक स्थिति की जानकारी मिलनी चाहिए।

राहुल गांधी और खरगे ने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय को लेकर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोपों की जांच की मांग करते हुए कहा कि ट्रस्ट से जुड़े सभी वित्तीय मामलों की स्वतंत्र और व्यापक समीक्षा होनी चाहिए। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि मंदिर निर्माण से जुड़ी आस्था और श्रद्धालुओं के विश्वास को बनाए रखने के लिए पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता जरूरी है। दोनों नेताओं ने प्रधानमंत्री से मांग की है कि जांच केवल दस्तावेजों और खातों तक सीमित न रहे, बल्कि मंदिर के लिए मिले सभी प्रकार के दान, जिसमें नकद राशि, सोना, चांदी और अन्य चढ़ावे शामिल हैं, उनके प्रबंधन की भी विस्तृत जांच की जाए।कांग्रेस ने यह भी मांग की है कि जांच रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए और ट्रस्ट के सभी खातों की जानकारी आम लोगों के सामने रखी जाए। पार्टी का कहना है कि इससे श्रद्धालुओं को यह स्पष्ट जानकारी मिल सकेगी कि उनके द्वारा दिए गए दान का उपयोग किस तरह किया गया।संसद के मानसून सत्र से ठीक पहले यह मुद्दा उठाकर कांग्रेस ने संकेत दिया है कि वह सदन में इसे प्रमुखता से उठाने की तैयारी में है। वहीं, इस मामले पर आगे राजनीतिक बहस तेज होने की संभावना है। कांग्रेस की मांग है कि धार्मिक आस्था से जुड़े इस विषय पर पूरी पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जाए।

नाराज विपक्ष ने पहले किया बहिष्कार फिर सर्वदलीय बैठक में हुए शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र से पहले आयोजित सर्वदलीय बैठक उस समय राजनीतिक विवाद का केंद्र बन गई.जब केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से अलग होकर नए संसदीय समूह में शामिल हुए 20 बागी सांसदों को भी बैठक में आमंत्रित किया। सरकार के इस फैसले का विपक्षी दलों ने विरोध किया. सरकार द्वारा विपक्ष की मांग नहीं मानने पर बैठक का बहिष्कार भी किया लेकिन कुछ देर बाद ही बैठक में शामिल हुआ। विपक्षी दलों का कहना था, बागी सांसदों की मान्यता और दलबदल से जुड़े मामले अभी पूरी तरह विवादमुक्त नहीं हैं। ऐसे में उन्हें सर्वदलीय बैठक में आमंत्रित करना संसदीय परंपराओं के विपरीत है. इससे मूल राजनीतिक दल के अधिकारों की अनदेखी होती है। विपक्ष ने आरोप लगाया कि सरकार राजनीतिक लाभ के लिए संसदीय प्रक्रियाओं का मनमाने तरीके से उपयोग कर रही है। दूसरी ओर, सरकार का कहना है. जिन सांसदों ने अलग संसदीय समूह के रूप में मान्यता का दावा किया है.उन्हें चर्चा में शामिल करना संसदीय संवाद की प्रक्रिया का हिस्सा है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सभी दलों से संसद के सुचारु संचालन में सहयोग की अपील की। सर्वदलीय बैठक का उद्देश्य मानसून सत्र के विधायी एजेंडे और विभिन्न राजनीतिक दलों के मुद्दों पर चर्चा करना था. टीएमसी के बागी सांसदों के निमंत्रण ने बैठक से पहले ही सियासी माहौल गर्मा दिया। माना जा रहा है कि इस विवाद का असर मानसून सत्र की कार्यवाही पर सत्र शुरू होने के साथ ही पड़ना तय है।

खराब मौसम का असर, वैष्णो देवी यात्रा 19 जुलाई से स्थगित

-जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश और भूस्खलन की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में लगातार खराब मौसम और भारी बारिश के मद्देनजर श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने यात्रा को 19 जुलाई से अस्थाई रूप से स्थगित कर दिया है। यह निर्णय प्रशासन द्वारा जारी खराब मौसम की चेतावनी और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है। बोर्ड ने बताया कि जम्मू-कश्मीर में जारी मूसलाधार बारिश के कारण रियासी जिले के कटरा स्थित त्रिकुटा पहाड़ियों पर भूस्खलन का खतरा काफी बढ़ गया है, जिससे मंदिर मार्ग असुरक्षित हो गया है। अधिकारियों के अनुसार, भारी बारिश के बाद मंदिर की ओर जाने वाले नए मार्ग पर हिमकोटी के पास भूस्खलन हुआ, जिसके बाद बोर्ड ने तत्काल मलबे को हटाने के लिए कर्मचारी और मशीनें तैनात की हैं। इससे पहले 8 जुलाई को भी मंदिर मार्ग भूस्खलन से प्रभावित हुआ था, जिसके चलते बैटरी कार सेवा को अस्थाई रूप से निलंबित करना पड़ा था। हालांकि, उस समय सैकड़ों तीर्थयात्रियों ने भूस्खलन के बावजूद अपनी पैदल यात्रा जारी रखी थी, लेकिन वर्तमान गंभीर स्थिति को देखते हुए पूरी यात्रा को रोकने का फैसला किया गया है।

जैसलमेर में भीषण सड़क हादसा : कार-बाइक जलकर खाक, एक युवक की दर्दनाक मौत

जैसलमेर (एजेंसी)। राजस्थान के जैसलमेर जिले के मोहनगढ़ थाना क्षेत्र में शनिवार रात एक भीषण सड़क हादसे में कार और मोटरसाइकिल की आमने-सामने की टक्कर हो गई। इस दर्दनाक घटना में बाइक सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि टक्कर के बाद दोनों वाहनों में भीषण आग लग गई, जो पूरी तरह जलकर खाक हो गए। गनीमत रही कि कार में सवार एक ज्वेलर समेत तीन लोग चमत्कारिक रूप से बच निकलने में कामयाब रहे। पुलिस के अनुसार, यह हादसा जैसलमेर-नेहड़ाई रोड पर बोहा और नेहड़ाई गांव के बीच रात करीब 9 बजे हुआ। भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार हवा में लगभग 20 फीट उछलकर दूर जा गिरा। टक्कर के तुरंत बाद मोटरसाइकिल कार के अगले हिस्से में फंस गई, जिससे भीषण शॉर्ट सर्किट हुआ और दोनों वाहनों में आग लग गई। आग इतनी तेज़ थी कि दोनों वाहन कुछ ही मिनटों में कबाड़ में तब्दील हो गए। हादसे के बाद आग से कार के दरवाजे ऑटोमैटिक लॉक हो गए, जिससे कार सवार यात्रियों में हड़कंप मच गया। हालांकि, पीछे का एक दरवाजा खुलने से ज्वेलर समेत तीनों लोग समय रहते कार से बाहर निकलकर अपनी जान बचाने में सफल रहे। बताया जा रहा है कि वे गहने देकर वापस लौट रहे थे। पुलिस ने मृत युवक के मोबाइल से परिजनों को सूचना दी। मोहनगढ़ पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से शव को अस्पताल पहुंचाया, क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर यातायात सुचारु करवाया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

धोखाधड़ी मामले में बैंक ऑफ इंडिया का कर्मी गिरफ्तार

पटना (एजेंसी)। बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने वर्ष 2016 की नोटबंदी के दौरान हुए कथित वित्तीय अनियमितता के एक बड़े मामले में कार्रवाई की है। ईओयू ने कोडरमा जिले के डोमचांच स्थित बैंक ऑफ इंडिया की फुलवरिया शाखा में कार्यरत बैंककर्मी अरविंद कुमार को गिरफ्तार किया है। उस पर गया शाखा में पदस्थापित रहते हुए अन्य लोगों के साथ मिलकर ग्राहक के बैंक खाते का दुरुपयोग कर लाखों रुपये के संदिग्ध लेनदेन को अंजाम देने का आरोप है। ईओयू के अनुसार, अरविंद कुमार नोटबंदी के समय बैंक ऑफ इंडिया की गया शाखा में कार्यरत था। आरोप है कि उसने वादी राजेश कुमार के बैंक खाते का कथित तौर पर उसकी जानकारी और सहमति के बिना उपयोग कर लाखों रुपये का संदिग्ध लेन-देन किया था। राजेश कुमार की शिकायत पर गया में प्राथमिकी दर्ज की गई थी, जिसे बाद में जांच के लिए आर्थिक अपराध इकाई को सौंप दिया गया। विस्तृत जांच और बैंकिंग दस्तावेजों के परीक्षण के बाद ईओयू को अरविंद कुमार की संलिप्तता के पर्याप्त साक्ष्य मिले। इसके बाद निगरानी अदालत से गिरफ्तारी वारंट प्राप्त कर लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी की तलाश की जा रही थी। ईओयू की टीम ने कोडरमा पहुंचकर उसे गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों का मानना है कि इस कार्रवाई से नोटबंदी के दौरान हुए इस कथित वित्तीय नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों और लेनदेन के व्यापक दायरे का खुलासा हो सकता है। आरोपी से गहन पूछताछ जारी है।

निर्वस्त्र होकर मंदिर पहुंची, मूर्ति लेकर तालाब में कूदी महिला इंजीनियर

-सॉफ्टवेयर इंजीनियर तेजस्विनी की मौत के मिले नए सुराग

हैदराबाद (एजेंसी)। पीरजादीगुड़ा के एक तालाब में मिले सॉफ्टवेयर इंजीनियर तेजस्विनी के शव मामले में पुलिस जांच में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। पुलिस के अनुसार, एक मंदिर के सीसीटीवी फुटेज में तेजस्विनी को मंदिर परिसर में जाते हुए देखा गया है। जांच में सामने आया है कि वह मंदिर से एक मूर्ति लेकर तालाब की ओर गई थी। पुलिस अब इस पूरे घटनाक्रम के पीछे की वजहों का पता लगाने में जुटी है। प्रारंभिक जांच के मुताबिक, तेजस्विनी कपड़े उतारकर मंदिर पहुंची और वहां से अण्मावारू की मूर्ति उठाई। इसके बाद वह मूर्ति लेकर तालाब की ओर चली गई। पुलिस का कहना है कि तालाब में उसके कूदने का कोई प्रत्यक्ष सीसीटीवी फुटेज नहीं मिला है। फिलहाल तालाब में मूर्ति की तलाश की जा रही है। पुलिस का मानना है कि मूर्ति मिलने से जांच को महत्वपूर्ण दिशा मिल सकती है। जांच के दौरान तेजस्विनी के निजी जीवन से जुड़ी कुछ जानकारियां भी सामने आई हैं। पुलिस के अनुसार, वह जिस फ्लैट में किराए पर रह रही थी, उसका किराया काफी अधिक था। वह रोजाना करीब 3500 रुपये का भुगतान करती थी, जो महीने में एक लाख रुपये से अधिक बैठता है। जिस अपार्टमेंट में वह रहती थी, उसकी ऊपरी मंजिलों पर लॉज संचालित होने की जानकारी भी मिली है। पुलिस ने पूरे परिसर की जांच की है और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस इस मामले में आत्महत्या के कारणों का पता लगाने के लिए कई पहलुओं की जांच कर रही है। इसमें पैसों के लेनदेन, आसपास रहने वाले लोगों की भूमिका और अन्य परिस्थितियों को शामिल किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि तेजस्विनी ने इतना बड़ा कदम क्यों उठाया। पुलिस ने तेजस्विनी की मां अरुणा से भी पूछताछ की है। जांच अधिकारी घटनाक्रम से जुड़े सभी साक्ष्यों को जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। फिलहाल मामले में किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले पुलिस सभी संभावित कारणों की पड़ताल कर रही है।

जम्मू-कश्मीर में एक सप्ताह में दूसरा संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन बरामद

-सांबा जिले के खेतों से मिला ड्रोन फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया, सुरक्षा एजेंसियां सतर्क

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में सुरक्षा बलों ने एक संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन बरामद किया है। पिछले एक सप्ताह के भीतर इस तरह का दूसरा ड्रोन मिलने से सीमा पार से होने वाली संदिग्ध गतिविधियों को लेकर सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में निगरानी बढ़ा दी गई है और मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है।

अधिकारियों के अनुसार, टेरिटोरियल आर्मी के जवानों ने शनिवार देर रात पुरमंडल क्षेत्र के सांगर गांव के खेतों में तलाशी अभियान के दौरान संदिग्ध ड्रोन बरामद किया। प्रारंभिक जांच के बाद ड्रोन को कब्जे में लेकर फोरेंसिक परीक्षण के लिए भेज दिया गया है, ताकि उसके उत्पनादन क्षेत्र, तकनीकी क्षमता और संभावित उद्देश्य का पता लगाया जा सके। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि हाल के दिनों में लगातार ड्रोन मिलने की घटनाएं सीमा पार से घुसपैठ, हथियारों और मादक पदार्थों की तस्करी अथवा खुफिया गतिविधियों से जुड़ी हो सकती हैं। हालांकि, अधिकारियों ने अभी तक ड्रोन के माध्यम से किसी सामग्री की आपूर्ति या किसी विशेष मिशन की पुष्टि नहीं की है।

देवक गांव से पहले ही बरामद हो चुका एक ड्रोन

इससे पहले 14 जुलाई को जम्मू क्षेत्र के देवक गांव के पास एक खुले मैदान से भी एक संदिग्ध ड्रोन बरामद किया गया था। एक सप्ताह के भीतर दूसरी बरामदगी ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। इसके मद्देनुसार सीमा से सटे इलाकों में गश्त, निगरानी और तलाशी अभियान तेज कर दिए गए हैं। सुरक्षा बलों ने स्थानीय लोगों से भी अपील की है कि यदि उन्हें किसी संदिग्ध उड़ने वाली वस्तु या गतिविधि की जानकारी मिले तो तुरंत पुलिस या सुरक्षा एजेंसियों को सूचित करें।

टीएमसी में सियासी घमासान के बीच 'शहीद दिवस' पर बढ़ा तनाव

तीन गुट अलग-अलग करेंगे कार्यक्रम

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के भीतर जारी सियासी संघर्ष अब 'शहीद दिवस' कार्यक्रम तक पहुंच गया है। पार्टी के गठन के बाद पहली बार टीएमसी तीन गुटों में बंट चुकी है और हर गुट खुद को पार्टी की असली राजनीतिक विरासत का उत्तराधिकारी बता रहा है। ऐसे में 21 जुलाई को मनाए जाने वाले 'शहीद दिवस' को लेकर राज्य में राजनीतिक हलचल और सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ गई हैं। टीएमसी के गठन के बाद से हर वर्ष 21 जुलाई को कोलकाता के सेंट्रल एवेन्यू में बड़ी रैली आयोजित की जाती रही है। हालांकि इस बार पहली बार वहां कोई कार्यक्रम नहीं होगा। प्रशासन ने मध्य कोलकाता के कई इलाकों में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी है। यह आदेश 2 जुलाई से 30 अगस्त तक प्रभावी रहेगा। पुलिस का कहना है कि खुफिया सूचनाओं के आधार पर विभिन्न राजनीतिक कार्यक्रमों के

दौरान हिंसा और कानून-व्यवस्था बिगड़ने की आशंका है, इसलिए एहतियाती कदम उठाए गए हैं। टीएमसी में यह संकट विधानसभा चुनाव में हार के बाद और गहरा गया। विपक्ष के नेता रिताब्रता बनर्जी के नेतृत्व में 80 में से 60 से अधिक विधायकों ने अलग गुट बनाकर खुद को 'असली टीएमसी' घोषित कर दिया। इसके बाद पार्टी के 29 लोकसभा सांसदों में से 20 सांसद एक अन्य राजनीतिक दल में शामिल हो गए। हालात तब और बिगड़ गए जब चार राज्यसभा सांसदों ने इस्तीफा दे दिया, जिनमें से तीन बाद में भाजपा में शामिल हो गए। दूसरी ओर, ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट को अब राजनीतिक हलकों में 'कालीघाट तृणमूल' के नाम से भी जाना जाने लगा है। इस बीच, कलकत्ता हाईकोर्ट ने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट को बिड़ला तारामंडल के पास दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक 'शहीद दिवस' कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति दी है। अदालत ने इस कार्यक्रम में अधिकतम 2,500 लोगों की मौजूदगी की सीमा तय करते हुए पुलिस को सुरक्षा के व्यापक इंतजाम करने के निर्देश दिए हैं। वहीं, रिताब्रता बनर्जी का गुट मेयो रोड पर गांधी प्रतिमा के सामने अपना कार्यक्रम करेगा। राज्य कांग्रेस भी उसी दिन शहीद मीनार के निकट अपना आयोजन करेगी, जबकि एक अन्य दल ने भी 'शहीद दिवस' मनाने की घोषणा की है, हालांकि कार्यक्रम स्थल की जानकारी अभी सार्वजनिक नहीं की गई है। ऐसे में 21 जुलाई को कोलकाता में कई समानांतर राजनीतिक आयोजन होने से सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हैं।

गाली-गलौज या अभद्र भाषा का इस्तेमाल करना हमेशा अश्लीलता नहीं होती : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया है कि गाली-गलौज या अभद्र भाषा का इस्तेमाल करना हमेशा अश्लीलता के दायरे में नहीं आता है। जस्टिस संजय करोल और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने कहा कि कोई शब्द तभी अश्लील माना जाएगा, जब वह कामुकता को बढ़ावा देने वाला हो या लोगों को भ्रष्ट करने की प्रवृत्ति रखता हो। कोर्ट ने यह टिप्पणी तमिलनाडु के एक मामले में सुनवाई करते हुए की। आरोपी मणि को जमीन विवाद के दौरान मां की गाली देने के लिए अश्लीलता के आरोप में दोषी ठहराया गया था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अगस्त 2017 में जमीन विवाद को लेकर आरोपी ने शिकायतकर्ता के साथ गाली-गलौज की थी। पीड़ित का आरोप था कि आरोपी ने जातिसूचक शब्द भी कहे। बाद में घर से हथियार लाकर हमला कर दिया, जिससे उसकी नाक की हड्डी टूट गई। सुप्रीम कोर्ट ने अश्लीलता और आपराधिक धमकी के आरोपों से आरोपी को बरी कर दिया। कोर्ट ने कहा कि गाली देने से किसी को परेशानी हुई, यह साबित नहीं हुआ। हालांकि, शिकायतकर्ता को गंभीर चोट पहुंचाने के मामले में उसकी सजा बरकरार रखी है। आरोपी की उम्र करीब 70 साल होने और स्वास्थ्य स्थितियों को देखते हुए कोर्ट ने उसकी सजा को घटाकर कोर्ट उठने तक की सजा दी। साथ ही, उसे 2 महीने के अंदर 50,000 रुपए का जुर्माना भरने का निर्देश दिया है।

बाबा रामदेव ने कुमार विश्वास को उत्तराधिकारी बनने की दी चुनौती

- कवि ने भी भर दी हामी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बाबा रामदेव और कवि कुमार विश्वास के बीच हंसी-मजाक और दोस्ताना नोकझोंक अक्सर देखने को मिलती है। अब एक कार्यक्रम में दोनों के बीच ऐसा ही दिलचस्प संवाद हुआ, जिसमें बाबा रामदेव ने मजाकिया अंदाज में कहा कि कुमार विश्वास की नजर पतंजलि पर है और वह इसके उत्तराधिकारी बनना चाहते हैं। इस पर कुमार विश्वास ने भी अपने अंदाज में जवाब दिया और बाबा की शर्त पूरी करने की बात कह दी।

दोनों के बीच यह बातचीत दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित फिल्म 'रामायणम' के प्री-ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम के दौरान हुई। कार्यक्रम में कई फिल्मी हस्तियों और साधु-संतों की मौजूदगी रही। मंच पर बाबा रामदेव और कुमार विश्वास आमने-सामने आए तो दोनों के बीच हल्के-फुल्के अंदाज में बातचीत शुरू हो गई। बाबा रामदेव ने मजाक करते

हुए कहा कि कुमार विश्वास की नजर हमेशा इसी पर रहती है कि उन्हें पतंजलि का उत्तराधिकारी बनना है। इस पर कुमार विश्वास ने भी चुटकी लेते हुए कहा कि उन्होंने कभी बाबा से उन्हें गोद लेने की बात कही थी। तब बाबा ने कहा था कि अगर गोद लिया तो सुबह चार बजे उठकर योग करना होगा। कुमार विश्वास ने जवाब देते हुए कहा कि जिसका भविष्य इतना बड़ा हो, वह देर तक सोएगा क्यों। इसके बाद बाबा रामदेव ने कुमार विश्वास के सामने एक शर्त रख दी। उन्होंने मंच पर नौली क्रिया करके दिखाई और कहा कि अगर वह इसे सीख लेते हैं तो उत्तराधिकारी बनने की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। कुमार विश्वास ने भी मजाकिया अंदाज में कहा कि वह इसके लिए तैयार हैं और इसे सीख लेंगे। गौरतलब है कि पतंजलि समूह का कारोबार पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ा है। पतंजलि फूड्स ने वित्त वर्ष 2025-26 में पहली बार 40 हजार करोड़ रुपये से अधिक का सालाना परिचालन राजस्व दर्ज किया है। कंपनी के कारोबार में एफएमसीजी क्षेत्र की हिस्सेदारी भी महत्वपूर्ण रही है। हालांकि मंच पर हुई यह बातचीत पूरी तरह मजाक और दोस्ताना माहौल में हुई, लेकिन दोनों हस्तियों के बीच यह संवाद कार्यक्रम का आकर्षण बन गया।

सुप्रिया 2 सप्ताह तक ना कुछ बोलेंगी, न राजनीति करेंगी

-संसद सत्र से पहले सुले का वॉयस रेस्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र की शुरुआत से ठीक पहले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) की सांसद सुप्रिया सुले ने स्वास्थ्य कारणों से खुद को राजनीतिक गतिविधियों और मीडिया से दूर रखने का फैसला किया है। बारामती से सांसद सुप्रिया सुले ने बताया कि डॉक्टरों की सलाह पर वह अगले एक से दो सप्ताह तक वॉयस रेस्ट पर रहेंगी। इस दौरान वह न तो मीडिया से बातचीत करेंगी, न प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगी और न ही किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में भाषण देंगी।

सुप्रिया सुले ने बताया कि गले और आवाज में परेशानी के कारण उन्होंने विशेषज्ञ डॉक्टर से सलाह ली। जांच में गले में हल्की सूजन पाई गई, जिसके बाद उन्हें लंबे समय तक बोलने, भाषण देने और साक्षात्कार से बचने की सलाह दी गई है। उन्होंने कहा कि इस दौरान वह वॉयस थेरेपी भी लेंगी और मीडिया तथा समर्थकों से

सहयोग की अपील की है।

स्वास्थ्य कारणों के चलते सुप्रिया सुले विपक्षी गठबंधन की उस अहम बैठक में भी शामिल नहीं हो पाएंगी, जिसमें संसद के मानसून सत्र के दौरान सरकार के खिलाफ रणनीति तैयार करने और विभिन्न मुद्दों पर विपक्ष की एकजुटता को लेकर चर्चा होनी है। सुप्रिया सुले का यह फैसला ऐसे समय आया है जब वह कई राजनीतिक मुद्दों को लेकर चर्चा में थीं। हाल ही में उन्होंने महिला आरक्षण से जुड़े प्रस्तावित परिसीमन विधेयक को लेकर अपना रुख स्पष्ट किया था। उन्होंने कहा था कि उनकी पार्टी विधेयक का अध्ययन करेगी और यदि इसमें सभी राज्यों के लिए लोकसभा सीटों में समान वृद्धि की व्यवस्था होगी तो समर्थन पर विचार किया जा सकता है। उनके इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में इस विधेयक को लेकर बहस तेज हो गई थी।

इसके अलावा महाराष्ट्र की राजनीति में पवार परिवार और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दोनों गुटों के बीच संभावित सुलह को लेकर भी चर्चाएं चल रही हैं। राजनीतिक गलियारों में ऐसी अटकलें हैं कि शरद पवार गुट और अजित पवार गुट के बीच किसी समझौते की संभावना बन सकती है। हालांकि, इन चर्चाओं की अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मानसून सत्र में सरकार कई महत्वपूर्ण विधायी कदम उठाने की तैयारी में है। इनमें महिला आरक्षण को परिसीमन से जोड़ने वाला प्रस्तावित संविधान संशोधन विधेयक भी शामिल है। ऐसे समय में सुप्रिया सुले का कुछ समय के लिए सक्रिय राजनीति से दूर रहना विपक्षी रणनीति के लिहाज से भी अहम माना जा रहा है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया है कि स्वास्थ्य कारणों से लिया गया यह फैसला अस्थायी है और वह जल्द ही सक्रिय भूमिका में लौटेंगी।

क्या इस बार भी संसद का सत्र हंगामा और स्थगन की भेंट चढ़ जाएगा: मायावती

राम मंदिर चढ़ावा चोरी, बंगाल चुनाव के बाद हालात, गर्भवती महिलाओं की मौत पर जताई चिंता

लखनऊ (एजेंसी)। संसद का मॉनसून सत्र सोमवार यानी 20 जुलाई से शुरू हो रहा है। इससे पहले बसपा सुप्रीमो मायावती ने पश्चिम बंगाल से लेकर राजस?थान तक के मुद्दों पर बीजेपी पर निशाना साधा है। उन?होंने राम मंदिर चढ़ावा चोरी, पश्चिम बंगाल में चुनाव बाद के हालात और राजस?थान में गर्भवती महिलाओं की मौत मामले पर चिंता जताई। रविवार सुबह मायावती ने अपने एक्स अकाउंट पर सात पॉइंट में लंबा चौड़ा पोस?ट किया।

उन?होंने लिखा- अब जबकि संसद का मॉनसून सत्र 20 जुलाई से शुरू हो रहा है। एक बार फिर यह देश और आमजन की चिंता है कि क्या इस बार भी फिर से संसद का सत्र हंगामा व स्थगन आदि की भेंट चढ़ जाएगा या फिर जबरदस्त महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, महिला असुरक्षा, अहम परीक्षाओं के भी पेपरलीक आदि से जुड़े देश के ज्वलन्त मुद्दों से उत्पन्न उत्तेजित, आक्रोशित व आन्दोलित माहौल को शान्त करने व इनके संतोषजनक समाधान के लिए गंभीरता दिखाई जाएगी।

मायावती ने लिखा- वैसे खासकर अयोध्या श्रीराम मन्दिर में चढ़ावा की चोरी, हेराफेरी व ग़बन आदि को लेकर व्यापक जन आक्रोश ने भी यूपी व देश को काफी झकझोर कर रख दिया है और लोग, धर्म का चुनावी स्वार्थ के लिए राजनीतिकरण करने वालों को इसके लिए कठघरे में खड़ा करके, उनसे दिल दुखाने की जवाबदेही मांग रहे हैं, जिसकी गूंज सड़कों से लेकर अदालत तक में है और संसद में भी यह मुद्दा गर्म होगा, जिसपर लोगों की पैनी नजर है।

बसपा सुप्रीमो ने लिखा- इतना ही नहीं बंगाल में विधानसभा आमचुनाव के बाद के हालात्, राजस्थान में सरकार की लापरवाही के कारण गर्भवती महिलाओं की मौत समेत कई राज्यों में बढ़ती महिला असुरक्षा आदि भी गंभीर मुद्दे हैं। उन्होंने लिखा- भारत की अर्थव्यवस्था व यहां के जनजीवन को बुरी तरह से प्रभावित करती हुई अमेरिका-इजराइल का ईरान के विरुद्ध लगातार युद्ध और रुपया का अवमूल्यण आदि देश व जनहित के ऐसे ख़ास मुद्दे हैं जिनपर राजनीतिक द्वेष, स्वार्थ व आरोप-प्रत्यारोप की संकीर्णता/वैमनस्य को त्यागकर सत्ता और विपक्ष दोनों को एकजुट होकर अच्छा उपाय ढूंढकर सराहनीय कार्य करना होगा, वरना 140 करोड़ की जनसंख्या वाले अपने देश में बहुजनों का जीवन यहां और भी बुरे दिन वाला बनकर उनका भविष्य अधर में लटकायेगा, जिसकी आशंका भी व्यक्त की जा रही है।

अतः देश को त्रस्त करने वाली इन भारी चुनौतियों व उसके प्रति चेतावनियों को ध्यान में रखकर संसद के मानसून सत्र को, बिना किसी उत्तेजना, रोष व विद्वेष के, सुचारू, शान्तिपूर्ण एवं स्वस्थ्य लोकतांत्रिक परम्परा के मुताबिक चलना सुनिश्चित किया जाना चाहिए। बसपा प्रमुख ने कहा कि संसद को भी इन ज्वलन्त राष्ट्रीय मुद्दों पर पूरी तरह से गंभीर व संवेदनशील होना जरूरी है और इसकी शुरूआत अगर संसद के वर्तमान मानसून सत्र से ही हो तो यह बेहतर ही होगा। जनहितैषी गुड गवर्नेंस के लिए संसद का प्रभावी होना जरूरी। जय भीम, जय भारत।

संक्षिप्त समाचार

ग्लोबल वॉर्मिंग का कहर : यूरोप में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी ने ली 10,000 लोगों की जान, बुजुर्गों पर सबसे ज्यादा आफत

लंदन, एजेंसी। यूरोप ने इस साल अप्रत्याशित रूप से भीषण गर्मी का सामना किया और पूरे महाद्वीप से संकलित आंकड़ों के मुताबिक, तापमान में बेतहाशा वृद्धि से जुड़ी घटनाओं में सामान्य से कहीं अधिक करीब 10 हजार लोगों की जान गई है। अध्ययनकर्ताओं के अनुसार, जून के अंत में इसमें तेजी से तब वृद्धि हुई जब यूरोप के कुछ हिस्सों में तापमान ने रिकॉर्ड तोड़ दिया। जानकारों का कहना है कि पूरी स्थिति समझने में समय लगता है और गर्मी से होने वाली कई मौतों को आधिकारिक तौर पर उस तरह दर्ज नहीं किया जाता। उदाहरण के लिए, भीषण गर्मी से दिल का दौरा पड़ सकता है, खासतौर पर उन लोगों को जो उम्रदराज हैं और पहले से किसी गंभीर बीमारी से ग्रस्त हैं। लेकिन उनकी मौत होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र में मौत की वजह दिल का दौरा लिखा जा सकता है। अध्ययनकर्ताओं के मुताबिक गर्मियों की शुरुआत चिंताजनक रही है। पिछले कुछ वर्षों में यूरोप में कई बार भीषण गर्मी पड़ी जिसकी वजह से हजारों लोगों की मौत हुई है। जलवायु परिवर्तन की वजह से भीषण गर्मी की आवृत्ति बढ़ रही है। यूरोएमओएमओ के आंकड़े कहते हैं, 28 जून को खत्म हुए सप्ताह में करीब 14,260 अधिक मौतें हुईं। इनमें से 12,000 से अधिक मौतें 65 वर्ष और उससे ज्यादा उम्र के लोगों की थीं। यह उस हफ्ते हुई कुल 84,583 मौतों में से था।

मेक्सिको के तट पर आया शक्तिशाली भूकंप, रिक्टर पैमाने पर 7.4 तीव्रता; सुनामी की चेतावनी जारी

मेक्सिको, एजेंसी। मेक्सिको के दक्षिणी राज्य चियापास के तट के पास 7.4 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया। इसके बाद सुनामी की चेतावनी जारी कर दी गई है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, भूकंप का केंद्र मेक्सिको के शहर प्यूर्टो मादेरो के पास था। इसकी गहराई जमीन से केवल 10 किलोमीटर नीचे थी। भूकंप के बाद अमेरिकी सुनामी चेतावनी प्रणाली ने इस क्षेत्र के लिए सुनामी की आशंका जताते हुए चेतावनी जारी की है। रॉयटर्स ने एक चश्मदीद के हवाले से कहा, भूकंप के झटकों से ग्वाटेमाला सिटी में इमारतें हिल गईं। एक अन्य चश्मदीद ने रॉयटर्स को बताया कि एल सल्वाडोर में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। ग्वाटेमाला के राष्ट्रपति बर्नार्डो अरेवालो ने कहा कि भूकंप के कारण अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, अभी तक कोई मौत नहीं हुई है और हम हर मिनट स्थिति पर नजर रख रहे हैं। उन्होंने लोगों से शांति बनाए रखने और ऐसे हालात में जारी की जाने वाली सलाह का पालन करने की अपील की। मेक्सिको के दक्षिणी राज्य ओआक्साका के गवर्नर ने कहा कि भूकंप के झटके राज्य की राजधानी में 'मध्यम तीव्रता' के साथ महसूस किए गए। सलोमोन जारा ने सोशल मीडिया पर बताया कि अभी तक किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं मिली है। भूकंप के बाद ग्वाटेमाला की राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया एजेंसी (कॉनरेड) ने एहतियाती कदम उठाते हुए लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है। एजेंसी की ओर से ऑनलाइन साझा की गई तस्वीरों में यह दिखाया गया है। कॉनरेड ने लोगों से अपील की है कि वे शांत रहें, अधिकारियों के निर्देशों का पालन करें और केवल आधिकारिक माध्यमों से मिली जानकारी पर भरोसा करें।

अमेरिकी हमले में चाबहार बंदरगाह का समुद्री ट्रैफिक कंट्रोल टावर नष्ट; ईरान ने किया पलटवार

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने शुक्रवार को दावा किया कि अमेरिका के ताजा हमलों में ईरान के मकरान इलाके में स्थित चाबहार बंदरगाह का समुद्री यातायात नियंत्रण टावर नष्ट हो गया है। ईरान ने इसे 'घृणित हमला' बताया और कहा कि यह हमला मछुआरों की आजीविका और क्षेत्र में आम नागरिकों की समुद्री सुरक्षा को निशाना बनाकर किया गया। ईरान ने तस्नीम समाचार एजेंसी के हवाले से जारी बयान में कहा कि अमेरिकी सेना ने तीन मिसाइलें दागकर एक 'पूरी तरह से नागरिक ढांचे' को नष्ट कर दिया। बयान में कहा गया कि अहम बुनियादी ढांचे पर अमेरिकी हमले एक बार फिर पश्चिमी देशों के दोहरे मापदंड और वाशिंगटन की ओर से खुद बनाए गए अंतरराष्ट्रीय समझौतों की अनदेखी को दिखाते हैं। इस बीच, अमेरिकी सेना की मध्य कमान (सेंटकॉम) ने एक्स पर एक पोस्ट में दावा किया कि उसने चाबहार के शाहिद कालंतरी बंदरगाह पर बने निगरानी टावर को सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया। यह टावर ईरान के ओमान की खाड़ी वाले तट पर बने समुद्री निगरानी नेटवर्क का हिस्सा था, जिसका इस्तेमाल दशकों से इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले वाणिज्यिक जहाजों पर नजर रखने और उन्हें निशाना बनाने के लिए करता आ रहा था। इस टावर के नष्ट होने से आईआरजीसी की निर्दोष आम नागरिकों (चालक दल के सदस्यों) पर हमले की योजना बनाने और उन्हें अंजाम देने की क्षमता सीधे तौर पर कम हो गई है।

बहरीन में अमेरिकी एयरबेस पर ईरान का हमला; अमेरिका की नागरिकों से पश्चिम एशिया ना जाने की सलाह

तेहरान, एजेंसी। ईरान में सातवें दिन भी अमेरिकी हमले जारी हैं। अमेरिकी सेना ने कार्रवाई और हवाई हमलों के दौरान ईरान में पुलों और पानी के प्लांट पर बम बरसाए हैं। अमेरिकी सेना की कार्रवाई होर्मुज में गतिरोध को लेकर ट्रंप की धमकी के बाद हो रही है। कुवैत के बिजली, जल और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने बताया कि ईरान के ताजा हमलों के बाद एक बिजली और समुद्री जल विलवणीकरण (डिसैलिनेशन) संयंत्र के एक हिस्से में आग लग गई। इसके बाद एहतियात के तौर पर बिजली उत्पादन की कई यूनिटों को बंद कर दिया गया, ताकि संयंत्र, कर्मचारियों और राष्ट्रीय बिजली ग्रिड की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। मंत्रालय ने कहा कि आपातकालीन योजनाएं तुरंत लागू कर दी गई हैं और बिजली व पानी की आपूर्ति को सामान्य बनाए रखने के लिए चौबीसों घंटे निगरानी की जा रही है।

ईरान के 20 गांवों में पेयजल संकट से 10 हजार लोग प्रभावित : ईरान के होर्मोजगान प्रांत के जास्क काउंटी स्थित बुंजी गांव में अमेरिकी हमले के बाद जल विलवणीकरण संयंत्र और समुद्री जल पंपिंग स्टेशन पूरी तरह तबाह हो गए। होर्मोजगान जल एवं अपशिष्ट जल कंपनी के सीईओ हमजेह पूर के अनुसार, इस हमले से करीब 20 गांवों के लगभग 10 हजार लोगों की पेयजल आपूर्ति पूरी तरह बाधित हो गई है। उन्होंने अमेरिकी कार्रवाई को 'आतंकी हमला' बताते हुए कहा कि प्रभावित गांव गंभीर जल संकट का सामना कर रहे हैं।

ईरान ने कुवैत और बहरीन में अमेरिकी ठिकानों को बनाया निशाना : ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने दावा किया है कि उसकी नौसेना ने कुवैत के अल-अहमदी बंदरगाह पर अमेरिकी नौसेना के ईंधन आपूर्ति पियर और बहरीन के शेख ईसा एयरबेस पर ड्रोन और मिसाइलों से हमला किया। तसनीम समाचार एजेंसी के अनुसार, ढ्ढक्रत्ररू ने यह भी दावा किया कि बहरीन में अमेरिकी खुफिया डेटा सेंटर 'बटेल्को' और कुवैत में अमेरिकी सिग्नल एवं दूरसंचार केंद्र को भी नष्ट कर दिया गया। इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उड़ान बंद : ईरान की ओर से हुए ताजा हमलों के बाद सुरक्षा कारणों से कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उड़ानों के टेकऑफ और लैंडिंग संचालन को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है। कुवैत एयरवेज ने यात्रियों को जारी नए अपडेट में इसकी जानकारी दी और कहा कि हालात सामान्य होने तक विमान संचालन प्रभावित रहेगा। इससे पहले एयरलाइन ने हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण अपनी अधिकांश उड़ानों का समय पुनर्निर्धारित (रीशेड्यूल) करने की घोषणा की थी और यात्रियों से उड़ानों से जुड़े अपडेट पर लगातार नजर रखने की अपील की थी।

पश्चिमी तेल कंपनियों के साथ इराक ने किए समझौते : इराक सरकार ने पश्चिमी तेल कंपनियों के साथ कई अहम प्रारंभिक समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं, जिनका उद्देश्य ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के साथ-साथ तेल निर्यात के वैकल्पिक मार्ग विकसित करना है। अमेरिका के वॉशिंगटन डीसी स्थित यूएस चैंबर ऑफ कॉमर्स में आयोजित अमेरिका-इराक बिजनेस समिट के दौरान हुए इन समझौतों में इराक-सीरिया कच्चा तेल पाइपलाइन के पुनर्निर्माण की योजना भी शामिल है। यह लंबे समय से बंद पड़ी पाइपलाइन उत्तरी इराक के तेल समृद्ध किर्कुक क्षेत्र को सीरिया के भूमध्यसागरीय बंदरगाह बनियास से जोड़ती है। इराक इस परियोजना के जरिए होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपनी निर्भरता कम कर वैकल्पिक निर्यात मार्ग तैयार करना चाहता है। इराक की सरकारी समाचार एजेंसी के अनुसार, इस परियोजना को अमेरिकी ऊर्जा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी शेवरॉन अंजाम देगी। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने अमेरिकी सैन्य ठिकानों की मेजबानी करने वाले देशों को चेतावनी देते हुए कहा है कि वे 'उचित जवाबी कार्रवाई' के लिए तैयार रहें।

अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तस्नीम के अनुसार, ने ऐसे देशों से अपने नागरिक सुरक्षा तंत्र (सिविल डिफेंस) को सक्रिय करने, नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और उन्हें संभावित सैन्य ठिकानों से दूर ले जाने को कहा है। इन देशों की जमीन का इस्तेमाल ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई शुरू करने के लिए किया जा रहा है। तस्नीम की रिपोर्ट के मुताबिक की जमीनी सेना ने ड्रोन और मिसाइलों से कुवैत स्थित अमेरिकी सैन्य लॉजिस्टिक्स हब कैंप अरिफजान को निशाना बनाया, जिसमें वहां मौजूद सैन्यकर्मियों के हताहत होने का दावा किया गया है। इसके साथ ही ने कुवैत के अली अल सलेम एयर बेस पर भी हमला करने, वहां की रडार प्रणाली को निष्क्रिय करने तथा हथियारों के रखरखाव वाले हैंगर और ड्रोन सुविधा को नष्ट करने का दावा किया है।

तीस्ता परियोजना पर बांग्लादेश ने क्यों थामा चीन का हाथ, भारत की चिंता की वजह क्या है?

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश ने तीस्ता नदी परियोजना के लिए चीन का हाथ थाम लिया है। प्रधानमंत्री तारिक रहमान की चीन यात्रा के दौरान दोनों देशों ने इस परियोजना की फीजिबिलिटी स्टडी कराने का समझौता किया। फिलहाल यह केवल शुरुआती अध्ययन है, लेकिन इसे चीन के बढ़ते रणनीतिक प्रभाव के रूप में देखा जा रहा है। यह परियोजना भारत के सबसे संवेदनशील इलाकों में से एक सिलीगुड़ी कॉरिडोर (चिकन नेक) के बेहद करीब है। तीस्ता नदी का उद्गम सिक्किम के पूर्वी हिमालय में होता है। इसके बाद यह पश्चिम बंगाल से होकर बांग्लादेश में प्रवेश करती है और अंत में जमुना (भारत में ब्रह्मपुत्र) नदी में मिल जाती है। तीस्ता नदी की कुल लंबाई 414 किलोमीटर है, जिसमें से लगभग 113 किलोमीटर हिस्सा बांग्लादेश में बहता है, जबकि शेष भाग भारत (सिक्किम और पश्चिम बंगाल) में स्थित है।

यह नदी दोनों देशों के लिए सिंचाई, कृषि, पेयजल, मत्स्य पालन और बाढ़ नियंत्रण का प्रमुख स्रोत है। खासकर बांग्लादेश के उत्तरी जिलों की खेती काफी हद तक इसी नदी पर निर्भर है। हालांकि सर्दियों में पानी की भारी कमी और मानसून में बाढ़ यहां की सबसे बड़ी समस्या है।

तीस्ता को लेकर कौन से प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है बांग्लादेश : तीस्ता रिवर कॉम्प्रिहेंसिव मैनेजमेंट एंड रिस्टोरेशन प्रोजेक्ट बांग्लादेश की सबसे बड़ी नदी प्रबंधन परियोजनाओं में से एक है। अमेरिकी विश्वविद्यालय लॉक हेवन की रिसर्च के अनुसार, इस परियोजना का मकसद तीस्ता नदी को इस तरह विकसित करना है कि पानी का बेहतर इस्तेमाल हो सके और नदी से जुड़ी समस्याएं कम हों। इसके लिए सात मुख्य लक्ष्य तय किए गए हैं।

इस परियोजना की शुरुआत कब हुई : जुलाई 2019 में प्रधानमंत्री शेख हसीना की चीन यात्रा के दौरान चीन ने तीस्ता परियोजना में सहयोग का आश्वासन दिया था। इसके बाद बांग्लादेश ने चीन की सरकारी पावर कंपनी के साथ तकनीकी सहयोग और लगभग 853 मिलियन डॉलर की वित्तीय सहायता पर सहमति बनी। 2020 में शेख हसीना सरकार ने इस परियोजना का खाका पेश किया। लेकिन आर्थिक कारणों और भारत की सुरक्षा चिंताओं के चलते इसे अंतिम मंजूरी नहीं मिली। द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश के जल संसाधन मंत्रालय ने 2020 में आर्थिक संबंध प्रभाग (श्वक्रष्ठ) को पत्र लिखकर इस परियोजना के लिए चीन से 983.27 मिलियन डॉलर (करीब 98.3 करोड़ डॉलर) का कर्ज उपलब्ध कराने का अनुरोध किया था। यह ऋण सीधे टीआरसीएमआरपी को लागू करने के लिए मांगा गया है। अब तारिक रहमान सरकार ने चीन के साथ इस परियोजना को फिर से आगे बढ़ाने का फैसला किया है।

जेडी वेंस के परिवार से परेशान हुई सीक्रेट सर्विस; उपराष्ट्रपति के किन मांगों पर एजेंटों ने जताई नाराजगी?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और उनके परिवार की सुरक्षा में तैनात अमेरिकी सीक्रेट सर्विस के कई एजेंट कथित तौर पर उनकी बार-बार होने वाली अचानक यात्रा योजनाओं और आखिरी समय में बदले जाने वाले कार्यक्रमों से परेशान हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इन लगातार बदलावों से सुरक्षा व्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है, टीम का मनोबल प्रभावित हो रहा है और सरकारी धन के अनावश्यक खर्च को लेकर भी शिकायतें सामने आई हैं।

एमएस नाउ की रिपोर्ट के अनुसार, एक घटना ने कई सुरक्षा एजेंटों को खास तौर पर नाराज कर दिया। बताया गया कि वेंस और उनके छोटे बेटे को गोल्फ सीखने के लिए वॉशिंगटन के एक हिस्से से दूसरे हिस्से तक मरीन टू हेलीकॉप्टर से ले जाने का प्रस्ताव रखा गया था। हालांकि खराब मौसम के कारण यह उड़ान नहीं हो सकी, लेकिन केवल इस तरह का प्रस्ताव ही कई एजेंटों को हैरान कर गया। रिपोर्ट के मुताबिक, एक एजेंट ने निजी संदेश में कहा कि यह पूरी तरह बेतुका है। माइक पेंस और कमला हैरिस ने कभी ऐसा नहीं किया। एक दूसरे एजेंट ने कहा कि ये लोग हर समय अपना कार्यक्रम बदल देते हैं। तय समय का पालन नहीं करते और इससे करदाताओं के लाखों डॉलर बेवजह खर्च होते हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि मरीन टू हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल करने के लिए व्हाइट हाउस सैन्य कार्यालय की मंजूरी जरूरी होती है। वर्ष 2022 के पेंटागन के बजट के अनुसार, इस हेलीकॉप्टर को उड़ाने पर हर घंटे 16 हजार से 24 हजार 600 अमेरिकी डॉलर तक खर्च आता है। सूत्रों के अनुसार, सरकारी हेलीकॉप्टर के इस्तेमाल पर कोई औपचारिक रोक नहीं है, लेकिन इस तरह की यात्रा पहले कभी नहीं हुई। उनका कहना है कि ऐसी अचानक की गई मांगों से सुरक्षा एजेंसियों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि जेडी वेंस और उनकी पत्नी उषा वेंस, जो अमेरिका की सेकेंड महिला हैं, हाल ही में नया घर देखने के लिए वर्जीनिया के मिडलबर्ग कई बार हेलीकॉप्टर से गए। दंपति के तीन बच्चे हैं, जिनकी उम्र 9, 6 और 4 वर्ष है। रिपोर्ट के अनुसार, वे अपने चौथे बच्चे के आने का इंतजार कर रहे हैं।

पीओके में हो रही हिंसा पर ह की एंट्री: पाकिस्तान से मांगा जवाब; नेताओं की गिरफ्तारी और इंटरनेट बंदी पर सवाल

नईदिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में जारी अशांति को लेकर संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने गहरी चिंता जताई है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच संयम बरतने की अपील की है और प्रदर्शनकारियों के साथ-साथ सुरक्षाबलों की मौतों की निष्पक्ष, त्वरित और व्यापक जांच कराने की मांग की है। जिनेवा से शुक्रवार को जारी बयान में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने कहा कि जुलाई के अंत में होने वाले क्षेत्रीय चुनावों से पहले पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में अशांति की लहर देखने को मिल रही है। बयान के मुताबिक, 27 जुलाई को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले जून से अब तक दर्जनों लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें अधिकांश प्रदर्शनकारी हैं, जबकि कुछ कानून-व्यवस्था बनाए रखने वाले सुरक्षाकर्मी भी शामिल हैं।

मौतों की निष्पक्ष जांच की मांग क्यों की गई : संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने अशांति के दौरान हुई सभी मौतों की त्वरित, गहन और निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाबलों, दोनों पक्षों में हुई मौतों की परिस्थितियों की पारदर्शी जांच होनी चाहिए ताकि जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके।

जेएएसी पर प्रतिबंध क्यों लगाया गया : बयान के अनुसार, विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व कर रही संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी पर आतंकवाद-रोधी कानूनों के तहत प्रतिबंध लगा दिया गया है। इस संगठन में व्यापारी, ट्रांसपोर्टर, छात्र, वकील, सामाजिक कार्यकर्ता और विभिन्न वर्गों के लोग शामिल हैं। पाकिस्तान प्रशासन का आरोप है कि यह संगठन सार्वजनिक व्यवस्था और सुरक्षा के लिए खतरा बन रहा था। प्रतिबंध के बाद संगठन के कई नेताओं को भी गिरफ्तार कर लिया गया है।

ह ने नागरिक अधिकारों को लेकर क्या चिंता जताई : संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि किसी नागरिक संगठन को अपराधी घोषित करना और सार्वजनिक सभाओं पर कड़े प्रतिबंध लगाना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, शांतिपूर्ण सभा करने के अधिकार और संगठन बनाने की स्वतंत्रता जैसे बुनियादी अधिकारों के उल्लंघन को लेकर गंभीर चिंता पैदा करता है। वोल्कर तुर्क ने कहा कि गिरफ्तार किए गए छ्वष्ट नेताओं को कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जानी चाहिए और उन्हें अपने परिवारों से संपर्क करने का अवसर मिलना चाहिए। साथ ही उनके निष्पक्ष सुनवाई और विधिसम्मत प्रक्रिया के सभी अधिकारों की पूरी तरह गारंटी दी जानी चाहिए। संयुक्त राष्ट्र ने क्षेत्र में इंटरनेट सेवाओं पर लगाए गए।

ईरान की यूएस को चेतावनी: अमेरिकी हमले जारी रहे तो 2-3 दिन में आएगी तबाही; क्या पूरे पश्चिम एशिया में फैलेगी जंग?

तेहरान, एजेंसी। ईरान के एक शीर्ष सैन्य सलाहकार ने संयुक्त राज्य अमेरिका को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका दो से तीन दिनों तक ईरान के खिलाफ युद्ध जारी रखता है, तो देश आक्रामक और विनाशकारी चरण में प्रवेश करेगा। ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई के सैन्य सलाहकार मोहसेन रेजाई ने सरकारी टीवी चैनल आईआरआईबी को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि 'युद्ध और वार्ता' की नीति समाप्त हो गई है। उन्होंने आगे कहा कि अगर अमेरिकी हमले जारी रहते हैं, तो ईरान के सशस्त्र बल अब केवल जवाबी हमलों तक सीमित नहीं रहेंगे। अमेरिकी ठिकाने और सेनाएं किसी भी राजनीतिक सीमा के भीतर सुरक्षित नहीं रहेंगी। रेजाई ने कहा कि ईरान ने अब तक युद्ध को व्यापक क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय संकट में बदलने से रोकने के लिए संयम बरता है। उन्होंने युद्ध को क्षेत्रीय युद्ध में बदलकर अमेरिका पर गलत अनुमान लगाने का आरोप लगाया।

उन्होंने चेतावनी दी कि अगर संयुक्त राज्य अमेरिका ईरान विरोधी कार्रवाई जारी रखता है, तो ईरान जमीनी बलों सहित अतिरिक्त सैन्य क्षमताओं को तैनात करेगा और युद्ध का दायरा बढ़ जाएगा। रेजाई ने कुवैत, जॉर्डन, संयुक्त अरब अमीरात और कतर सहित क्षेत्रीय देशों के लोगों से भी आगे तनाव बढ़ने से रोकने में मदद करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि वर्तमान चरण में भी, अमेरिकी हमलों के जवाब में ईरान की प्रतिक्रिया बहुत तीव्र रही है। वहीं, चेतावनी दी कि आने वाले दिनों में ईरानी सैन्य अभियानों की तीव्रता बढ़ेगी। रेजाई ने कहा, 'अमेरिका को मिसाइल और ड्रोन हमलों की बढ़ती लहरों का इंतजार करना होगा। उन्होंने वाशिंगटन को ईरान के खिलाफ किसी भी जमीनी अभियान के खिलाफ चेतावनी दी।

ईरान ने एक जहाज को निशाना बनाया : इस बीच, ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तसनीम ने शुक्रवार को बताया कि ईरानी सेना ने दिन में पहले होर्मुज जलडमरूमध्य में एक उल्लंघन करने वाले जहाज को निशाना बनाया। एक जानकार सैन्य सूत्र का हवाला देते हुए, तसनीम ने कहा कि थाई ध्वज वाले जहाज ने ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड कोर की नौसेना से आवश्यक अनुमति प्राप्त किए बिना जलडमरूमध्य को पार करने का प्रयास किया और चेतावनियों को नजरअंदाज किया।

पिछले कई दिनों से, अमेरिकी सेना ने ईरान के दक्षिणी प्रांतों के खिलाफ कई बार हमले किए हैं। यह दावा करते हुए कि ये हमले ईरानी सशस्त्र बलों द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों को निशाना बनाने के जवाब में हैं। इनका उद्देश्य वाणिज्यिक जहाजों को धमकी देने की ईरान की क्षमता को कमजोर करना है। ईरान ने इसके जवाब में पूरे क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य ठिकानों और सुविधाओं को निशाना बनाते हुए मिसाइल और ड्रोन हमलों की कई लहरें चलाईं।

अमेरिकी सेना ने चाबहार के निगरानी टावर को बनाया निशाना; होर्मुज से जहाजों की आवाजाही बेहद कम

वाशिंगटन, एजेंसी। खाड़ी देश अब एक ऐसी आग में झुलस रहे हैं, जिसे बुझाना नामुमकिन लग रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सीधी चेतावनी के बाद अमेरिकी लड़ाकू विमानों ने लगातार छठी रात ईरान को बमों से पाट दिया है। यह हमला कितना भीषण है, इसका अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि अमेरिकी मिसाइलों ने इस बार सिर्फ सैन्य ठिकाने नहीं, बल्कि ईरान की लाइफलाइन कहे जाने वाले पुलों, रेलवे स्टेशनों और एयरपोर्ट को मलबे के ढेर में तब्दील कर दिया है। रणनीतिक रूप से सबसे महत्वपूर्ण समुद्री रास्ते 'होर्मुज जलडमरूमध्य' के पास भारी तबाही हुई है, जिससे ईरान के कई शहरों का आपस में संपर्क पूरी तरह टूट गया है। जवाब में बौखलाए ईरान ने भी अमेरिकी बेस वाले बहरीन और कुवैत पर मिसाइलें और ड्रोन दागकर भीषण पलटवार कर दिया है। क्या अब खाड़ी के रास्ते पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था ठप हो जाएगी।

अमेरिकी सेना ने चाबहार के निगरानी टावर को नष्ट करने का किया दावा : अमेरिकी सेना की मध्य कमान (सेंटकॉम) ने एक्स पर एक पोस्ट में दावा किया कि उसने चाबहार के शाहिद कालंतरी बंदरगाह पर बने निगरानी टावर को सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया। यह टावर ईरान के ओमान की खाड़ी वाले तट पर बने समुद्री निगरानी नेटवर्क का हिस्सा था, जिसका इस्तेमाल दशकों से इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले वाणिज्यिक जहाजों पर नजर रखने और उन्हें निशाना बनाने के लिए करता आ रहा था। इस टावर के नष्ट होने से आईआरजीसी की निर्दोष आम नागरिकों (चालक दल के सदस्यों) पर हमले की योजना बनाने और उन्हें अंजाम देने की क्षमता सीधे तौर पर कम हो गई है। इसके अलावा, यह कार्रवाई क्षेत्र के जलक्षेत्र में सभी जहाजों के लिए आवाजाही की स्वतंत्रता को सुरक्षित करती है, सिवाय उन जहाजों के जो ईरान के खिलाफ अमेरिकी नौसेना की नाकेबंदी को तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। कुवैत ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि ईरान ने उसके एक बिजली उत्पादन और समुद्री जल को पीने योग्य बनाने वाले (डिसैलिनेशन) संयंत्र पर हमला किया, जिससे स्टेशन को व्यापक नुकसान पहुंचा। कुवैत के बिजली, जल एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के अनुसार, हमले के बाद आग लग गई और बिजली उत्पादन की कई इकाइयों को क्षति पहुंची। मंत्रालय ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है और नुकसान का आकलन करने के साथ-साथ संयंत्र को दोबारा चालू करने के प्रयास जारी हैं। कुवैत में करीब 90 प्रतिशत पेयजल समुद्री जल के डिसैलिनेशन से प्राप्त होता है, ऐसे में इस तरह का हमला देश की जल आपूर्ति और आवश्यक सेवाओं के लिए गंभीर चुनौती माना जा रहा है। अमेरिकी हमलों के बाद ईरान ने होर्मोजगान प्रांत में रेलवे के एक महत्वपूर्ण बिंदु को हुए नुकसान के चलते बंदर अब्बास स्टेशन से यात्री ट्रेनों के परिचालन पर अस्थायी प्रतिबंध लगा दिया है।

कनाडा के धुएं पर भड़के ट्रंप: नया टैरिफ लगाने की दी धमकी, क्या जंगल की आग से यूएस को हुआ अरबों डॉलर का नुकसान?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कनाडा पर अतिरिक्त शुल्क लगाने की धमकी दी। इसके साथ ही ओटावा पर अपने जंगलों का प्रबंधन करने में विफल रहने और जंगल की आग के धुएं को संयुक्त राज्य अमेरिका के कुछ हिस्सों में फैलने देने का आरोप लगाया। राष्ट्रपति ट्रंप ने इसे गंदी, प्रदूषित और अस्वास्थ्यकर हवा बताया।

ट्रंप ने कनाडा पर क्या आरोप लगाए : ट्रूथ सोशल पर एक पोस्ट में, ट्रंप ने कहा 'हम कनाडा को इस बात के लिए जिम्मेदार ठहरा रहे हैं कि वे अपने जंगलों और उनमें उगने वाली झाड़ियों का ठीक से रखरखाव नहीं कर रहे हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका अनावश्यक रूप से गंदी, प्रदूषित और अस्वास्थ्यकर हवा से प्रभावित हो रहा है, जिसकी गुणवत्ता खतरनाक और बिल्कुल अस्वीकार्य है।'

प्रधानमंत्री कार्नी से करेंगे बात : उन्होंने यह भी कहा कि वे स्पष्टीकरण मांगने और इस मुद्दे को सुलझाने के लिए कनाडा की योजनाओं पर चर्चा करने के लिए कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी से बात करेंगे। ट्रंप ने आगे कहा 'मैं दिन में प्रधानमंत्री को फोन करके पता लगाऊंगा कि वे इस बारे में क्या करने वाले हैं। इसकी लागत का अंदाजा लगाना मुश्किल है!'

क्या अमेरिका को अरबों का नुकसान हुआ है: ट्रंप ने कनाडा पर पर्याप्त वन प्रबंधन और मलबा हटाने से इनकार करने का आरोप लगाते हुए इसे जानबूझकर की गई लापरवाही करार दिया। इसके साथ ही दावा किया कि बार-बार होने वाली जंगल की आग के धुएं से संयुक्त राज्य अमेरिका को अरबों डॉलर का नुकसान हुआ है। उन्होंने आगे कहा, 'इस प्रदूषण की लागत को कनाडा की ओर से वर्तमान में भुगतान किए जा रहे टैरिफ में अनिवार्य रूप से जोड़ा जाना चाहिए।

नासा ने क्या बताया : ट्रंप की ये टिप्पणियां ऐसे समय आई जब कनाडा में

लगी सैकड़ों सक्रिय जंगल की आग से निकलने वाला धुआं सीमा पार करके अमेरिका के कई राज्यों में फैल गया, जिससे वायु गुणवत्ता संबंधी चेतावनी जारी की गई। नासा के अनुसार, कनाडा में लगी लगभग 850 सक्रिय जंगल की आग से निकलने वाला धुआं, जिसमें ओंटारियो में लगी 180 से अधिक आग भी शामिल हैं, ऊपरी मध्यपश्चिम से लेकर उत्तरपूर्व तक फैले अमेरिका के 20 से अधिक राज्यों में फैल चुका है।

कनाडा के कितने जंगलों में लगी आग : कैनेडियन इंटरएजेंसी फॉरेस्ट फायर सेंटर ने बताया कि शुक्रवार को कनाडा भर में लगभग 888 जंगल की आग लगी हुई थी, जिनमें से अधिकांश पर काबू पाना असंभव था। इनमें से 190 से अधिक आग ओंटारियो में लगी थीं। जंगल की आग से निकले धुएं ने मिनेसोटा, मिशिगन, पेंसिल्वेनिया, ओहियो और न्यूयॉर्क सहित संयुक्त राज्य अमेरिका के कई हिस्सों में वायु गुणवत्ता को प्रभावित किया है। आईक्यूएयर के अनुसार, शुक्रवार को डेट्रॉइट में दुनिया की सबसे खराब वायु गुणवत्ता दर्ज की गई, जिसके बाद शिकागो, वाशिंगटन डीसी और न्यूयॉर्क का स्थान रहा। टैरिफ लगाने की धमकी कई रिपब्लिकन सांसदों की आलोचना के बाद आई है, जिन्होंने कनाडा पर बार-बार लगने वाली जंगल की आग के धुएं को अमेरिका में प्रवेश करने से रोकने के लिए पर्याप्त कार्रवाई न करने का आरोप लगाया है। ट्रंप की नया नवीनतम टैरिफ चेतावनी पर कनाडाई अधिकारियों ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। इससे पहले, प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा कि जलवायु परिवर्तन से निपटने की जिम्मेदारी कनाडा और संयुक्त राज्य अमेरिका दोनों की है। वहीं, प्रीमियर डग फोर्ड ने वाशिंगटन से कनाडा की प्रतिक्रिया की आलोचना करने के बजाय अतिरिक्त सहायता भेजने का आग्रह किया। हालांकि, वैज्ञानिकों का कहना है कि जंगल की आग से निकलने वाला धुआं मुख्य रूप से मौसम की स्थितियों से प्रभावित होता है, न कि राजनीतिक सीमाओं से।

टोरंटो विश्वविद्यालय के डॉ. पैट्रिक जेम्स ने कहा, 'मौसम को अंतरराष्ट्रीय सीमाओं से कोई लेना-देना नहीं है।' इसके साथ ही बताया कि हाल के वर्षों में अमेरिका में लगी भीषण जंगल की आग से निकलने वाले धुएं ने कनाडा को भी प्रभावित किया है। विशेषज्ञों ने आगे कहा कि वर्तमान में लगी कई आग कनाडा के विशाल, दूरस्थ जंगलों में जल रही हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत में पुलिस की मौजूदगी में खुलेआम मारपीट

महिला का आरोप जुए की शिकायत की तो पुलिस ने आरोपी जैसा व्यवहार किया

PI बोल 'पुलिस पर दबाव बनाने की कोशिश'

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत शहर के लालगेट पुलिस स्टेशन क्षेत्र में कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करने वाली एक घटना सामने आई है। वरीयावी बाजार क्षेत्र में रहने वाली एक मध्यमवर्गीय महिला ने लालगेट पुलिस स्टेशन के पुलिस निरीक्षक (PI) एच. जे. सोलंकी तथा 5 से 7 अन्य पुलिसकर्मियों के खिलाफ आरोप लगाते हुए सूरत पुलिस आयुक्त को लिखित शिकायत दी है।

महिला का आरोप है कि जब उन्होंने इलाके में चल रहे कथित जुए के अड्डे की शिकायत की, तो पुलिस ने कार्रवाई करने के बजाय उनके साथ अपराधियों जैसा व्यवहार किया और उन्हें झूठे मामले में फंसाने की धमकी दी। इस मामले से जुड़ा कथित जुए के अड्डे और पुलिस की मौजूदगी में हुई मारपीट का एक वीडियो भी सामने आया है।

हालांकि, लालगेट पुलिस स्टेशन के PI एच. जे. सोलंकी ने इन सभी आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि महिला के खिलाफ शिकायत दर्ज होने के कारण वह पुलिस पर दबाव बनाने के लिए इस तरह के आरोप लगा रही है।

शिकायतकर्ता पुष्पाबेन मनीष जैन (35 वर्ष), निवासी मदारी वाड, वरीयावी बाजार, सूरत, के अनुसार वह कैटरिंग का काम करके अपने चार बच्चों और मां का पालन-पोषण करती हैं।

उनका आरोप है कि 24 जून 2026 को उनके घर के पास असलम बंबईया, वसीम मेमन, अफजल मेमन, सलीक भजियो तथा अन्य 10 लोगों और 30 से 40 किन्नरों द्वारा कथित रूप से अवैध जुए का अड्डा चलाया जा रहा था।

इस गतिविधि के कारण इलाके में रोजाना झगड़े और गाली-गलौज होती थी। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने उन पर हमला कर दिया। उन्होंने तत्काल 112 पर कॉल कर पुलिस सहायता मांगी, लेकिन उनका आरोप है कि मौके पर पहुंची पुलिस ने जुआरियों के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय उन्हें ही धमकाकर मामला दबा दिया।

महिला का कहना है कि न्याय की उम्मीद में वह लालगेट पुलिस स्टेशन पहुंचीं, लेकिन वहां उनकी शिकायत दर्ज करने से इनकार कर दिया गया।

उन्होंने आरोप लगाया कि प्रभावशाली लोगों के दबाव में पुलिस ने उल्टा उन्हें और उनकी बहनों को पुलिस स्टेशन में बैठाए रखा। इस दौरान उनकी बड़ी बहन सोनल के सिर में गंभीर चोट होने के बावजूद पुलिस ने इलाज की व्यवस्था नहीं की। बाद में बहन पुलिस स्टेशन में ही बेहोश हो गई, जिसके बाद परिवार ने 108 एम्बुलेंस बुलाकर उनका उपचार कराया।

शिकायत के अनुसार, 7 जुलाई 2026 की रात मोहसिन उर्फ माया और असलम बंबईया कथित रूप से उनके घर पहुंचे और चाकू से हमला किया। बचाव करते समय महिला के दोनों हाथों में चोटें आईं।

महिला का आरोप है कि इस घटना की जानकारी डीसीपी राघव जैन को देने के बाद उसी रात लगभग 1 बजे PI एच. जे. सोलंकी पुलिस वैन, दो रिक्शा, पुलिस स्टाफ और कुछ सादे कपड़ों में लोगों के साथ उनके घर पहुंचे।

महिला का आरोप है कि पुलिस ने घर में घुसकर गाली-गलौज की। इसी दौरान उनका 14 वर्षीय बेटा उत्सव मोबाइल से वीडियो रिकॉर्ड कर रहा था। आरोप है कि PI सोलंकी ने गुस्से में आकर उसे 6-7 थप्पड़ मारे, उसका मोबाइल छीन लिया और वीडियो डिलीट कर दिया।

महिला ने आरोप लगाया कि रात के समय कोई महिला पुलिसकर्मी मौजूद नहीं थी, फिर भी पुलिस ने उन्हें और उनकी बहन को बाल पकड़कर घर से बाहर निकाला और अवैध रूप से पुलिस स्टेशन ले गई।

उनका कहना है कि PI के कार्यालय में ले जाकर बेल्ट से मारने की धमकी दी गई। साथ ही कहा गया कि वे असलम बंबईया का धंधा क्यों बंद करवाना चाहती हैं। यदि उन्होंने पुलिस के खिलाफ कहीं शिकायत की तो चोरी के झूठे मामले में फंसा दिया जाएगा, रिमांड लेकर बिजली के झटके दिए जाएंगे और PASA के तहत जेल भेज दिया जाएगा।

महिला का आरोप है कि अंततः उन्हें डराकर माफी मंगवाई गई और सुबह करीब 5 बजे छोड़ा गया।

महिला और उनके परिवार ने इस मामले में सूरत पुलिस आयुक्त के अलावा गृह विभाग (कानून एवं व्यवस्था) के सचिव, गुजरात राज्य मानवाधिकार आयोग तथा गुजरात के मुख्यमंत्री को भी शिकायत की प्रतियां भेजकर न्याय की मांग की है।

उन्होंने मांग की है कि यदि लालगेट पुलिस स्टेशन के CCTV फुटेज की जांच की जाए तो पुलिस द्वारा किए गए कथित अवैध कृत्यों और दुर्व्यवहार की सच्चाई सामने आ जाएगी।

महिला का कहना है कि कथित धमकियों के कारण उन्हें अपने बच्चों की सुरक्षा के लिए पांच दिनों तक घर छोड़कर दूसरी जगह शरण लेनी पड़ी।

उन्होंने सूरत पुलिस आयुक्त और गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी से सवाल किया कि, 'यदि रक्षक ही भक्षक बन जाएं और घर में घुसकर मारपीट व धमकी दें, तो हम न्याय के लिए कहां जाएं? हमने कौन-सा अपराध किया है?'

महिला ने अपने 14 वर्षीय बेटे को न्याय दिलाने तथा दोषी पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

लालगेट पुलिस स्टेशन के PI एच. जे. सोलंकी ने महिला के सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि ये पूरी तरह निराधार हैं।

उन्होंने कहा कि पुष्पा जैन और उनकी बहन को जुआ खेलने की आदत है।

पहले भी दोनों पक्षों के बीच मारपीट हुई थी, जिसमें एक-दूसरे के खिलाफ शिकायतें दर्ज हुई थीं। अब अपने खिलाफ शिकायत दर्ज होने के कारण वे पुलिस पर दबाव बनाने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपना रही हैं।

उधना रेलवे अंडरपास में घुटनों तक पानी, वाहन चालकों को भारी परेशानी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत शहर में मौसम ने अचानक करवट ली और सुबह करीब 5 बजे काले घने बादलों के साथ तेज बारिश शुरू हो गई। कुछ ही समय में 2 इंच से अधिक बारिश होने से शहर के कई इलाके जलमग्न हो गए। सुबह-सुबह हुई मूसलाधार बारिश के कारण काम पर निकलने वाले लोगों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

भारी बारिश के बाद हर साल की तरह इस बार भी नगर निगम की प्री-मानसून तैयारियों की पोल खुलती नजर आई। उधना रेलवे स्टेशन के पास स्थित रेलवे अंडरपास पूरी तरह पानी में डूब गया।

अंडरपास में घुटनों तक पानी भर जाने से यातायात प्रभावित हुआ। दफ्तर और काम पर जाने वाले लोगों को जान जोखिम में डालकर घुटनों तक भरे पानी से होकर गुजरना पड़ा।

स्थानीय लोगों का कहना है कि हर मानसून में उन्हें इसी परेशानी का सामना करना पड़ता है। उनका आरोप है कि नगर निगम की प्री-मानसून तैयारियां केवल कागजों तक सीमित रहती हैं, जबकि वास्तविकता में आम जनता को मुश्किलें झेलनी पड़ती हैं। उन्होंने इस समस्या का स्थायी समाधान करने की मांग की है।

बारिश शुरू होते ही करोड़ों रुपये की लागत से तैयार किए गए सूरत नगर निगम के ड्रेनेज नेटवर्क की कार्यक्षमता पर फिर सवाल उठने लगे हैं।

शहर के कई निचले इलाकों और ऐसे स्थानों पर, जिन्हें हर वर्ष जलभराव का हॉटस्पॉट माना जाता है, सामान्य बारिश में भी बाढ़ जैसे हालात बन जाते हैं।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि पानी निकासी के लिए कोई स्थायी और प्रभावी व्यवस्था नहीं की गई है, जिसके कारण हर बार जनता के टैक्स का पैसा व्यर्थ जाता है।

शहर के व्यस्त उधना-नवसारी रोड पर भी सुबह की बारिश ने नगर निगम के दावों की पोल खोल दी। इस प्रमुख मार्ग के एक हिस्से में सामान्य बारिश के दौरान भी सड़क पूरी तरह पानी में डूब जाती है।

आज सुबह भी यही स्थिति देखने को मिली, जिससे कई वाहन बीच रास्ते में बंद हो गए और ट्रैफिक जाम की स्थिति पैदा हो गई।

हालांकि, फिलहाल बारिश रुकने और धीरे-धीरे पानी का स्तर कम होने से प्रशासन और शहरवासियों ने कुछ राहत की सांस ली है।

होटल की आड़ में चल रहे सेक्स रैकेट का भंडाफोड़

पुलिस ने छापा मारकर दो महिलाओं को कराया मुक्त

संचालक और ग्राहक गिरफ्तार,मालिक समेत चार दलाल फरार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत शहर में स्पा और होटलों की आड़ में चल रही अवैध गतिविधियों के खिलाफ पुलिस लगातार अभियान चला रही है। इसी क्रम में एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (AHTU) ने पुख्ता सूचना के आधार पर पुणा पुलिस थाना क्षेत्र स्थित एक होटल पर छापा मारकर देह व्यापार के बड़े रैकेट का पर्दाफाश किया। इस कार्रवाई में पुलिस ने दो भारतीय महिलाओं को कथित यौन

शोषण और देह व्यापार के चंगुल से मुक्त कराया।

जानकारी के अनुसार, पुणा के पर्वत पाटिया क्षेत्र स्थित स्वप्न सृष्टि कॉम्प्लेक्स की तीसरी मंजिल पर 'होटल ला'मोर' नाम से एक होटल संचालित हो रहा था।

पुलिस को सूचना मिली थी कि इस होटल में ग्राहकों को बुलाकर बाहर से लाई गई महिलाओं के माध्यम से अवैध देह व्यापार कराया जा रहा है। सूचना की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने योजनाबद्ध तरीके से देर रात होटल पर छापा मारा। छापेमारी के दौरान होटल के अंदर कथित रूप से देह व्यापार की गतिविधियां चलती हुई मिलीं। वहां मौजूद दो भारतीय महिलाओं को पुलिस ने मुक्त कराकर सुरक्षित स्थान पर भेजने की प्रक्रिया शुरू की।

प्राथमिक जांच में सामने आया कि होटल मालिक ने होटल के संचालन के लिए एक मैनेजर (संचालक) नियुक्त किया था। इसके अलावा ग्राहकों को लाने और महिलाओं की व्यवस्था करने के लिए चार लोग दलाल के रूप में सक्रिय थे।

पुलिस के अनुसार, ये सभी लोग आपसी मिलीभगत से ग्राहकों से बड़ी रकम वसूलते थे और उसमें से अपना-अपना कमीशन लेकर यह पूरा नेटवर्क संचालित करते थे।

छापेमारी के दौरान पुलिस ने मौके से निम्नलिखित सामान जब्त किया:

* 3,200 नकद
* लगभग 26,000 कीमत के 3 मोबाइल फोन
*होटल के बाहर खड़ी लगभग 67,000 मूल्य की 2 मोटरसाइकिलें
* होटल का बिजली बिल, कर संबंधी दस्तावेज और होटल लाइसेंस की प्रतियां

पुलिस ने कुल 96,200 का मुद्देमाल जब्त कर कानूनी कार्रवाई शुरू की।

एक संचालक और एक ग्राहक गिरफ्तार, मालिक समेत चार आरोपी फरार

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से होटल के 26 वर्षीय संचालक,जो मूल रूप से गुजरात के तापी जिले के कुकरमुंडा का निवासी है, तथा 47 वर्षीय एक ग्राहक,जो मूल रूप से अमरेली जिले के लीलिया का निवासी है, को गिरफ्तार कर लिया।

हालांकि, होटल का मालिक और तीन अन्य कथित दलाल पुलिस को चकमा देकर फरार हो गए। पुलिस ने इन चारों आरोपियों को वांछित (Wanted) घोषित कर दिया है और उनके मोबाइल नंबर तथा लोकेशन के आधार पर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों तथा फरार आरोपियों के खिलाफ अनैतिक व्यापार (निवारण) अधिनियम (Immoral Traffic (Prevention) Act) और भारतीय न्याय संहिता (BNS) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

मामले की आगे की जांच और कानूनी कार्रवाई के लिए केस पुणा पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया है।

सूरत नगर निगम की ढीली कार्यशैली पर व्यापारी का अनोखा व्यंग्य

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

स्मार्ट सिटी के रूप में पहचान रखने वाले सूरत शहर में मानसून शुरू होते ही नगर निगम की प्री-मानसून तैयारियों की पोल खुल जाती है। आमतौर पर जलभराव से परेशान लोग सड़क जाम, प्रदर्शन या नारेबाजी कर अपना

विरोध जताते हैं, लेकिन सूरत के वेसु इलाके में एक व्यापारी ने प्रशासन के खिलाफ बेहद अनोखे और व्यंग्यात्मक तरीके से विरोध दर्ज कराया।

बार-बार जलभराव की समस्या से परेशान एक दुकानदार ने अपने बेसमेंट में मिली एक जीवित मछली का नाम SMC' (सूरत महानगरपालिका) रख दिया। इस अनोखे नामकरण का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

जानकारी के अनुसार, सूरत के वीआईपी रोड स्थित वेसु क्षेत्र में भगवान महावीर कॉलेज के पास 'ओफिरा बिजनेस हब' नामक एक प्रसिद्ध व्यावसायिक परिसर है। पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण इस आधुनिक कॉम्प्लेक्स के बेसमेंट में भारी मात्रा में पानी भर गया।

जलभराव के कारण पार्किंग पूरी तरह प्रभावित हो गई और दुकानदारों व ग्राहकों के लिए आवाजाही भी मुश्किल हो गई। स्थिति तब और भी हैरान करने वाली हो गई, जब बेसमेंट में भरे गंदे पानी में जीवित मछलियां तैरती हुई दिखाई दीं। व्यापारियों के लिए यह चौंकाने वाली बात थी कि एक आधुनिक कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स का बेसमेंट किसी तालाब में बदल गया था।

व्यापारियों का आरोप है कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद सूरत महानगरपालिका की ओर से कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया। इससे नाराज एक दुकानदार ने प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने के लिए अनोखा तरीका अपनाया।

उसने बेसमेंट के पानी से एक जीवित मछली पकड़कर उसे पानी से भरी प्लास्टिक की थैली में सुरक्षित रखा और सभी लोगों की मौजूदगी में उसका प्रतीकात्मक 'नामकरण' किया। नगर निगम की कार्यशैली पर कटाक्ष करते हुए उसने मछली का नाम SMC रख दिया।

दुकानदार द्वारा मछली को प्लास्टिक की थैली में रखकर उसका नाम 'SMC' घोषित करने का वीडियो कैमरे में रिकॉर्ड हो गया। वीडियो में दुकानदार का आक्रोश और सूरत की खास व्यंग्यात्मक शैली साफ दिखाई देती है।

वीडियो सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म पर वायरल होने के बाद लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया है। कई नेटिज़न्स इस अनोखे विरोध की शैली और व्यापारी की हाजिरजवाबी की सराहना कर रहे हैं, जबकि जलभराव की समस्या को लेकर नगर निगम की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठा रहे हैं।

उधना रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा बलों की बड़ी कार्रवाई

प्लेटफॉर्म से 2.99 किलोग्राम गांजे के साथ बिहार का मजदूर गिरफ्तार,1.51 लाख का माल जब्त

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत पुलिस अलर्ट मोड पर है। इसी कड़ी में रेलवे सुरक्षा बल (RPF) और स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (SOG) की संयुक्त टीम ने उधना रेलवे स्टेशन पर चेकिंग के दौरान बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने प्लेटफॉर्म नंबर 5 से लगभग 3 किलोग्राम प्रतिबंधित मादक पदार्थ गांजे के साथ एक आरोपी को रंगे हाथ गिरफ्तार कर अंतरराज्यीय ड्रग्स नेटवर्क का खुलासा किया है।

मिली जानकारी के अनुसार, उधना रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 5 पर रेलवे सुरक्षा बल और पुलिस की संयुक्त टीम नियमित गश्त कर रही थी। इसी दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति पीठ पर काले रंग का भारी बैग लटकाकर स्टेशन से बाहर निकलने की जल्दबाजी में दिखाई दिया।

उसकी संदिग्ध गतिविधियों और हाव-भाव को देखकर सुरक्षा कर्मियों ने उसे रोकने का प्रयास किया। पुलिस को देखते ही उसने भागने की कोशिश की, लेकिन सतर्क जवानों ने चारों ओर से घेराबंदी कर उसे तुरंत पकड़ लिया।

आरोपी को सुरक्षा कार्यालय ले जाकर उसके बैग की गहन तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान बैग से प्लास्टिक और भूरे रंग के सेलोटेप से मजबूती से पैक किए गए कई संदिग्ध पार्सल बरामद हुए। पार्सलों को खोलने पर उनमें से हरे और सूखे रूप में गांजा मिला। सरकारी कांटे पर वजन करने पर कुल 2.990 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत 1,49,500 आंकी गई।

आरोपी की तलाशी के दौरान पुलिस ने निम्नलिखित सामान जब्त किया

मादक पदार्थः 2.990 किलोग्राम गांजा (अनुमानित कीमत 1,49,500)

मोबाइल फोनः सैमसंग कंपनी का मोबाइल (कीमत लगभग 2,000)

रेलवे टिकटः जनरल कोच का यात्रा टिकट, जिससे अंदेशा है कि आरोपी ने संदेह से बचने के लिए भीड़भाड़ वाले सामान्य डिब्बे में सफर किया था।

पुलिस ने गांजा, मोबाइल और बैग सहित कुल 1,51,500 का मुद्देमाल पंचों की मौजूदगी में जब्त कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान मिथिलेशकुमार (28 वर्ष)के रूप में हुई है। वह मूल रूप से बिहार के पटना जिले के सुल्तानपुर क्षेत्र का निवासी है। वह रोजगार के बहाने गुजरात आया था और कच्छ जिले के मुंद्रा स्थित नाना कपैया चालीस खोली क्षेत्र में मजदूरी करता था।

प्राथमिक पूछताछ में सामने आया है कि जल्दी अधिक पैसा कमाने के लालच में वह बिहार से गांजे की यह खेप लेकर आया था और गुजरात के औद्योगिक क्षेत्रों में मजदूरों या स्थानीय ड्रग पेडलरों को ऊंचे दाम पर बेचने की फिराक में था।

रेलवे पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

अब पुलिस इस बात की गहन जांच कर रही है कि आरोपी बिहार में किस मुख्य सप्लायर से गांजा लेकर आया था और सूरत में यह खेप किसे पहुंचाई जानी थी। साथ ही इस अंतरराज्यीय ड्रग्स नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों और सरगनाओं की पहचान कर पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश करने के लिए जांच तेज कर दी गई है।